रांची, बुधवार 06 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 120 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

अलविदा गुरुजी

फूटा कुंभ जल जलहिं समाना अंतिम जोहार शिबू सोरेन

पंचतत्व में विलीन हुए दिशोम गुरु

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि

- दिशोम गुरु को आखिरी जोहार, हर चेहरा खामोश और आंख नम
- गुरुजी को घाट पर ले जाते फूट-फूट कर रो पड़े हेमंत सोरेन
- झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई अपने धाम
- आंसुओं की धुंध में गुरुजी को ओझल होते हुए देखते रहे हजारों हजार समर्थक
- राहुल गांधी, खरगे और तेजस्वी यादव ने गुरुजी को दी विदाई
- टूटीं दलीय दीवारें, विभिन्न दलों के राष्ट्रीय एवं स्थानीय नेता भी पहुंचे
- राज्यसभा के बाद लोकसभा में भी शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

शुभम संदेश टीम। रांची/ नेमरा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन का मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. उनके बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी. शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा जब उनके पैतृक गांव नेमरा में निकाली गई, तो उन्हें आखिरी बार श्रद्धांजलि देने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. जनसैलाब ने "गुरुजी अमर रहें" के नारों के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी. इस मौके पर देश के कई दिग्गज नेता, आला अधिकारी और हजारों आम लोग मौजूद रहे.

दिशोम गुरु की अंतिम विदाई में हर किसी की आंखे नम थीं. घाट तक उनके पार्थिव शरीर को बेटे हेमंत सोरेन, बसंत सोरेन और अन्य परिजनों ने कंधा दिया. अंतिम दर्शन के समय गुरु जी की पत्नी रूपी सोरेन फफक-फफक कर रो पड़ीं, वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन उन्हें संभालती दिखाई दीं. घाट पर जब शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर ले जाया जा रहा था, तो उनके पुत्र हेमंत सोरेन और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं. दिशोम गुरु के बेटे और सीएम हेमंत सोरेन एक समय ऐसा भी आया, जब फूट-फूट कर रो पड़े, उनके साथ उनके दोनों बेटों की आंखें भी नम थीं.

गुरु जी के पार्थिव शरीर को चिता पर रखने से पहले परंपरानुसार उसकी परिक्रमा कराई गई. जैसे ही चिता पर शिबू सोरेन का शरीर रखा गया, उसी क्षण मूसलाधार बारिश शुरू हो गई—जैसे प्रकृति भी इस विदाई में अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रही थी. बारिश के बावजूद हजारों लोग अंतिम दर्शन के लिए डटे रहे. कुछ ही समय बाद गुरुजी के छोटे बेटे बसंत सोरेन ने मुखाग्नि की अंतिम रस्म निभाई. इसके बाद चिता धू-धू कर जल उठी. इस दौरान उनके पुत्र एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुपचाप, अपने छोटे भाई बसंत सोरेन के साथ पिता की चिता के जमे रहे. अंततः गुरुजी इस नश्वर संसार संसार से स्थूल रूप से मिट्टी में मिल गए.

गुरु जी की अंतिम विदाई में आसमान भी रो पड़ा

शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को मंगलवार को विधानसभा में अंतिम दर्शन के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया. उनके अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया. गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे. नेमरा में अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखे छलक गईं. इन नम आंखों को सहसा विश्वास ही नहीं हो रहा था कि गुरुजी हमारे बीच नहीं है. अंतिम यात्रा के दौरान गांव की मिट्टी खुद भींग गई. सन्नाटे में लग रहा था हर घर, हर दीवार और हर पेड़ मानो रो रहा हो. लोकसभा में भी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान जोरदार बारिश भी हुई, लोगों ने कहा- गुरुजी के जाने पर आसमान भी रो रहा है.

अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

नेमरा में गुरुजी को अंतिम विदाई देने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा. नेमरा पहुंचने के बाद अंतिम विदाई से पहले पारंपरिक रीति रिवाजों को पूरा किया गया. गुरुजी की अंतिम यात्रा के समय नेमरा गांव की गलियां भी पूरी कहानी बयां कर रही थीं. वहां के ग्रामीणों ने फूल बरसाकर उन्हें अंतिम विदाई दी. पूरे गांव में शिबू सोरेन अमर रहे का नारा गूंजता रहा. बारिश के बीच भी उनके चाहने वाले डटे रहे. गुरुजी के सम्मान में झुकी हुई आंखें सबकुछ बयां कर रही थीं. सभी हाथ जोड़े खड़े रहे. किसी के पास शब्द नहीं थे. सिर्फ भाव झलक रहे थे. झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई. आंसुओं की धुंध में गुरु जी ओझल होते हुए दिख रहे थे. इस दौरान नेमरा में अंतिम संस्कार को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे.

शामिल हुए देश के दिग्गज नेता

गुरुजी के अंतिम संस्कार में देश के दिग्गज नेता शामिल हुए. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से नेमरा पहुंचे. दोनों नेता रांची में बिना देर किए, सीधे नेमरा के लिए सड़क मार्ग से निकल पड़े. राहुल और खरगे ने पहुंचते ही सबसे पहले गुरुजी को पुष्पांजलि अर्पित की. इसके बाद गुरुजी को मुखाग्नि दी गई. इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, राजद नेता तेजस्वी यादव और सांसद पप्पू यादव के अलावा अर्जुन मुंडा, सुदेश महतो, डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित झारखंड के मंत्री-विधायक से लेकर कई गणमान्य लोग शामिल हुए.

रास्ते पर नहीं थी जगह, पगडंडियों से श्मशान घाट पहुंचे गुरुजी के समर्थक

शुभम संदेश। रामगढ़

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार मंगलवार को संपूर्ण विधि-विधान के साथ कर दिया गया. गोला प्रखंड अंतर्गत उनके पैतृक गांव नेमरा में उनका अंतिम संस्कार हुआ. इस दौरान इनके चाहने वालों का वहा हुजूम उमड़ा. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार की खबर जब लोगों को मिली, तो वे मंगलवार की सुबह से ही नेमरा पहुंचने लगे थे. गांव से लगभग सात किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में ही जिला प्रशासन की ओर से बैरीकेडिंग कर दी गयी थी. वीआईपी लोगों के लिए हेलीपैड और गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी. सात किलोमीटर तक का रास्ता वीआईपी जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए रूट के हिसाब से ही तय कर पा रहे थे. लेकिन झामुमो और शिबू सोरेन के समर्थकों ने सात किलोमीटर की लंबी दूरी को पैदल ही पार करना स्वीकार किया.

आम लोग लुकैयाटांड़ से पैदल चलकर नेमरा पहुंचे. वहां भी रास्ते पर चलने की जगह नहीं थी. जिला प्रशासन की ओर से जिस रास्ते की मरम्मत श्मशान घाट तक जाने के लिए की गई थी, वह भी कीचड़ से भरा था. धान के खेत और कीचड़ में पटरी रखकर शव को ले जाने की व्यवस्था हुई थी. आम

लोगों को जब वहां रास्ता नहीं मिला, तो वे खेतों की पगडंडियों पर उतर आए. श्मशान घाट के चारों तरफ अलग-अलग पगडंडियों से होकर शिबू सोरेन के समर्थक वहां पहुंचे. सबसे बड़ी बात यह थी कि जब वहां बारिश शुरू हुई, तो कुछ लोग वहां बने टेंट में छुपने लगे. लेकिन शिबू सोरेन के समर्थकों ने इस परिस्थिति में भी खुद को टिकाए रखा. लगभग आधे घंटे तक होने वाली बारिश में वे खड़े रहे और अंततः अपने नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करके ही वापस लौटे.

वार-पलटवार: अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी पर भारत के समर्थन में उतरे पुतिन, कहा

रूस के ट्रेड पार्टनर पर न बनाएं दबाव, हम इसे समझेंगे थ्रेट

एजेंसियां। मॉस्को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रूस से तेल की खरीद के कारण भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी का मॉस्को ने विरोध किया है. अमेरिका की धमकी को लेकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मॉस्को के खिलाफ ऐसी धमकियां गैरकानूनी हैं. उन्होंने दो टूक कहा कि देशों को व्यापार साझेदार चुनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है. क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, देशों को अपने ट्रेड पार्टनर चुनने का अधिकार है और ऐसी धमकियां नहीं दी जा सकतीं. किसी भी देश को रूस के साथ व्यापार बंद करने के लिए मजबूर करना अवैध है. रूस के व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ इस तरह के दबाव

को धमकी के रूप में समझा जाएगा. दिमित्री पेस्कोव ने कहा, हमारा मानना है कि संप्रभु देशों को अपने व्यापारिक साझेदारों, व्यापार और आर्थिक सहयोग के लिए साझेदारों को चुनने का अधिकार होना चाहिए और वास्तव में ऐसा ही है. उन्हें अपने लिए व्यापार और आर्थिक सहयोग के ऐसे संभावनाओं को चुनने का अधिकार होना चाहिए जो किसी विशेष देश के हित में हों.

ट्रंप ने दी धमकी, 24 घंटे में लगाऊंगा भारी टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर भारत ने रूसी तेल और अन्य सैन्य उत्पादों की खरीद बंद नहीं की तो उस पर टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा. ट्रंप ने कहा, भारत न सिर्फ भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच भी रहा है. उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि रूसी युद्ध मशीन से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं. इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं.

भारत को निशाना बनाना गलत : ट्रंप की इस चेतावनी पर भारत ने दो टूक जवाब दिया. विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत को निशाना बनाना बिल्कुल अनुचित और दोहरे मापदंड का उदाहरण है. भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा.

सत्यपाल मलिक का निधन

- पीएम मोदी ने जताया शोक, जयंत चौधरी पहुंचे अस्पताल, सपा बोली- बेखौफ आवाज शांत हो गई

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, गोवा, बिहार और मेघालय के राज्यपाल रहे सत्यपाल

मलिक का मंगलवार को देहांत हो गया. वह कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और उनका इलाज चल रहा था. सत्यपाल मलिक ने 79 वर्ष की आयु में दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली. सत्यपाल मलिक के निजी सचिव केएस राणा ने यह जानकारी दी. दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के अनुसार पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार दोपहर 1.10 बजे निधन हो गया. सत्यपाल मलिक के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर उनके निधन की जानकारी दी गई. सत्यपाल मलिक बिहार में भी राज्यपाल थे. आधिकारिक जानकारी के अनुसार सत्यपाल मलिक को किडनी की समस्या थी. उन्होंने कृषि आंदोलन, भ्रष्टाचार और कई राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के लिए सुर्खियां बटोरी थीं. रालोद चीफ और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, सत्यपालक मलिक के अंतिम दर्शन करने अस्पताल पहुंचे और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए. सत्यपाल मलिक के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत देश भर के कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है.

अनुच्छेद 370 हटा तब राज्यपाल थे मलिक : जम्मू और कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 और आर्टिकल 35 ए को समाप्त किया गया तब उस वक्त राज्यपाल सत्यपाल मलिक ही थे. जब जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य की जगह केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया, तब सत्यपाल मलिक केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्याल हो गए थे.

सत्यपाल मलिक का सियासी सफर : 24 जुलाई 1946 को जन्मे मलिक, यूपी के बागपत के मूल निवासी थे. वह 1974 में पहली बार विधायक बने. इसके बाद 1980 से 86 और 86-89 के दौरान वह राज्यसभा गए. मलिक लोकसभा के भी सदस्य थे. सियासी करियर में वह बीजेपी के अलावा, भारतीय क्रांति दल, जनता दल, कांग्रेस, लोकदल और सपा में रहे. सत्यपाल मलिक किसानों के बड़े नेता भी रहे. उन्हें चौधरी चरण सिंह का असली वारिस माना जाता रहा है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की भावुक पोस्ट

बाबा अब आप आराम कीजिए, मैं आपका बेटा आपका वचन निभाऊंगा

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन के निधन के बाद एक बड़ी भावुक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने अपनी भावनाएं, अपनी और अपने पिता की कहानियां लिखी है, अपने दुखों को बयां किया हैं. उन्होंने कहा कि मैंने केवल एक पिता नहीं खोया मैंने झारखंड का मजबूत स्तंभ खोया है. अपने पिता को याद करते हुए हेमंत सोरेन ने लिखाः

मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुज़र रहा हूं.
मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया,
झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया।
मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था
वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे,
और उस जंगल जैसी छाया थे
जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को धूप और अन्याय से बचाया.
मेरे बाबा की शुरुआत बहुत साधारण थी.
नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे,
जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी.
बचपन में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया
जमींदारी के शोषण ने उन्हें एक ऐसी आग दी
जिसने उन्हें पूरी जिंदगी संघर्षशील बना दिया.
मैंने उन्हें देखा है
हल चलाते हुए,
लोगों के बीच बैठते हुए,
सिर्फ भाषण नहीं देते थे,
लोगों का दुःख जीते थे.
बचपन में जब मैं उनसे पूछता थाः
"बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं?"
तो वे मुस्कुराकर कहतेः
"क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा
और उनकी लड़ाई अपनी बना ली."
वो उपाधि न किसी किताब में लिखी गई थी,
न संसद ने दी -
झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी.
'दिशोम' मतलब समाज,
'गुरु' मतलब जो रास्ता दिखाए.
और सच कहूं तो
बाबा ने हमें सिर्फ रास्ता नहीं दिखाया,
हमें चलना सिखाया.
बचपन में मैंने उन्हें सिर्फ़ संघर्ष करते देखा, बड़े बड़ों से टक्कर लेते देखा
मैं डरता था
पर बाबा कभी नहीं डरे.
वे कहते थेः
"अगर अन्याय के खिलाफ खड़ा होना अपराध है,
तो मैं बार-बार दोषी बनूंगा."
बाबा का संघर्ष कोई किताब नहीं समझा सकती.
वो उनके पसीने में, उनकी आवाज में,
और उनकी चप्पल से ढकी फटी एड़ी में था.
जब झारखंड राज्य बना,
तो उनका सपना साकार हुआ
पर उन्होंने कभी सत्ता को उपलब्धि नहीं माना.
उन्होंने कहाः
"ये राज्य मेरे लिए कुर्सी नहीं
यह मेरे लोगों की पहचान है."
आज बाबा नहीं हैं,
पर उनकी आवाज़ मेरे भीतर गूंज रही है.
मैंने आपसे लड़ना सीखा बाबा,
झुकना नहीं.
मैंने आपसे झारखंड से प्रेम करना सीखा
बिना किसी स्वार्थ के.
अब आप हमारे बीच नहीं हो,
पर झारखंड की हर पगडंडी में आप हो.
हर मांदर की थाप में,
हर खेत की मिट्टी में,
हर गरीब की आंखों में आप झांकते हो.
आपने जो सपना देखा
अब वो मेरा वादा है.
मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा,
आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा.
आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा.
बाबा, अब आप आराम कीजिए.
आपने अपना धर्म निभा दिया.
अब हमें चलना है
आपके नक्शे-कदम पर.
झारखंड आपका कर्ज़दार रहेगा.
मैं, आपका बेटा,
आपका वचन निभाऊंगा.
वीर शिबू जिंदाबाद - ज़िन्दाबाद, जिंदाबाद
दिशोम गुरु अमर रहें.
जय झारखंड, जय जय झारखंड...
यह पोस्ट एक पिता के जाने के बाद के दुःख को बयां करती है, जिसे एक बेटा एक पिता के खोने के बाद महसूस करता है.

गुरुजी का पशु प्रेम; पालतू कुत्ता सिसक रहा... मालिक के जाने का दर्द शब्दों में नहीं कर पा रहा बयां

शुभम संदेश। रांची

दिशोम गुरु न केवल एक जननायक रहे हैं, बल्कि वह पशुओं से अपने गहरे लगाव के लिए भी जाने जाते हैं. आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, तब उनका पालतू कुत्ता उदास है उनकी अनुपस्थिति का गहरा शोक मना रहा है. वह न इंसान है, न बोल सकता है, लेकिन उसकी आंखों में बसे दर्द को कोई भी देख सकता है. कल से ही वह चुपचाप एक कोने में बैठा है, आंखें नम हैं, न कुछ खा रहा है, न पी रहा है. वह अपने मालिक के जाने को शायद शब्दों में बयां न कर सके, लेकिन उसकी हर हरकत इस गहरे जुड़ाव की कहानी कह रही है. गुरुजी का जीवन संघर्षों और आंदोलनों से भरा रहा, खासकर आदिवासी अधिकारों के लिए. जब वह जंगलों में पुलिस से बचते हुए छिपते थे, तब जानवरों की आवाजें ही संवाद का माध्यम बनती थीं. यह केवल एक रणनीति नहीं थी, बल्कि उनके अंदर पशु-पक्षियों के प्रति आत्मीयता और समझ का प्रतीक था. जानवरों से बात करना, उनकी भाषा समझना और उन्हें अपनाना यह उनकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा था. गुरुजी मानते थे कि जानवर न केवल मनुष्य के साथी होते हैं, बल्कि संकट के समय सच्चे संरक्षक और सच्चे मित्र भी बन सकते हैं. आज जब उनका मूक साथी इस तरह से दुख में डूबा है, तब यह प्रमाण है कि गुरुजी का स्नेह एकतरफा नहीं था.

गुरुजी जब कभी अपने गांव आते थे, तो पशु-पक्षियों से घिरे रहते थे। वह खुद उन्हें खाना खिलाते, सहलाते और उनका हालचाल जानते. उनके आसपास के जानवर भी जैसे उन्हें पहचानते थे, और उनके स्नेह को महसूस करते थे. यही कारण है कि आज उनका कुत्ता केवल एक पालतू जानवर नहीं, बल्कि एक ऐसा साथी बन गया है, जो गुरुजी की कमी को पूरी शिद्दत से महसूस कर रहा है. इस दृश्य को देखकर यह समझ आता है कि प्रेम, स्नेह और अपनापन केवल इंसानों तक सीमित नहीं होता. जानवर भी प्रेम के उत्तरदाता होते हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने जीवन से यह सिखाया कि अगर हम प्रकृति और जीव-जंतुओं से सच्चा संबंध बनाए रखें, तो वे भी हमें कभी नहीं भूलते चाहे हम इस संसार में रहें या नहीं.

गुरुजी का पशु प्रेम बचपन से ही देखा गया था. वह गायों को चारा डालते, कुत्तों को अपने हाथों से रोटी खिलाते और पक्षियों के लिए दाना-पानी रखते थे.

गुरुजी के निधन पर जयश्री का भावुक पोस्ट

कहा- बाबा, आप चले गए यकीन नहीं होता

रांची । सीता सोरेन और स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की बेटी जयश्री सोरेन ने दादा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर एक भावुक पोस्ट किया है. सोरेन ने लिखा है, "बाबा, आप चले गए यकीन नहीं होता. ऐसा लग रहा है जैसे घर का एक कोना हमेशा के लिए ख़ामोश हो गया है. आपके बिना सब कुछ अधूरा सा है. आपकी बातें, आपका अंदाज़, वो छोटी-छोटी सलाहें, सब कुछ अब भी मेरे दिल में गूंजता है. कभी डांट में प्यार छुपा होता था, तो कभी ख़ामोशी में समझदारी. आपने सिखाया कैसे सीधा खड़ा रहना है, जब दुनिया उलझ जाए. अब जब कुछ अच्छा होता है, दिल करता है आपको जाकर बताऊं. लेकिन सच कहूं, आप कहीं गए नही आप तो हर उस पल में हो जब मैं थोड़ा और मजबूत बनती हूं. आपको अलविदा कहना बहुत मुश्किल है, पर आप हमेशा मेरे साथ रहोगे हर दुआ में, हर मुस्कुराहट में, हर कदम पर. हम बहुत प्यार करते हैं आपको, बाबा. और हमेशा करेंगे.

गुरुजी को श्रद्धांजलि देने में ध्वस्त हो गई दलीय राजनीति की दीवार

शुभम संदेश। रांची

मोरहाबादी स्थित आवास से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुजी के पार्थिव शरीर को लेकर लगभग साढ़े 10 बजे विधानसभा परिसर पहुंचे. यहां पहले से नेता, अधिकारी, विधानसभा कर्मी व सैंकड़ों की संख्या में गुरुजी के समर्थक जमा थे. स्पीकर रबींद्र नाथ महतो के नेतृत्व में पूरी तैयारी की जा चुकी थी. यहां गुरुजी के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर, फूल माला चढ़ा कर, राज्य के लगभग हर बड़े नेताओं ने श्रद्धांजलि दी. राज्य के आलाधिकारियों ने अंतिम अभिवादन किया. उनमें राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ के अलावा प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी व राज्य सरकार के लगभग सभी मंत्री, सांसद व विधायक शामिल हुए. गुरुजी, जो एक ही बार 1985 में जामा से विधायक बने, बावजूद इसके विधानसभा कर्मियों में उनके प्रति अपनत्व व संवेदना का भाव चरम पर था.

विधानसभा में दलीय बैरियर पूरी तरह ध्वस्त था. गुरुजी, मतबल सबके नेता. सबके चहेता. सबके प्रेरणा स्रोत. इसी कारण प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी थे तो उनके ही दल के केंद्रीय नेता जुएल ओराम, संजय सेठ, अन्नपूर्णा देवी भी. भाजपा के लगभग एक दर्जन विधायक, सांसद, पूर्व विधायक भी गुरुजी के दर्शन को बेताब थे. सीपी सिंह, नीरा यादव, रागिनी सिंह, प्रदीप प्रसाद, रामचंद्र चंद्रवंशी सहित भीड़ में न जाने भाजपा के कई अन्य नेता श्रद्धांजलि देने को तत्पर थे. दलीय राजनीति की दीवार यहां पूरी तरह ध्वस्त थी. गुरुजी मतलब झारखंड के एक मात्र नेता.

शीर्ष अधिकारी भी अंतिम दर्शन के लिए बेताब थे

विधानसभा परिसर में गुरुजी के अंतिम दर्शन और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य के आलाधिकारियों की लंबी लाइन थी. मुख्य सचिव अलका तिवारी, पूर्व मुख्य सचिव डीके तिवारी, वंदना डाडेल, अजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, राहुल पुरवार, पूजा सिंघल, अमिताभ कौशल समेत दर्जन भर आईएएस अधिकारी वहां मौजूद थे.

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की आंखों में आंसू छलक आए

मोरहाबादी स्थित आवास पर भी गुरुजी को कई नेताओं, अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरन गुरुजी को श्रद्धांजलि देते देते भावुक हो उठे. उनके आंसु छलक आए. वहां पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव, आप के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन समेत दूसरे दलों के दर्जनों नेता और हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी श्रद्धांजलि दी.

जाम में फंसे पर अंतिम दर्शन से पीछे नहीं हटे, बाइक से 7 किमी चलकर नेमरा पहुंचे अर्जुन मुंडा व सुदेश महतो

रांची। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा गुरुजी के अंतिम दर्शन करने बाइक से ही नेमरा पहुंच गये. दोनों 7 किलोमीटर तक बाइक चलाकर नेमरा पहुंचे। दरअसल रास्ते में भारी भीड़ और ट्रैफिक जाम की वजह से उनके वाहन रुक गए थे. वाहन आगे बढ़ ही नहीं पा रहे थे इसलिए दोनों ने यह कदम उठाया. उन्हें गुरुजी के अंतिम संस्कार में शामिल होना था. इसलिए दोनों अंतिम विदाई देने के लिए तकरीबन 7 किलोमीटर की दूरी बाइक से तय की और नेमरा पहुंचे. गुरुजी भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके प्रति यह सम्मान हमेशा जीवित रहेगा. दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरा राज्य शोक में डूबा है. श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं. इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो भी अंतिम दर्शन करने को पहुंचे.

माटी का बेटा माटी में लौट गया

दिशोम गुरु को मिथिलेश ठाकुर की श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है. लोग सोशल मीडिया पर उनके लिए अपने-अपने विचार प्रकट कर रहे हैं. इसी बीच पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने भी गुरुजी को लेकर अपने विचार सोशल मीडिया पर रखे हैं. उन्होंने कहा है कि माटी का बेटा माटी में लौट गया। "मिट्टी का ऋण कभी खत्म नहीं होता और शिबू सोरेन उसी मिट्टी की आवाज थे." मिथिलेश ठाकुर ने लिखा कि "दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन एक युग, एक विचार, एक आंदोलन, एक पीढ़ी के साहस, संघर्ष और चेतना का अवसान है. उनका निधन झारखंड की आत्मा का एक टुकड़ा खो जाने जैसा है. वो टुकड़ा जो सदियों से उपेक्षा, शोषण और हक की लड़ाई लड़ता आया था. शिबू सोरेन महज एक नेता नहीं थे. वे झारखंड की मिट्टी से उपजे वह बीज थे; जिसने जल, जंगल, जमीन की रक्षा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे आदिवासी अस्मिता के सबसे सशक्त प्रहरी, पीड़ितों की सबसे मुखर आवाज और मजदूरों के लिए अनथक लड़ने वाले सेनानी थे."

उन्होंने आगे लिखा कि "शिबू सोरेन जी का जीवन झारखंड की ही तरह तपस्वी और संघर्षशील रहा। शिबू सोरेन ने बहुत ही कम उम्र में शोषण के खिलाफ आवाज उठानी शुरू की. उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या जब स्थानीय महाजन ने की, तो यह घटना उनके जीवन का अहम मोड़ बन गई. उन्होंने तय किया कि वे समाज को जागरूक करेंगे, उन्हें उनके अधिकारों के लिए लड़ना सिखाएंगे. 1970 के दशक में शिबू सोरेन जी ने आदिवासी किसानों को महाजनी शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए धनकटनी आंदोलन शुरू किया. तभी आदिवासी समाज के लोगों को उनमें अपना नेता दिखाई दिया, जो उन्हें सूदखोरों से आजादी दिला सकते थे. इसी आदोलन के दौरान शिबू सोरेन को दिशोम गुरु की उपाधि मिली."

मिथिलेश ठाकुर लिखते हैं कि "झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना एक जनांदोलन की उपज थी. शिबू सोरेन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि यह पार्टी नहीं, एक परिवर्तन की चेतना है. उन्होंने कहा था कि झारखंड कोई भूगोल नहीं, यह हमारे जीवन का नाम है. उन्होंने हर मंच से दिल्ली की सत्ता को चुनौती दी कि जब तक झारखंड को एक अलग राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में नौजवान, आदिवासी, किसान, छात्र-छात्राएं इस आंदोलन से जुड़ते गए. साल 2000 में जब झारखंड अलग राज्य बना, तो यह दिशोम गुरु की तपस्या का फल था. उन्होंने यह साबित कर दिया कि आवाज अगर सच्ची हो, तो वह पर्वत भी हिला सकती है."

मुख्यमंत्री के रूप में जब आदरणीय बाबा ने राज्य की बागडोर संभाली; तब ग्रामीण विकास, वनाधिकार कानून का क्रियान्वयन, लोक-कल्याणकारी योजनाएं और गरीबों की सीधे भागीदारी उनकी प्राथमिकता में शामिल रहा.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की उठी मांग, मंत्री ने केंद्र से किया आग्रह

शुभम संदेश। रांची

झारखंड आंदोलनकारी और आदिवासी समाज की आवाज रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार से आग्रह किया कि गुरुजी के संघर्ष और योगदान को देखते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए.

मंत्री अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक आंदोलनकारी, जननायक और करोड़ों आदिवासियों की उम्मीद थे. उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा को जीवन का मिशन बना लिया था. उन्होंने न सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर सामाजिक न्याय की राजनीति को दिशा दी, बल्कि झारखंड राज्य की मांग को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर देश को नया राज्य दिलाया. उन्होंने कहा कि भारत रत्न सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि यह उस ऐतिहासिक संघर्ष की मान्यता है जिसने लाखों लोगों को अधिकार, सम्मान और पहचान दिलाई. दिशोम गुरु का जीवन आदिवासी चेतना, संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है, और उनका सम्मान पूरे झारखंड की अस्मिता का सम्मान होगा. मंत्री ने कहा कि गुरुजी को भारत रत्न से सम्मानित करना केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज को सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 06 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित
● वर्ष : 3, अंक : 120 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

दिशोम गुरु को आखिरी जोहार

रांची से नेमरा तक फिजां में गूंजी वीर शिबू अमर रहें

शुभम संदेश। नेमरा

झामुमो के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा अपने अंतिम पड़ाव यानी उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) पहुंच गई. शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर के नेमरा पहुंचने से पहले गुरुजी की धर्मपत्नी रूपी सोरेन और कल्पना सोरेन गांव पहुंच गई थीं. इधर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को रांची से नेमरा ले जाने के दौरान को झारखंड आंदोलन के पुरोधा को अंतिम विदाई देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा. दिशोम गुरु के अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया. गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे. जैसे-जैसे अंतिम यात्रा आगे बढ़ती गई, लोगों ने दिशोम गुरु को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखें नम थीं. रामगढ़ के गोला में गुरुजी के अंतिम दर्शन करने के लिए काफी संख्या में भीड़ उमड़ी. सभी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए नेमरा में भारी भीड़ : गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में सुबह से ही हजारों की तदाद में लोग मौजूद थे. इसमें आमजन से लेकर कार्यकर्ता और अफसर भी शामिल थे.

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम, कल्पना और बसंत सोरेन ने संभाली घर की कमान : दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में लाखों लोग जुटे. रांची से शव वाहन लेकर निकले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता को अंतिम दर्शन करा रहे थे. रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन ने तैयारियों की कमान संभाली. मंगलवार की दोपहर शिबू सोरेन की बहू कल्पना सोरेन परिजनों के साथ नेमरा गांव पहुंची. उसके बाद बसंत सोरेन घर पहुंचे.

वीवीआईपी के लिए बना हेलीपैड : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूरे देश से वीवीआईपी नेता नेमरा पहुंचे. उन लोगों को हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए हेलीपैड लुकैयाटांड़ में बनाया गया था. इसके अलावा लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गई. सभी स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई ताकि सुरक्षा में कोई चूक ना हो.

टोटो, ऑटो, बस से पहुंचे लोग : श्रद्धांजलि देने के लिए समर्थक भी टोटो, ऑटो और बस से पहुंचे. जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचाने के लिए छोटे गाड़ियों की व्यवस्था की गई. रामगढ़ से लेकर दिशोम गुरु के आवास तक उन्हें अंतिम जोहार देने के लिए बैनर और पोस्टर लगाए गए थे. सुरक्षा की कमान डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज और एसपी अजय कुमार ने संभाली.

अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

जल्द बुलाया जा सकता है झारखंड का विधानसभा का मानसून सत्र !

विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम सीमित होगा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र जल्द बुलाया जाएगा. उल्लेखनीय है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण एक अगस्त से प्रारंभ हुए झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को दूसरे दिन चार अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है. सरकार के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मानसून सत्र का अभी सत्रावसान नहीं किया गया है. सत्रावसान नहीं होने पर विधानसभा अध्यक्ष को कभी भी सत्र बुलाने का अधिकार होता है. इसलिए वह कभी भी सत्र बुला सकते हैं और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधायी प्रक्रिया की रूपरेखा तय कर सकते हैं. सूत्रों के अनुसार गुरुजी के निधन से उत्पन्न असहज स्थिति से मुख्यमंत्री के उबरते ही, जल्द मानसून सत्र के फिर से बुलाए जाने का निर्णय लिया जाएगा. ज्यादा संभावना है कि 15 अगस्त के बाद

संभवतः 19 अगस्त से मानसून सत्र को बुलाया जा सकता है. सूत्रों के चार अगस्त (सोमवार) से सात अगस्त (गुरुवार) तक मानसून सत्र की कार्यवाही नहीं हो सकी है. इसलिए चार दिन की कार्यवाही फिर से 18 से 21 अगस्त तक हो सकती है. मानसून सत्र बुलाना सरकार के लिए अति आवश्यक बताया गया है. क्योंकि अनुपूरक बजट को सरकार पास नहीं करा सकी है. साथ ही सरकार का कोई भी विधायी कार्य नहीं हो सका है. किसी भी विधेयक को सरकार सदन से पारित नहीं करा सकी है.

इधर गुरुजी के निधन के कारण विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9-11 अगस्त तक प्रस्तावित आदिवासी महोत्सव को स्थगित कर दिया गया है. मोरहाबादी मैदान में खड़े किए जा रहे पंडाल और तैयारियों को स्थगित कर दिया गया है. मोरहाबादी मैदान में बन रहे पंडाल को अब खोला जा रहा है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अब विश्व आदिवासी दिवस पर नौ अगस्त को दो-तीन घंटे का सीमित कार्यक्रम होगा. कोई रंगारंग कार्यक्रम नहीं होगा. दो-तीन घंटे के सीमित कार्यक्रम के माध्यम से विश्व आदिवासी दिवस की औपचारिकता पूरी की जाएगी. विश्व आदिवासी दिवस को लेकर अब होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी मुख्यमंत्री के थोड़ा स्थिर होते ही तय कर ली जाएगी.

जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे दिशोम गुरु शिबू सोरेनः राज्यपाल

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में शिबू सोरोन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की. राज्यपाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन जनजातीय अस्मिता, अधिकार और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा है. वे जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे. उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की चेतना और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली. राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड उन्हें सदैव आदर और गर्व के साथ स्मरण करेगा. राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा.

विधानसभा में गुरुजी को दी गई अंतिम विदाई

कई राजनीतिक दलों के नेता अंतिम संस्कार में हुए शामिल

रांची । शिबू सोरेन को विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई. राज्यपाल, मंत्री और विभिन्न दलों के नेताओं ने गुरुजी को श्रद्ध के फूल अर्पित किए और उन्हें नमन किया. श्रद्धांजलि देने वालों में राज्यपाल संतोष गंगवार, विस अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य सोनू, राधाकृष्ण किशोर और अन्य शामिल रहे. सभी विधायक भी मौजूद रहे. विस परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट

का मौन भी रखा गया. आप के सांसद संजय सिंह और सांसद पप्पू यादव ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की. दिशोम गुरु की अंतिम यात्रा जब निकली, तो फिजां पर वीर शिबू अमर रहे का नारा गूंजने लगा. जैसे-जैसे काफिला बढ़ता गया, लोगों की भीड़ उमड़ती गई.

दिशोम गुरु के निधन पर डॉ कमल नयन सिंह बोले

गुरुजी का हजारीबाग से रहा बेहद खास रिश्ता

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कमल नयन सिंह ने गुरुजी को याद करते हुए कहा, "गुरुजी का जाना मेरे लिए पिता तुल्य छाया के खो जाने जैसा है." उन्होंने बताया कि कैसे गुरुजी ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय में भी हिम्मत नहीं हारी. जब उनके पिता की हत्या कर दी गई थी, तब उन्होंने न केवल अपने परिवार को संभाला बल्कि उस शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन भी खड़ा किया. उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ चरणबद्ध ढंग से उलगुलान की शुरुआत की.

उन्होंने याद किया कि जब गुरुजी पर रेड वारंट था, तब वह जंगल के रास्तों से होते हुए चुपचाप हजारीबाग पहुंचते थे. यहां वह वकीलों से मिलते, अपने केस की स्थिति पर चर्चा करते. उन दिनों उनके पास ज़्यादा कुछ नहीं होता बस सत्तू और चूड़ा साथ लेकर चलते, वही खाकर दिन गुजारते. भावुक होते हुए डॉ. कमल नयन सिंह ने बताया, "2013 में जब मेरे पिता का निधन हुआ था, तब गुरुजी खुद हमारे घर आए थे. हजारीबाग जब भी आते, कभी सर्किट हाउस में नहीं रुकते, हमेशा हमारे घर ही ठहरते थे." उन्होंने बताया कि मां के हाथों का बना खाना गुरुजी को बहुत पसंद था. लौकी की सब्ज़ी और रोटी खासकर उनकी पसंदीदा थी. हर दिन एक गिलास दूध पीना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था. सबसे भावुक क्षण तब आया जब उन्होंने कहा कि गुरुजी और उनकी मां के बीच एक खास रिश्ता था. वो घंटों बातें किया करते. अगर किसी दिन मां टीवी पर गुरुजी से जुड़ी कोई खबर सुन लेतीं और गुरुजी घर से निकलते, तो प्यार से उन्हें डांट भी देती थीं. कमल नयन सिंह ने आगे बताया कि हाल के वर्षों तक जब भी वह गुरुजी से मिलने जाते, तो गुरुजी सबसे पहले हजारीबाग की बात करते थे. वे उन वकीलों के परिवार का हालचाल भी पूछते जिनका संघर्ष के दिनों में साथ मिला था. अंत में उन्होंने बेहद भावुक होकर कहा,"आज बहुत दुख की घड़ी है. गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, वह झारखंड की आत्मा थे संघर्ष, सादगी और संवेदना के प्रतीक." झारखंड की यह मिट्टी उन्हें हमेशा याद रखेगी. विनम्र श्रद्धांजलि दिशोम गुरु को."

राहुल गांधी आज चाईबासा में होंगे पेश

रांची। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिशोम गुरु के अंतिम संस्कार में शामिल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ रांची पहुंचे. वह मंगलवार को रांची में रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी मामले में चाईबासा की विशेष अदालत में सशरीर हाजिर होंगे. कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक बयान देने के मामले में मानहानि केस का सामना कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को चाईबासा कोर्ट में हाजिर होंगे. इससे पहले मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे राहुल गांधी रांची पहुंचें और गुरुजी की अंत्येष्टि में नेमरा गए. राहुल गांधी का मंगलवार रात रांची में रुकने का कार्यक्रम भी है. इसके बाद बुधवार को हेलीकॉप्टर से वो रांची से चाईबासा जाएंगे. इसी बीच अगर मौसम में गड़बड़ी होती है कि शेड्यूल में परिवर्तन की संभावना है. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मंगलवार को दो बजे रांची पहुंचें. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मौसम खराब होने की वजह से दोनों नेता सड़क मार्ग से नेमरा गए. फिर शाम 6 बजे रांची आकर खरगे दिल्ली के लिए रवाना हो गए.

शख्सियत : दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पाठशाला

झारखंड के कई दिग्गजों ने गुरुजी से सीखा राजनीति का पहला पाठ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजनीति में दिशोम गुरु शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि एक संस्थान थे. उन्होंने न केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नींव रखी, बल्कि अनेक युवा नेताओं को राजनीति का ककहरा भी सिखाया. ऐसे कई नाम हैं जो आज झारखंड की राजनीति में दिग्गज माने जाते हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक दीक्षा शिबू सोरेन की पाठशाला में ही हुई थी. इन नेताओं में अर्जुन मुंडा, शैलेंद्र महतो, विद्युत वरण महतो, सुनील महतो, स्टीफन मरांडी, साइमन मरांडी, हेमलाल मुर्मू और चंपाई सोरेन जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं. इन सभी नेताओं की यात्रा यह साबित करती है कि शिबू सोरेन केवल एक संगठन के नेता नहीं थे, बल्कि वे ऐसे राजनेता थे जिन्होंने झारखंड की पूरी एक पीढ़ी को तैयार किया. उनकी राजनीतिक पाठशाला से निकले ये नेता आज भी झारखंड की सत्ता और विपक्ष दोनों में अहम भूमिका निभा रहे हैं. दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए यह स्वीकार करना होगा कि झारखंड की राजनीति में जो कुछ भी आज आकार ले चुका है, उसकी नींव उन्होंने ही रखी थी.

अर्जुन मुंडा : केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत झामुमो से ही की थी. बाद में उन्होंने भाजपा में शामिल होकर तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री का पद संभाला. उनके राजनीतिक जीवन की पहली सीख उन्हें शिबू सोरेन से ही मिली थी.

विद्युत वरण महतो: सिंहभूम क्षेत्र के मजबूत नेता विद्युत वरण महतो की पहचान भी झामुमो के साथ बनी. झामुमो के साथ लंबे समय तक जुड़ाव के बाद वे 2014 में भाजपा में शामिल हो गए और जमशेदपुर से लोस सदस्य बने.

शैलेंद्र महतो: शिबू सोरेन की पहल पर शैलेंद्र महतो को झामुमो में केंद्रीय महासचिव बनाया गया. झामुमो के टिकट पर वे जमशेदपुर से लोकसभा पहुंचे और उनकी पहचान एक जुझारू नेता के रूप में बनी. हालांकि, बाद में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया, लेकिन उनकी राजनीतिक नींव झामुमो में ही पड़ी थी.

स्टीफन मरांडी: प्रोफेसर स्टीफन मरांडी संताल परगना के बड़े राजनीतिक चेहरे रहे हैं. उन्होंने झामुमो में रहकर कई बार विधानसभा चुनाव जीता और बाद में कांग्रेस और झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) जैसे दलों में भी सक्रिय रहे. हालांकि, उनका राजनीतिक घर अंततः झामुमो ही रहा और वे फिर उसी दल में लौटे.

हेमलाल मुर्मू: हेमलाल मुर्मू ने भी झामुमो के मंच से अपनी राजनीतिक पहचान बनाई. वे झामुमो के टिकट पर कई बार चुनाव जीत चुके हैं. एक समय उन्होंने भाजपा की ओर रुख किया, लेकिन अंततः उन्होंने फिर झामुमो में वापसी की.

चंपाई सोरेन: चंपाई सोरेन भी झामुमो के भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते रहे हैं. वे हेमंत सोरेन के करीबी माने जाते थे और मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. हाल के वर्षों में उन्होंने झामुमो छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया, लेकिन उनकी राजनीतिक पहचान झामुमो के साथ ही बनी थी. चंपाई सोरेन तो मंगलवार क गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते समय पुरानी बातें याद कर रो पड़े.

पलामू : मशरूम चुनने गई मां, बेटी व नतिनी की नाले में डूबने से मौत

मेदिनीनगर। पलामू जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है, यहां मशरूम चुनने जंगल गये एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई. यह घटना मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के घोड़बंधा नाला की है, जहां मां, बेटी और नतिनी तीनों के शव तीन दिन बाद गौराहा डैम से बरामद हुईं. आशंका है कि मशरूम लेने के दौरान नाला पार करते समय तीनों पानी के तेज बहाव में बह गईं और डूबने से उनकी मौत हो गईं. मृतकों की पहचान मोहम्मदगंज के बटउआ गांव की शांति कुंवर (52 वर्ष), उनकी बेटी अंजलि कुमारी और नतिनी काजल कुमारी के रूप में हुई है. अंजलि और काजल बिहार के रोहतास जिले के काराकट थाना क्षेत्र के भरत कासवा गांव की निवासी थी.

मशरूम चुनने गई तीनों पर लौटी नहीं, तीन दिन बाद शव बरामद : घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार की सुबह करीब 10 बजे शांति, अंजलि और काजल मशरूम चुनने के लिए जंगल गई थीं. जब वे देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की. सोमवार को भी पूरे इलाके में खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला. आखिरकार मंगलवार को मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के गौराहा डैम से तीनों के शव बरामद हुए. बताया जा रहा है कि जंगल के रास्ते मे एक नाला पार करना पड़ता है. पुलिस ने आशंका जताई है कि इसी नाले को पार करते समय वे पानी के तेज बहाव में बह गईं होंगी और गौराहा डैम में जा गिरी होंगी, जहां उनकी डूबने से मौत हो गई होगी.

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गुरुनानक सत्संग सभा ने शोक जताया

सुखमनी साहिब का पाठ कर दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मंगलवार सुबह 6 बजे विशेष दीवान सजाया. इस विशेष दीवान में कृष्णा नगर कॉलोनी की समूह साध संगत द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्री सुखमनी साहिब जी का पाठ पढ़ा गया. गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने साध संगत के साथ वाहेगुरु से अरदास कर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने तथा उनके परिवार को इस दुख की घड़ी को सहने की सहनशक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की.

गुरुनानक सत्संग सभा के प्रधान अर्जुन देव मिढ़ा ने शिबू सोरेन के निधन को झारखंड राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की. साथ ही कहा कि इस दुख की घड़ी में गुरुनानक सत्संग सभा परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है.

झारखंड समाचार पत्र विक्रेता संघ रांची ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी

रांची। झारखंड समाचार पत्र विक्रेता संघ, रांची ने झारखंड राज्य गठन के प्रणेता पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, गरीबों, वंचितों, दलितों और आदिवासियों के हितों की रक्षा करने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें. संघ श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्रद्धांजलि दी है.

सचिव सुरेश मिढ़ा व मनीष मिढ़ा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु जी ने महाजनी प्रथा के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया और झारखंड राज्य के निर्माण के लिए अपना समस्त जीवन झोंक दिया.

शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से सत्संग सभा के द्वारका दास मुंजाल ,रमेश पपनेजा, हरगोविंद सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, प्रेम मिढ़ा, नरेश पपनेजा, हरजीत बेदी, कंवलजीत मिढ़ा, इंदर मिढ़ा, अनूप गिरधर, विनोद सुखीजा, किशन गिरधर, बसंत काठपाल, रमेश गिरधर, अश्विनी सुखीजा, मोहन लाल अरोड़ा, नीरज गखड़, आशु मिढ़ामोहन काठपाल, अशोक गेरा, हरीश मिढ़ा, मनीष गिरधर, नवीन मिढ़ा, पवनजीत सिंह खत्री, दिनेश गाबा, कमल धमीजा, शैंकी मिढ़ा समेत अन्य शामिल थे.

गुरुजी आदिवासी समाज के योद्धा, मिले भारत रत्न: कैलाश यादव

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने झारखंड राज्य के प्रणेता शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है. मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने इसकी जानकारी दी. राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि गुरुजी आदिवासी समाज के अजेय योद्धा थे. गुरुजी झारखंड के धरतीपुत्र थे. उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया. वंचितों के हक को लेकर आवाज उठाते रहे. इसलिए उन्हें भारत रत्न देने की मांग केंद्र सरकार से की गई है .उन्होंने कहा कि गुरुजी ने आदिवासी समाज के अधिकारों और साहूकारों के अत्याचार के खिलाफ शुरु की गई लड़ाई को जंगल के गांव से लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद तक पहुंचाया. इसलिए उन्हें भारत रत्न दिया जाना चाहिए.

थोक विक्रेता संघ ने दिशोम गुरु के निधन पर जताया शोक

रांची। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को लेकर आलू प्याज़ थोक विक्रेता संघ ने मंगलवार को गहरा दुख प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. चेंबर के अध्यक्ष मदन प्रसाद, सचिव रोहित कुमार सहित अन्य सदस्यों ने दिशोम गुरु के अद्वितीय योगदान को याद किया. साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. संगठन ने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ़ एक राजनेता थे, बल्कि झारखंडी स्वाभिमान की आवाज़ थे. उन्होंने जंगल, ज़मीन और जनता के अधिकार के लिए जो संघर्ष किया वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा. झारखंड राज्य का गठन उनकी सोच, संघर्ष और समर्पण का ही परिणाम है. संघ के सदस्यों ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं है, बल्कि यह एक युग का अंत है. उनकी सादगी, विचारशीलता और जनता से गहरा जुड़ाव हमें हमेशा प्रेरणा देता रहेगा.

रांची जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन को लेकर मंगलवार को जिला बार एसोसिएशन के परिसर में अधिवक्ताओं ने शोक सभा का आयोजन किया। शोक सभा के दौरान अधिवक्ताओ ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और झारखंड राज्य की स्थापना में उनके योगदान को याद किया. शोक सभा के दौरान बार एसोसिएशन के महासचिव फादर अगस्तीन कुल्लू और अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता राजा राम गुप्ता ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया। अधिवक्ताओं ने कहा कि गुरुजी हमारे राज्य के पथ प्रदर्शक थे. झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी. शोक सभा में अधिवक्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की. इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद साव, सतीश चंद्र महतो, एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कैसर परवेज़, किशोर महतो, गौरांग महतो, सरफराज खान, आशीष सिन्हा, सत्यव्रत ज्योतिषी, अरुण प्रजापति, नीमचंद राम सहित कई उन्य अधिवक्ता मौजूद थे.

रिम्स की जर्जर पुरानी बिल्डिंग में कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

फॉल्स सीलिंग टूट कर गिरी

शुभम संदेश। रांची

रिम्स की पुरानी बिल्डिंग की हालत दिनोंदिन खस्ताहाल होती जा रही है. भवन की जर्जर स्थिति के चलते किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके बावजूद अब तक न तो राज्य सरकार और न ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई ठोस कदम उठाया गया है. रिम्स प्रबंधन ने कई बार पत्राचार कर भवन की मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की है, परंतु अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है. स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि विभिन्न वार्डों में छज्जे, प्लास्टर और यहां तक कि फॉल सीलिंग तक टूटकर गिरने लगी है. मंगलवार को पेइंग वार्ड और न्यूरो वार्ड में फॉल सीलिंग गिरने की घटना ने एक बार फिर से सिस्टम की उदासीनता को उजागर कर दिया.

जिस स्थान पर फॉल सीलिंग गिरी, वहां से कुछ ही दूरी पर मरीज इलाजरत थे. इससे पहले भी, लगभग एक माह पूर्व न्यूरोसर्जरी विभाग के सामने सीढ़ियों के ऊपर का बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया था, जिसमें कई लोग बाल-बाल बचे थे. इस संबंध में निदेशक डॉ. राजकुमार ने संबंधित विभाग को औपचारिक पत्र भेजकर स्थिति की गंभीरता से अवगत भी कराया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई शुरू नहीं हुई है. रिम्स के री-डेवलपमेंट प्लान के अंतर्गत निदेशक ने स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय सचिव से आग्रह किया है कि इंडोर भवनों की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता पर जल्द शुरू किया जाए. पुराने भवन की संरचना बेहद कमजोर हो चुकी है. कई जगहों पर छज्जे गिर चुके हैं, तो कुछ हिस्से खतरनाक रूप से लटक रहे हैं। दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा है, जगह-जगह सीलन दिखाई दे रही है, और सीढ़ियों की रेलिंग तक ढीली होकर गिरने की स्थिति में पहुंच चुकी है. पूरी इमारत अब बेहद जर्जर अवस्था में है, जहां इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके परिजन लगातार खतरे के साये में रहते हैं. इसके बावजूद मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण को लेकर कोई ठोस कार्य योजना अब तक अमल में नहीं लाई गई है.

पेसा नियमावली लागू नहीं करने पर हाईकोर्ट सख्त

सचिव से मांगा जवाब, नहीं मानने पर कार्रवाई की चेतावनी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में पेसा एक्ट की नियमावली अब तक लागू नहीं किए जाने पर झारखंड हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है. मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई. कोर्ट ने पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव से स्पष्ट रूप से पूछा कि अदालत के आदेश के बावजूद नियमावली अब तक क्यों नहीं लागू की गई. अदालत ने सचिव को 6 सितंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है और चेतावनी दी है कि यदि समय पर आदेश का अनुपालन नहीं होता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी. सुनवाई के दौरान सचिव स्वयं अदालत में मौजूद रहे और बताया कि नियमावली लागू करने की प्रक्रिया जारी है और विभिन्न कानूनों के तहत पेसा एक्ट की भावना के अनुसार कार्य हो रहा है.

वहीं, याचिकाकर्ता 'आदिवासी बुद्धिजीवी मंच' की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने दलील दी कि झारखंड को बने 25 वर्ष हो चुके हैं, फिर भी आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पेसा नियमावली नहीं बन पाना अन्यायपूर्ण है और अदालत के आदेश की अवहेलना भी. गौरतलब है कि जुलाई 2024 में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दो माह के भीतर पेसा नियमावली लागू करने का निर्देश दिया था, जिसका पालन अब तक नहीं हुआ है.

भैरव सिंह की जमानत याचिका पर आठ अगस्त को सुनवाई

रांची पार्किंग ठेकेदारी को लेकर हुए विवाद और मारपीट की घटना में गिरफ्तार भाजपा समर्थक एवं हिंदूवादी नेता भैरव सिंह की जमानत याचिका पर 8 अगस्त को सुनवाई होगी. यह सुनवाई रांची सिविल कोर्ट में अपर न्यायायुक्त की अदालत में निर्धारित की गई है. गौरतलब है कि रांची पुलिस ने भैरव सिंह को 19 जुलाई को चुटिया थाना क्षेत्र के सुजाता चौक स्थित बिग बाजार इलाके में हुई घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था. इससे पहले भैरव सिंह ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में जमानत की याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था. अब उन्होंने पुनः सिविल कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की है, जिस पर आगामी 8 अगस्त को सुनवाई होगी. गौरतलब है कि यह मामला चुटिया थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया है. पुलिस जांच में भैरव सिंह की उक्त घटना में संलिप्तता सामने आने के बाद उनकी गिरफ्तारी की गई थी. बताया गया कि पार्किंग ठेकेदारी को लेकर विवाद के दौरान सड़क पर मारपीट हुई, जिसमें भैरव सिंह की भूमिका पाई गई थी.

झारखंड में बारिश के बाद बढ़ी गर्मी और उमस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में बारिश बंद होते हैं बढी गर्मी और उमस से लोगों को परेशानी हो रही है. राजधानी रांची में मंगलवार को 97 प्रतिशत उमस दर्ज किया गया. वहीं राज्य के विभिन्न हिस्सों में अधिकतम तापमान बढ़कर 34 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया. सरायकेला-खरसावां में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. वहीं गोड्डा जिले में तापमान 33.5 डिग्री एवं चाईबासा में तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जमशेदपुर में तापमान 32.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 29 डिग्री तथा रांची में अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

वहीं मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य की विभिन्न जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है. विभाग की ओर से राज्य के स्थान पर आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है. इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है.

पिछले 24 घंटे के दौरान रांची में बारिश दर्ज नहीं की गई. मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और और धूप खिली रही. इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के पंचायत में 61 मिमी रिकॉर्ड की गई.

एक नजर

सरला बिरला विवि में गुरुजी को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि एवं शोकसभा का आयोजन किया गया. विवि के तमाम शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिशोम गुरु की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. अपने विचार व्यक्त करते हुए विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो सी जगनाथन ने स्व शिबू सोरेन के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने के लिए दशकों तक चला उनका संघर्ष सर्वदा स्मरणीय रहेगा. वक्ताओं ने समाज को जोड़े रखने में उनके योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि देश और समाज को उनकी कमी हमेशा खलेगी. एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने दिशोम गुरु के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है.

साईं नाथ विश्वविद्यालय में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी समाज की बुलंद आवाज़ और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर साईं नाथ विश्वविद्यालय, रांची में गहरा शोक व्यक्त किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. (डॉ.) एसपी अग्रवाल ने की. सभा में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्रों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की. कुलपति प्रो (डॉ) एसपी अग्रवाल ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, संकल्प और समाज सेवा की मिसाल है. उन्होंने झारखंड की आत्मा, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया. झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर उन्होंने आदिवासी समुदाय की आवाज़ को देश के राजनीतिक मंच पर मजबूती से रखा. कहा कि स्व सोरेन न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक विचारधारा के वाहक थे, जिन्होंने शिक्षा, कृषि, वनाधिकार, जल-जंगल-जमीन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सतत कार्य किया. उनके प्रयासों से झारखंड के वंचित वर्गों को नई दिशा मिली. कुलसचिव प्रो. (डॉ.) सीमा कुमारी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रवि नाथ मिश्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता श नीलिमा टोप्पो, सामाजिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन सहित कई शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे और दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की.

शिबू सोरेन को भारत रत्न देने, उनके आवास को संग्रहालय बनाने व पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी अधिकारों, सामाजिक न्याय और झारखंड राज्य निर्माण के लिए आजीवन संघर्ष किया. उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए. नायक ने तीन प्रमुख मांगें रखीं-शिबू सोरेन को भारत रत्न प्रदान किया जाए, उनके मोरहाबादी स्थित आवास को संग्रहालय में परिवर्तित किया जाए और झारखंड के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उनके जीवन परिचय को शामिल किया जाए. उन्होंने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा ले सकेंगी. मंच ने इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अनुरोध किया है.

छठा सीआईएससीई रिज़नल एथलेटिक शुरू

रांची। छठे सीआईएससीई रिज़नल एथलेटिक मीट की शुरूआत मंगलवार से हुई. इसमें बिहार और झारखंड रिज़न के लगभग 900 सौ प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. लेकिन गुरुजी शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन के कारण उद्घाटन समारोह रद्द कर दिया गया और प्रार्थना सभा में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया. सिर्फ मशाल जलाकर सांकेतिक रूप से इस एथलेटिक मीट की शुरुआत हुई. खेलो दिल से और जीतो गर्व से- उक्ति के आधार पर खेलगांव में आयोजित तीन दिवसीय इस एथलेटिक मीट के पहले दिन पांच अगस्त को अंडर फोर्टिन, सेवनटिन और नाइंटिन बालिका और बालक वर्ग में खिलाड़ियों ने अपना पूरा दम-खम दिखाया. बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकुम की प्राचार्या मिस एन जेकब्स, मिएआई जैकब, प्राचार्य बिशप स्कूल बहूबाजार, फादर शाजी, प्राचार्य सेंट फ्रांसिस, हरमू के फादर मनोज कूल्लू, प्राचार्य, सेंट फ्रांसिस, बनहोरा कार्यक्रम में उपस्थित थे. बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल डोरंडा की प्राचार्या जे एडविन ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए खेल भावना को ध्यान में रखते हुए खेलने को कहा.

लायंस क्लब परिसर में हुआ महारुद्राभिषेक अनुष्ठान, हर-हर महादेव से गूंजा वातावरण

रांची। लायंस क्लब ऑफ रांची की ओर से सोमवार देर रात को क्लब परिसर में भव्य महारुद्राभिषेक अनुष्ठान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में 11 श्रद्धालु जोड़ियों ने वैदिक विधि से भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया. कुशल आचार्यों के मंत्रोच्चारण से शुरू हुए इस कार्यक्रम में युगलों ने संकल्प लेकर गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र और पुष्पों से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया. समस्त परिसर ओम नमः शिवाय और हर-हर महादेव से गुंजायमान रहा. कार्यक्रम के चेयरपर्सन लायन निर्मल कुमार मानपुरिया ने सावन मास में शिव पूजा का विशेष महत्व है. यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना के विस्तार का माध्यम भी है. लायंस क्लब के अध्यक्ष दिलीप बंका ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक-सामाजिक आयोजन किए जाएंगे, ताकि समाज में सेवा, सद्भाव और संस्कृति का प्रसार होता रहे. समापन अवसर पर सामूहिक शिव आरती और स्तुति पाठ से वातावरण और भी पावन हो उठा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिद्धार्थ मजूमदार, राजेश मोर, राजेश चौधरी, बीके गडयान, मनीष गाड़ोदिया, अजय सकुजा, अजय अग्रवाल, ओम प्रकाश अनुज सहाय, अनिल गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे. यह जानकारी मंगलवार को क्लब की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है.

रेल टिकट जालसाजी

बीर बहादुर सहनी को छह साल की सजा, दो लाख रुपये का जुर्माना

रांची। रेलवे टिकट धोखाधड़ी मामले में रांची की रेलवे कोर्ट ने आरोपी बीर बहादुर सहनी को चार धाराओं में दोषी करार देते हुए कुल छह साल की सजा और दो लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है. अदालत ने आदेश दिया कि सभी सजाएं अलग-अलग चलेंगी. आरोपी को हटिया स्टेशन के यूटीएस काउंटर के पास से 8 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था. उसके पास से नकली टिकट, रबर स्टांप, स्याही और टिकट काटने के उपकरण सहित कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी.

दिशोम गुरुजी को आदिवासी छात्र संघ ने दी श्रद्धांजलि

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची की आदिवासी छात्र संघ समिति ने कॉलेज परिसर में मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया. समिति के अध्यक्ष विवेक तिर्की की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में छात्र संघ के वरीय पदाधिकारियों और सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी. उपस्थित सभी लोगों ने उनकी आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. विवेक तिर्की ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन की विचारधारा और संघर्ष की विरासत झारखंड की आत्मा में सदैव जीवित रहेगी. उन्होंने झारखंड को जल, जंगल और जमीन के लिए लड़ने वाला एक महान योद्धा और जन आंदोलन का मार्गदर्शक दिया. उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को सशक्त समाज और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरणा देता रहेगा.

रिम्स में रिक्त पदों और संसाधनों की कमी पर हाईकोर्ट सख्त

स्वास्थ्य सचिव व रिम्स निदेशक को आज तलब किया

शुभम संदेश ।रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने रांची स्थित राज्य के प्रमुख रेफरल अस्पताल रिम्स (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) में वर्षों से रिक्त पदों और जरूरी जांच उपकरणों की कमी को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सख्त रुख अपनाया है. मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से यह सवाल किया कि डॉक्टरों, प्राचार्यों, प्रोफेसरों, पैरामेडिकल और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के खाली पदों पर नियुक्ति अब तक क्यों नहीं की गई. हाईकोर्ट ने इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी के साथ अगली सुनवाई में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी है.सरकार की ओर से इस सवाल का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका, जिस पर अदालत ने नाराजगी जताई और झारखंड सरकार के स्वास्थ्य सचिव व रिम्स निदेशक को बुधवार (6 अगस्त) को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया.सरकार ने अदालत को बताया कि रिम्स को नियमित फंड उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन रिम्स प्रशासन खुद ही वह फंड लौटा देता है. यह जनहित याचिका सामाजिक कार्यकर्ता ज्योति शर्मा द्वारा दायर की गई थी.

डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर भी हाईकोर्ट सख्त

सुनवाई के दौरान अदालत का ध्यान उन डॉक्टरों पर गया, जो "नॉन-प्रैक्टिशनर" का लाभ लेकर निजी क्लिनिक में प्रैक्टिस कर रहे हैं .अदालत को बताया गया कि कुछ डॉक्टरों ने औपचारिक घोषणा कर रखी है, लेकिन फिर भी वे निजी प्रैक्टिस में संलग्न हैं. इस पर अदालत ने रिम्स निदेशक को ऐसे सभी डॉक्टरों की बायोमेट्रिक उपस्थिति रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है.

रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी अदालत को दी गई

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दीपक दुबे ने कोर्ट को बताया कि रिम्स में डेंटल कॉलेज में प्रोफेसर के 37, एडिशनल प्रोफेसर के 9, एसोसिएट प्रोफेसर के 56 और असिस्टेंट प्रोफेसर के 43 पद खाली हैं. इसके अलावा प्रिंसिपल समेत अन्य शिक्षकीय पद भी रिक्त हैं. नर्सिंग कॉलेज में प्रिंसिपल, नर्सिंग स्टाफ (ग्रुप-सी) के 144, पैरामेडिकल स्टाफ के 44 और ग्रुप-डी के 418 पद वर्षों से खाली पड़े हैं, जिस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.

AFFIDAVIT

I, **Bhanuwati Devi** w/o Vikramaditya singh resident of vill. Manhari, Po: Amjhar, P.S. Itkhori, Dist. chatra, Jharkhand Pin-825408, do hereby so lemnly affirm as under :-

1. That I am an Indian citizen & residing at above address.
2. That my true and correct name is **Bhanuwati Devi**, which is mentioned in her Birth certificate vide Reg. no. BA2022200227000047 69 Dt. 15/02/2022 issued from Gram Panchayat Rampur, Jharkhand .
3. That in Pan card no. **BYGPD6922F** my name is **Bhanuwati Devi.**
4. That my true and correct date of birth is **02/03/1958** which is mentioned in my Birth certificate & Pan card.
5. That in Adhar Card **no.253859896452** my name is written a **Bhanu Devi** & Date of birth **01/01/1963.**
6. That this affidavit is made for correction of my name as **Bhanuwati Devi** and Date of birth **02/03/1958** in my Adhar Card after Paper publication.
7. That the statements made above are true and correct.

Affidavit No. 151
Date: 04-08-2025

बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने कार्यालय में दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर। पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की. मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के जनक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने अपना अभिभावक खो दिया है. उनका जीवन संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अस्मिता की आवाज था. उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ संघर्ष किया. जल जंगल जमीन के लिए संघर्ष किया. वे झारखंड आंदोलन के अगुआ थे. उनका संपूर्ण जीवन झारखंड के विकास के लिए समर्पित था. वे सिर्फ एक नेता ही नहीं बल्कि एक विचारधारा थे, एक आंदोलन थे. झारखंड की मट्टी उनका कर्ज कभी चुका नहीं पाएगी. शोकसभा में उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर भगवान से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गयी.

शोकसभा में कांग्रेसियों ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि, बोले विजय बहादुर सिंह

गुरुजी का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा

शुभम संदेश। बरवाडीह

झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बरवाडीह कांग्रेस कार्यालय में शोक सभा सह श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया. वहीं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखा एवं पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी.

शोक सभा में उपस्थित विधायक पुत्र सह प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह ने कहा कि गुरुजी केवल झारखंड राज्य निर्माण के स्तंभ नहीं थे बल्कि वे आदिवासी समाज की अस्मिता, अधिकारों और न्याय की बुलंद आवाज़ थे. उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा और सिद्धांतों की प्रेरक मिसाल रहा है. वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह ने अपने भावुक संबोधन में कहा कि दिशोम गुरुजी के निधन से न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश ने एक महान जननायक को खो दिया है.

मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह (पिंटू), कांग्रेस वरिष्ठ नेता सईद अंसारी, प्रदेश प्रतिनिधि रविंद्र राम, कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नसीम अंसारी, शिवानंद तिवारी, अजय चंद्रवंशी, अवधेश मेहरा, रंजीत कुमार राजू, अजीत कुमार, पंकज गुप्ता, हरीश सिंह, आलोक कुमार सिंह, लक्ष्मण सिंह, बिरेंद्र सिंह, पंकज पासवान, संतोष सिंह चेरो समेत कई लोग मौजूद थे.

कांग्रेसियों ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धाजंलि

महुआडांड़ (लातेहार)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर महुआडांड़ के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया. मंगलवार को महुआडांड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया. इसमें कांग्रेसियों ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर आदिवासी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजित पाल कुजूर ने कहा झारखंड आंदोलन जननायक, आदिवासी समाज की बुलंद आवाज, संघर्ष और जनसेवा की प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है. उनका सम्पूर्ण जीवन जनहित, सामाजिक न्याय और झारखंड की अस्मिता को समर्पित रहा. उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा. मौके पर महुआडांड़ मंडल अध्यक्ष नुरुल हसन अंसारी, आदिवासी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजित पाल कुजूर, जिला कांग्रेस महासचिव रामनरेश ठाकुर, निर्मला टोप्पो, सुषमा कुजूर, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आमिर सुहैल, कांग्रेस नेता रानु खान, लुईस एक्का, संजय तिग्गा, शहीद खान, बसारत अली, शेरु खान, सद्दाम खान, दुरुप मुखिया उषा खलखो, राजा गुप्ता, उपमुखिया रीणा लकड़ा, उपाध्यक्ष शकील खान, महासचिव सफरूल अंसारी, खुशदिल खान, संदीप प्रसाद गुप्ता, राजेश ठाकुर सोशल मीडिया चेयरमैन जिलाध्यक्ष, नवीन लकड़ा, संजय नवाज, शकीम अंसारी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

एक नजर

अविनाश देव ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर। झारखंड माटी कला बोर्ड के निवर्तमान सदस्य, संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन सह युवा झामुमो नेता अविनाश देव ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की. झारखंड विधानसभा परिसर में मंगलवार को आयोजित राजकीय श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना, केवल एक व्यक्ति की नहीं, एक युग की विदाई है. उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, सिद्धांत और सेवा का प्रतीक था. वे शोषित, पीड़ित, वंचित और आदिवासी अस्मिता की लड़ाई को जिस साहस और प्रतिबद्धता के साथ गुरुजी ने लड़ा, वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा.

पलामू से गहरा जुड़ाव था दिशोम गुरु शिबू सोरेन का

पलामू। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का पलामू जिला से गहरा जुड़ाव रहा है. राज्य की स्थापना से पूर्व ही उन्होंने इस क्षेत्र को अपने राजनीतिक और सामाजिक संघर्षों का अभिन्न हिस्सा बना लिया था. उन्होंने पलामू प्रमंडल में पार्टी को जमीनी स्तर पर खड़ा करने और संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए. शिबू सोरेन जब भी पलामू आते, तो मुख्यालय मेदिनीनगर पहुंचने से पहले चियांकी स्थित संजीव तिवारी के आवास पर विश्राम करते थे. यहीं से वे जनसभाओं और बैठकों के लिए निकलते. उस समय झामुमो की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर थी, लेकिन गुरुजी को विश्वास था कि संघर्ष के जरिए पार्टी को मजबूत किया जा सकता है. उन्होंने पलामू को हमेशा एक पिछड़ा और उपेक्षित इलाका माना और इसके विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे. वे न केवल स्थानीय नेताओं से व्यक्तिगत रूप से जुड़े, बल्कि क्षेत्रीय समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में भी काम किया. संजीव तिवारी के अनुसार, गुरुजी ने सामाजिक कुरीतियों से बचने की सलाह दी और महाजनी प्रथा पर भी सवाल उठाए. झारखंड आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन ने पलामू के युवाओं और नेताओं को आंदोलन से जोड़ा. उन्होंने बताया कि बिहार से अलग होकर बने राज्य में पलामू जैसे क्षेत्रों को कितना लाभ होगा. उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग झामुमो के साथ जुड़ गए. संजीव तिवारी कहते हैं, ₹गुरुजी केवल नेता नहीं, एक विचारधारा थे. उनका जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है.

झारखंड ने एक युगपुरुष खो दिया: चौरसिया

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज विधायक आलोक कुमार चौरसिया ने मंगलवार को रांची स्थित मोराबादी में झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया. भावुक हुए विधायक श्री चौरसिया ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. उनका जीवन जनसेवा, संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए समर्पित था. उन्होंने पूरे जीवनकाल में झारखंडी अस्मिता और अधिकार की लड़ाई लड़ी. उनका जाना एक युग का अंत है.

95 वर्षीय जनसंघी गोपाल उपाध्याय का निधन

लातेहार। जनसंघ से जुड़े वरिष्ठ नेता और बानपुर ग्राम निवासी गोपाल उपाध्याय का मंगलवार को 95 वर्ष की उम्र में लातेहार सदर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया. श्री उपाध्याय अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनके निधन से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है. उनकी मृत्यु पर सांसद कालीचरण सिंह, लातेहार विधायक प्रकाश राम, पूर्व विधायक बैद्यनाथ राम, पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह, भाजपा प्रवक्ता लाल प्रतुल नाथ शाहदेव, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव सहित कई नेताओं, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों ने शोक व्यक्त किया है. उपाध्याय का जीवन आपातकाल की घटनाओं से भी जुड़ा रहा है. 1975 में आपातकाल के दौरान वे और उनके साथी गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत हो गए थे. गिरफ्तारी की आशंका के बीच उन्होंने नेपाल भागने तक की योजना बना ली थी. वे अंत तक सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे. उनके योगदान को लोग लंबे समय तक याद करेंगे.

महुआडांड़ छलका टूट कर बहा, आवागमन बाधित

महुआडांड़(लातेहार)। महुआडांड़ नकटी नाला नहर के बगल के रास्ते में छलका टूट कर बहा गया है. जिसके कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है. लोग दुसरे तरफ़ से घूम कर अपने घर तक पहुंच रहें हैं.इस संबंध में वहां को लोगों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व आधा छलका बह गया था किसी तरह मरम्मती करके चार पहिया वाहनों का आवागमन होता था.रिगिडिटाड़ गांव जाने का रास्ता है.इस बार छलका दोनों तरफ से बह गया. अब साईकिल मोटरसाइकिल से भी पार करने मे डर लगता है कि कहीं गिर ना जाए.अगर यह बन जाता तो हम सभी को आने जाने में काफी सुविधा मिल जाती. प्रशासन से हमारी मांग है कि इसे बनवाने की पहल किया जाए.

ओम इंटरप्राइजेज के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन

हुसैनाबाद। चंद्रवंशी मार्केट, हैदर नगर रोड स्थित ओम इंटरप्राइजेज के सारथी ई-रिक्शा एवं हच मोटो कॉर्प स्कूटी शोरूम का शुभ उद्घाटन राष्ट्रपति पदक से सम्मानित श्री अर्जुन राम द्वारा फीता काट कर किया गया. इस अवसर पर ओम इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर ललन कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि यहां ग्राहकों को उचित मूल्य पर गाड़ियों की बिक्री की जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों को सुलभ परिवहन साधन उपलब्ध हो सकेगा. उद्घाटन कार्यक्रम में सेवानिवृत्त निरीक्षक नकुल राम, रामलाल राम, अनिल कुमार चंद्रवंशी, रामजन्म चंद्रवंशी, अंगद किशोर, मंजय चौधरी, रामदेव कुमार, सुरेंद्र कांसकार, प्रमोद कुमार सहित कई लोग मौजूद थे.

नवागंतुक अधिवक्ताओं का पारंपरिक तरीके से स्वागत

मेदिनीनगर। पलामू अधिवक्ता संघ परिसर में मंगलवार को नवागंतुक अधिवक्ताओं के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर करीब 25 नए अधिवक्ताओं का पारंपरिक विधि से स्वागत किया गया. उन्हें बैंड पहनाकर और लड्डू खिलाकर संघ की सदस्यता दी गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि यह स्वागत केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि संस्था की गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की भूमिका अब सिर्फ अदालतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्हें समाज का नैतिक मार्गदर्शक बनना चाहिए. महासचिव अजय कुमार पांडेय ने नवागंतुकों से अपील की कि वे अध्ययनशील, संवेदनशील और जिम्मेदार अधिवक्ता बनें. उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के कार्य का समाज पर गहरा असर पड़ता है, इसलिए उन्हें वरिष्ठों से मार्गदर्शन लेकर कार्य करना चाहिए. मौके पर कोषाध्यक्ष जय किशोर पाठक, सहायक कोषाध्यक्ष देव कुमार शुक्ला, संजय कुमार पांडेय समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद थे.

अधिवक्ता अशर्फी तिवारी के निधन पर दी श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर। पलामू के वरिष्ठ अधिवक्ता अशर्फी तिवारी के आकस्मिक निधन की खबर से पूरे अधिवक्ता समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है. अधिवक्ता संघ, पलामू ने शोकसभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव व संचालन महासचिव अजय कुमार पांडेयने किया. रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि अशर्फी तिवारी जी का जाना केवल एक अधिवक्ता नहीं, बल्कि एक युग का अंत है. वे विधि क्षेत्र में अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण के प्रतीक थे. महासचिव अजय कुमार पांडेय ने कहा कि अशर्फी तिवारी जैसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं की छाया में हम सबने विधि की बारीकियां सीखी हैं. वे एक सुलझे हुए, शांत, सौम्य और व्यवहारिक व्यक्ति थे. वे हम सबके लिए आदर्श थे. उपाध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने कहा कि अशर्फी तिवारी एक दृढ़ विचारों वाले, न्यायप्रिय और व्यवहारिक अधिवक्ता थे. उन्होंने हमें सिखाया कि वकालत केवल पेशा नहीं, समाजसेवा का माध्यम है. मौके पर कोषाध्यक्ष जयकिशोर पाठक, उप कोषाध्यक्ष देव कुमार शुक्ला, सहायककोषाध्यक्ष संतोष तिवारी,संयुक्त सचिव गिरिजा प्रसाद सिंह,जमाल अहमद,शशि भूषण दूबे,वरिष्ठ संजय पांडे प्रंभू दयाल गुप्ता सहित कई अधिवक्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे.सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की

आदिवासी चेतना के अग्रदूत थे शिबू सोरेन: कमाल

मेदिनीनगर। झामुमो नेता कमाल खान ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना, केवल एक व्यक्ति की नहीं, एक युग की विदाई है. उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, सिद्धांत और सेवा का प्रतीक था. कमाल खान ने कहा कि शोषित, पीड़ित, वंचित और आदिवासी अस्मिता की लड़ाई को जिस साहस और प्रतिबद्धता के साथ गुरुजी ने लड़ा, वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा. झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, आदिवासी चेतना के अग्रदूत, महाजनी प्रथा और सामाजिक शोषण के विरुद्ध छह दशक लंबा संघर्ष किया.

पांडू के ओबरा गांव में शिव मंदिर की हुई स्थापना

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर विधानसभा के सुदूरवर्ती क्षेत्र पांडु प्रखंड के रतनाग पंचायत अंतर्गत ओबरा गांव में स्वर्गीय पूर्व विधायक विनोद सिंह के पैतृक आवास पर शिव मंदिर की स्थापना पूरे विधि-विधान के साथ की गई. कार्यक्रम में सनातन धर्म के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा का प्रदर्शन हुआ. इस अवसर पर विश्रामपुर विधानसभा के कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एवं जन-जन के नेता सुधीर चंद्रवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक प्रत्याशी जितेंद्र सिंह, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रवि शुक्ला, विवेक शुक्ला, बुलू सिंह, शक्ति सिंह, नीतू सिंह, सतेंद्र सिंह, उपेंद्र नारायण सिंह, प्रहलाद सिंह, कुणाल चौबे, डब्बू चौबे, अरुण मेहता, राजा नागेंद्र दास, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए. स्वर्गीय विनोद सिंह की धर्मपत्नी मालती देवी सहित विमला देवी, उत्तम देवी, दुलारी देवी, गायत्री देवी और सैकड़ों ग्रामीणों एवं हजारों शिवभक्तों ने इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया. मंदिर स्थापना के साथ पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकता का माहौल देखने को मिला.

नेत्र जांच सह मोतियाबिंद आपरेशन 10 को

गुमला। लोहरदगा रोड में कुम्हार टोली स्थित निराला अस्पताल में जन विकास ट्रस्ट द्वारा आगामी 10 अगस्त दिन रविवार को निः शुल्क नेत्र चिकित्सा जांच सह मोतियाबिंद आपरेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा. शिविर में शंकर नेत्रालय चेन्नई के नेत्र सर्जन रेटिना विशेषज्ञ डा. एस कुमार और नेत्र सर्जन डा आर कुमार जेनेथ नेत्र रोगियों की जांच करेंगे. नेत्र रोगियों को चिकित्सीय सलाह दी जाएगी और मोतियाबिंद के रोगियों को अस्पताल में भर्ती कर लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा. यह जानकारी निराला अस्पताल के नेत्र सर्जन डा. नीलू कुमारी ने दी. मोतियाबिंद के रोगियों को फ्री दवा व चश्मा दिया जाएगा.

फरार माओवादी के घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

छतरपुर/पलामू। फरार अभियुक संजयजी उर्फ संजय यादव उर्फ गोदाराम जी उर्फ बुधराम जी के छतरपुर थाना के देवगन स्थित घर पर इश्तेहार चिपकाया गया. 10 लाख का ईनामी संजय यादव प्रतिबंध उग्रवादी संगठन माओवादी संगठन का रीजनल कमांडर नितेश यादव के दस्ते का सदस्य है. इस दस्ते द्वारा छतरपुर थाना के काला पहाड़ में रोड निर्माण का कार्य कर रही कंपनी की गाड़ियों में आग लगान के मामले में कार्ड दर्ज है.

पति ने गर्दन मरोड़कर कर दी पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

दोनों शराब के नशे में धुत थे

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

रामगढ़ थाना क्षेत्र के बागी गांव स्थित पाचोपड़वा टोला में विवाद के बाद पति ने पत्नी की गर्दन मरोड़कर हत्या कर दी. मृतका की पहचान 40 वर्षीय सुनीता देवी के रूप में हुई है. सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया. साथ ही आरोपी पति विपन भुइयां को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर सुनीता देवी ने शराब पी ली थी. शराब पीने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई. गांव के दुकानदार ने महिला की ननद को बुलाकर उसे घर भेज दिया. दुकानदार के अनुसार, सुनीता शराब की बोतल लेकर उनकी दुकान पर ग्लास खरीदने आई थी. शराब पीने के बाद उसे चक्कर आने लगे थे. घर पहुंचने के बाद रात में सुनीता और उसके नशे में धुत पति के बीच विवाद हुआ. पति ने लाठी से उसकी पिटाई की और बाद में और गर्दन मरोड़कर हत्या कर दी. मृतका के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं. थाना प्रभारी ओम प्रकाश शाह ने बताया कि आरोपी की बहन बिगनी देवी ने बयान में पिटाई और गर्दन मरोड़ने की पुष्टि की है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

पति की हत्या करने की आरोपी पत्नी हुई गिरफ्तार

नवाबाजार/पलामू। पलामू जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 16 वर्षीय नाबालिग पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी. पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि प्रेमी अभी भी फरार है. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. यह सनसनीखेज मामला नवाबाजार थाना क्षेत्र का है. 31 जुलाई को पिपरहवा जंगल, कंडा घाटी से एक युवक का शव बरामद हुआ था. मृतक की पहचान सरफराज खान (निवासी – दही गांव, लातेहार) के रूप में की गई. जांच में सामने आया कि उसकी हत्या पत्थर से सिर कुचलकर की गई थी. सरफराज की शादी हाल ही में 22 जून को नवाबाजार थाना क्षेत्र के सिंजो गांव की 16 वर्षीय लड़की से हुई थी, लेकिन शादी के बाद दोनों अलग-अलग रह रहे थे. पुलिस जांच में पता चला कि सरफराज को उसकी पत्नी ने 500 रुपये भेजकर मिलने के बहाने बुलाया था और उसी दिन उसकी हत्या कर दी गई. कॉल डिटेल्स और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जब जांच आगे बढ़ी, तो खुलासा हुआ कि यह हत्या सरफराज की पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर की थी. दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे और सरफराज को अपने रास्ते का रोड़ा मानते थे. इसी कारण उन्होंने यह खौफनाक साजिश रची. पलामू की पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई और नाबालिग पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. फरार प्रेमी की तलाश जारी है.

गर्भवती महिलाओं के बीच बांटे फल और बिस्कुट

मेदिनीनगर। समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लायंस क्लब ऑफ डाल्टनगंज ने मंगलवार को मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल के महिला वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं के बीच फल एवं बिस्कुट का वितरण किया. यह कार्यक्रम क्लब की सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का एक और उदाहरण बना. क्लब के अध्यक्ष रूपेश कुमार ने कहा कि लायंस क्लब केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है. हम चाहते हैं कि हर व्यक्ति, खासकर महिलाएं और बच्चे, स्वास्थ्य और सम्मान से जी सकें. हमारी सेवा यात्रा लगातार चलती रहेगी. उन्होंने बताया कि क्लब द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, पोषण अभियान, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम तथा जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण जैसी गतिविधियां आयोजित की जाती रही हैं.लायन रितेश कुमार ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल सिर्फ पारिवारिक दायित्व नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी है. हमारे इस छोटे से प्रयास के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ समाज की आधारशिला होती है. कार्यक्रम के दौरान क्लब के सचिव प्रभात अग्रवाल, सह-सचिव राकेश पांडे, सुधीर अग्रवाल, दिलीप सांवरिया, आलोक माथुर, संजय पाठक, नवीन गुप्ता, अनवर हुसैन, राधेश्याम बाबू समेत कई सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम के अंत में क्लब के सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि इस प्रकार की जनसेवी गतिविधियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी.

पलामू से गहरा जुड़ाव था जननायक शिबू सोरेन का

पलामू। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का पलामू जिला से गहरा जुड़ाव रहा है. राज्य की स्थापना से पूर्व ही उन्होंने इस क्षेत्र को अपने राजनीतिक और सामाजिक संघर्षों का अभिन्न हिस्सा बना लिया था. उन्होंने पलामू प्रमंडल में पार्टी को जमीनी स्तर पर खड़ा करने और संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए. शिबू सोरेन जब भी पलामू आते, तो मुख्यालय मेदिनीनगर पहुंचने से पहले चियांकी स्थित संजीव तिवारी के आवास पर विश्राम करते थे. यहीं से वे जनसभाओं और बैठकों के लिए निकलते. उस समय झामुमो की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर थी, लेकिन गुरुजी को विश्वास था कि संघर्ष के जरिए पार्टी को मजबूत किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि बिहार से अलग होकर बने राज्य में पलामू जैसे क्षेत्रों को कितना लाभ होगा. उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग झामुमो के साथ जुड़ गए. संजीव तिवारी कहते हैं, ₹गुरुजी केवल नेता नहीं, एक विचारधारा थे. उनका जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है.₹

पिता की मौत से डिप्रेशन में था युवक, की खुदकुशी

पलामू। पिता की मौत के बाद से डिप्रेशन में चल रहे एक युवक ने सोमवार रात फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली. घटना जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत टीओपी टू के कांदू मुहल्ला वर्मा चौक के पास हुई. युवक की पहचान 29वर्षीय सतीश कुमार पिता स्व. संजय सिंह के रूप में हुई है. शव को पोस्टमार्टम एमएमसीएच में मंगलवार को किया गया. सोमवार रात युवक के खुदकुशी कर लेने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराने की मंशा से पुलिस को बताया कि हार्ट अटैक से मौत हुई है. हालांकि टीओपी टू के प्रभारी राकेश कुमार ने छानबीन के क्रम में देखा कि दरवाजा बाहर से टूटा हुआ है.

उताकी, नवडीहा और पालहे पंचायतों के किसान कर रहे हैं खाद का इंतजार

पाटन में यूरिया की किल्लत से किसान परेशान

शुभम संदेश।पाटन/पलामू

प्रखंड अंतर्गत किसानों को इन दिनों यूरिया खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है. खासकर उताकी पैक्स के अंतर्गत आने वाले उताकी, नवडीहा और पालहे पंचायतों के किसानों को समय पर खाद न मिलने से फसल की चिंता सताने लगी है. किसानों ने बताया कि इस वर्ष मौसम अनुकूल रहने के कारण धान की बुआई समय पर हो चुकी है, लेकिन खेतों में खाद डालने का समय आने पर सरकारी पैक्स से यूरिया खाद नहीं मिल पा रहा है. मंगलवार को उताकी पैक्स पर सैकड़ों किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन पैक्स अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने किसानों को खाद न होने की जानकारी दी. अखिलेश सिंह ने बताया कि जिला कृषि विभाग द्वारा केवल 70 बोरी यूरिया और 70 बोरी डीएपी खाद उपलब्ध कराई गई थी, जबकि इस पैक्स से तीन पंचायतों के लगभग एक हजार किसानों को खाद दिया जाना है. इतनी कम मात्रा में खाद मिलना ऊंट के मुंह में जीरा जैसी स्थिति है. जब तक एक हजार बोरी खाद की आपूर्ति नहीं होगी, तब तक सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराना संभव नहीं है. किसानों का आरोप है कि सरकारी पैक्स में खाद न मिल पाने के कारण उन्हें खुले बाजार से मनमाने दामों पर खाद खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. पाटन के कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि प्रखंड में सभी अधिकृत रिटेल खाद विक्रेताओं को समय-समय पर खाद उपलब्ध कराई जा रही है. उन्होंने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी. यदि कोई रिटेलर या पैक्स अध्यक्ष किसानों से अधिक कीमत वसूलता है तो किसान प्रमाण सहित शिकायत करें, संबंधित पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी.

बटाने डैम में डूबने से युवक की मौत

मेदिनीनगर। छतरपुर अनुमंडल मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित बटाने डैम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के खेंद्रा गांव निवासी सुरेंद्र यादव के 20 वर्षीय पुत्र मंजीत यादव के रूप में हुई है. मंजीत अपने दो साथियों के साथ गांव से बटाने डैम घूमने गया था. स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार युवक डैम के गेट के पास स्नान करते समय गहरे पानी में चला गया, जिससे वह डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना सोमवार दोपहर करीब 3 बजे की है. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया. हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी और युवक की जान जा चुकी थी.

दिशोम गुरू के निधन पर बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज, डोमचांच में शोक सभा का आयोजन किया गया

झारखंड की माटी ने सबसे बड़ा सपूत खो दिया: हिमांशु

शुभम संदेश। डोमचांच (कोडरमा)

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, डोमचांच में शोक सभा का आयोजन किया गया. आयोजित शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार एवं प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर समेत महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. इस शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार ने दिशोम गुरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड की माटी ने अपना सबसे बड़ा सपूत खो दिया है. 81 वर्ष की उम्र में उनका निधन झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की राजनीति के लिए एक युग का अंत है. वे झारखंड की अस्मिता, सम्मान और पहचान के लिए अंतिम सास तक लड़ते रहे, उन्होंने आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया. गुरूजी का कोडरमा से भी था गहरा नाता. उनके निधन से कोडरमा जिले में भी शोक की लहर दौड़ गई है.

कोडरमा के लोगों के लिए वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि संघर्ष और बदलाव के प्रतिक थे. आज जब दिशोम गुरू हमारे बीच में नहीं है, अब उनकी स्मृतियां, उनका संघर्ष और उनकी सोच हमेशा झारखण्डवासियों को प्रेरणा देंगी. वे सदा प्रेरणा बन कर झारखण्ड के कण - कण में हमेशा रहेंगे. शोक सभा में मुख्य रूप से महाविधालय के प्राचार्य, डॉ. भूपेंद्र ठाकुर, प्रो. डॉ. विनोद कुमार अवस्थी, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, प्रो. हरीश कुमार नीरज सहित छात्र पियूष कुमार, अरविन्द कुमार, सौरभ शेखर एवं डी. एल. एड. के सभी प्रशिक्षणार्थी भी मौजूद थे.

शिबू सोरेन के निधन पर स्कूल में शोक सभा आयोजित : प्रतापपुर (चतरा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड स्थित एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल, रहरिया में एक शोक सभा का आयोजन किया गया. इस सभा में स्कूल प्रबंधन, शिक्षक और विद्यार्थियों ने दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर स्कूल के निदेशक मोजम्मिल हुसैन ने शिबू सोरेन के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला.

उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उन्होंने अपना पूरा जीवन राज्य के गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया. उनकी जनसेवा और संघर्ष की गाथा हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहेगी. शोक सभा में स्कूल के सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे. सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे स्कूल परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है. इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया. स्कूल ने इस दुख की घड़ी में शिबू सोरेन के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

गुरुजी का गरीबों के लिए समर्पित रहाः शेफाली गुप्ता : हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है. झामुमो के संस्थापक रहे शिबू सोरेन के निधन पर भाजपा नेत्री, ओम आरोहणाम संस्था की संस्थापिका एवं दिशा संगठन की सदस्य शेफाली गुप्ता ने गहरा शोक व्यक्त किया. शेफाली गुप्ता ने कहा कि यह झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है.

उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन न्याय, संघर्ष और समाज के वंचित तबकों के उत्थान के लिए समर्पित रहा. उनकी सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा अपने पिता की सेवा और देखभाल को भी सराहनीय बताया. शेफाली गुप्ता ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की.

चतरा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबु सोरेन के निधन पर झामुमो कार्यकर्ताओं द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया. साथ ही उनके तस्वीर पर श्रद्धांजलि दिया. उपस्थित लोगो ने शिबु सोरेन के जीवन व उनके संघर्षो को याद किया. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निलेश ज्ञासेन ने किया. इस दौरान दो मिनट का मौन रख कर उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया.जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा थे.

उनका जाना राज्य की राजनीति व समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. गुरुजी झारखंड की अस्मिता की पहचान और आदिवासियों के संघर्ष का कहानी थे. नगर अध्यक्ष बिट्टू कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन जी आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक थे. मौके पर जिला उपाध्यक्ष असलम अंसारी, अमरदीप साव, केंद्रीय समिति सदस्य सरोज देवी, वंदना सिंह, नगर सचिव मोनू सिंदुरिया, चतरा सदर प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र राम समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

गुरुजी के निधन पर बुद्धिजीवी मंच ने की शोक सभा

रामगढ़। बुद्धिजीवी मंच, बरकाकाना क्षेत्र द्वारा झारखंड निर्माता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम नया नगर बरकाकाना स्थित सीसीएल कोऑपरेटिव मार्केट प्रांगण में आयोजित हुआ, जहां उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखा गया.सभा की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली और संचालन सचिव डॉ. शाहनवाज खान ने किया. करमाली ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति में आदिवासी-मूलवासी अधिकारों के सशक्त प्रहरी थे. उन्होंने इन वर्गों को संगठित कर उनका मान-सम्मान बढ़ाया. डॉ. शाहनवाज ने कहा कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में शिबू सोरेन की भूमिका गांधी जी की आजादी की लड़ाई जैसी थी. इस अवसर पर कई बुद्धिजीवी, समाजसेवी, राजनीतिक दलों के नेता व नागरिक उपस्थित थे. प्रमुख लोगों में अवधेश गुप्ता, सुशील कुमार, मो. सलीम, गिरी शंकर महतो, फरीदा खातून, रविंद्र मुंडा, वरुण कुमार, मदन रविदास सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

दिशोम गुरु को झामुमो जिला कमेटी ने दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के शिल्पी, झामुमो संस्थापक और जन-आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो हजारीबाग जिला कमिटी की ओर से गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के नेतृत्व में कमिटी के सदस्य रांची पहुंचे और पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए. दिशोम गुरु का अंतिम संस्कार रामगढ़ के नेमरा गांव में राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर झामुमो के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला, युवा, अल्पसंख्यक मोर्चा, किसान मोर्चा व बुद्धिजीवी मंच के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे. संजीव बेदिया ने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा थे. उन्होंने हमें संघर्ष और आत्मसम्मान का रास्ता दिखाया. जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने उन्हें झारखंड की माटी की खुशबू बताते हुए कहा कि हम उनके अधूरे सपनों को पूरा करेंगे. जिला कमिटी ने उनके परिवार व राज्यवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की.

तेजस्वी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने नेमरा पहुंचे

रामगढ़। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव मंगलवार को रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे. वे झारखंड के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गोला के नेमरा जाने के क्रम में यहां रुके थे. रजरप्पा पहुंचने पर जीएम कल्याणजी प्रसाद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. गेस्ट हाउस में कुछ समय ठहरने के दौरान तेजस्वी यादव ने राजद कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की. उन्होंने वहीं दोपहर का भोजन किया और फिर शोक संतप्त परिवार से मिलने के लिए नेमरा रवाना हो गए.

झारखंड के सपूत दिशोम गुरु की स्मृति में पौधरोपण

चौपारण। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, जननेता एवं झारखंड के सपूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है. उनके सम्मान में हरियाली दूत दिनेश के नेतृत्व में 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. साथ ही, उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु एक फलदार आम का पौधा लगाया गया. इस अवसर पर संतोष कुमार रजक, बासुदेव कुमार, कामेश्वर साव और अशोक साव उपस्थित थे.

चोरी गया टेंपो बरामद, पुलिस कर रही है जांच

चतरा। बीते दिन चोरी हुए टेम्पो को पुलिस ने बरामद कर लिया है. पुलिस ने बाबाघाट मैदान के पीछे जंगल से बरामद किया. टेम्पो मालिक संतोष कुमार शहर के किशुनपुर मोहल्ला का रहने वाला है. बीते दो अगस्त को उनके घर से टेम्पो चोरी हुआ था. जिसके बाद उन्होंने सदर थाना में आवदेन दिया है. पुलिस ने मंगलवार को टेम्पो को बरामद कर लिया है.

फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

चतरा/टंडवा। मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट से निर्गत आदेश पर की कार्रवाई, टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत राहम पंचायत के मासीलौंग गांव के आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहे तुलसी गंझू पिता स्वर्गीय देवी गंझू के घर पर टंडवा थाना इंस्पेक्टर के नेतृत्व में सबइंस्पेक्टर रामजी सिंह ने चतरा न्यायालय के द्वारा निर्गत आदेश पर इश्तेहार को आरोपी के घर पर ढोल-नगाड़े बजाते हुए मुख्य घर के दरवाजे के दीवार पर इश्तेहार चिपकाया गया.

77 साल बाद भी घरौंजा पंचायत में नहीं बन सकी पक्की सड़क

अब भी विकास से कोसों दूर

करमाटांड़ गांव

अर्चित सेठ। जयनगर/कोडरमा

आज़ादी के 77 साल बाद भी झारखंड के कोडरमा जिले के जयनगर प्रखंड अंतर्गत घरौंजा पंचायत का करमाटांड़ गांव आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है. इस गांव में पंचायत सचिवालय और एक सरकारी विद्यालय तो है, लेकिन आज तक गांव तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है.

परिणामस्वरूप, ग्रामीणों को कीचड़ और गड्ढों वाले रास्ते से होकर ही मुख्य बाजार, अस्पताल और स्कूल जाना पड़ता है. बरसात के मौसम में गांव की स्थिति और भी बदतर हो जाती है. सड़क पर गड्ढे पानी से भर जाते हैं और रास्ते दलदल में तब्दील हो जाते हैं. ग्रामीणों के अनुसार, बीमारों को अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है. कई बार लोग गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को कंधे पर उठाकर अस्पताल तक ले जाने क विवश होते हैं. गांव के सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. विशेषकर बरसात के दिनों में कीचड़ और फिसलन से गिरने का खतरा बना रहता है. हाल ही में एक महिला सड़क पर फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो गई, उनका हाथ टूट गया. बच्चों के माता-पिता का कहना है कि कई बार उनके बच्चे भी चोटिल हो चुके हैं.

14 अक्टूबर 2024 को स्थानीय विधायक अमित कुमार यादव ने गांव तक पक्की सड़क निर्माण का शिलान्यास किया था. उस समय ग्रामीणों में काफी उम्मीद जगी थी, लेकिन दस महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है. इस कारण ग्रामीणों में गहरा रोष है. गांव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि चुनाव आते ही नेता वादों की झड़ी लगा देते हैं, गांव में आकर शिलान्यास करते हैं, लेकिन बाद में कोई सुध नहीं लेता. ग्रामीणों का कहना है कि वे अब नेताओं के झूठे वादों से तंग आ चुके हैं. स्थानीय निवासी राजू यादव, राजेश यादव, तुलसी यादव, सुखदेव पंडित, दशरथ पंडित, नारायण यादव, टुकनी देवी (वार्ड सदस्य), मालती देवी, चंचला देवी, अनीता देवी और पुष्पा देवी सहित अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे.

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जल्द पक्की सड़क बनाई जाए. करमाटांड़ गांव की यह स्थिति यह बताती है कि देश की आज़ादी के 77 साल बाद भी कुछ गांव बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं. अब देखना है कि प्रशासन और सरकार इस दिशा में कितनी जल्दी और गंभीरता से कदम उठाते हैं

घर की दीवार गिराने का ग्रामीणों पर लगा आरोप

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेंजना पंचायत अंतर्गत सोनपुरबिघा गांव निवासी अनुराग यादव ने पांच लोगों पर घर के दीवार को गिराने का आरोप लगाया है. पीड़ित ने हंटरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है. जिसमे अनुराग ने बताया है की गांव के ही केशर यादव, रामलाल यादव, राहुल यादव, बाबूनी यादव और गुड्डू यादव के द्वारा हरवे हथियार से लैश होकर घर गिरा दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए. उन्होंने बताया कि जमीन विवाद का मामला न्यायालय मे लंबित हैं. इसके 2 माह पूर्व 20/05/2025 को भी मारपीट किया गया था और अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा दहशत फैलाने का काम किया गया था. इस घटना से गांव में तनाव बना हुआ है. हालांकि इस मामले में दूसरे पक्ष राहुल यादव ने आरोप को निराधार बताते हुए बताया कि मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है.

आस्था | पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर में हो रहा है अखंड हरि कीर्तन

कीर्तन से अच्छी वर्षा की कामना पूरी होती है

शुभम संदेश। केरेडारी

केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण में अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया है. अखंड हरि कीर्तन ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और एक जुटता के प्रतीक मानकर 24 घंटा तक के लिए अखंड हरि कीर्तन आरम्भ किया है. यह कार्यक्रम मंगलवार को बुढ़िया माता मंदिर में आचार्य दिनेश कुमार मिश्र ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा अर्चना कर शुरुआत कराया है. पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोला गांव के ग्रामीण पुरुष महिला की कीर्तन मंडली टीम भाग लेंगे.

इस दौरान लगातार हरे रामा, हरे कृष्णा की ध्वनि नई नई राग में कई सुरों में कीर्तन किया जा रहा है. अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति बुधवार को 3 बजे हो जाएगी. पूर्णाहुति के बाद इंद्र महाराज की पूजा, हवन किया जायेगा तथा पूजा के बाद महाप्रसाद पूरे गांव ग्राम में वितरण किया जाएगा.

मुख्य पुजारी अशेश्वर यादव धर्म पत्नी शांति देवी ने बताया कि हरि कीर्तन होने से गांव में शांति प्रदान होती है. अच्छे वर्षा की कामना पूर्ति होती है. पूर्वजों से अखंड हरि कीर्तन करने की परम्परा है. इससे सुख शांति समृद्धि ग्रामवासियों को प्राप्त होती है. बुढ़िया माता मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष स्थान माना जाता है. माता की गर्भ गृह आदिकाल से निमित है. यहां भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है. ग्रामवासियों एवं हजारीबाग, चतरा, रांची, छत्तीसगढ़ तक के श्रद्धालु बुढ़िया माता की मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं. हरि कीर्तन में मुखिया कौशल्या देवी, पूर्व मुखिया राजकिशोर यादव, नारायण यादव, सरजू महतो, वासुदेव रजक, कालेश्वर साव, राजेश साव, मेघराज राणा, वासुदेव राणा, अनिल रजक, महावीर रजक, कृष्णा रजक, कमल राणा, जगेश्वर यादव, भोला साव, आशीष साव, प्रीतम साव, टिकेश्वर साव, उमेश साव, प्रकाश साव, राजेश ठाकुर, चितरंजन साव, सुनील साव, शंकर शाहा, शत्रुध्न साहू, मनोहर साव, राजू यादव, पदुम यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे.

एक नजर

किशोर ने कमरे में फंदे से झूलकर दी जान

झूमरीतिलैया (कोडरमा)। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो वार्ड नंबर 19 में एक 16 वर्षीय युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया. मृतक की पहचान जीतेन्द्र वर्मा, पिता कुंदन वर्मा के रूप में की गई है. मामले की जानकारी देते हुए मृतक के पिता ने बताया कि मंगलवार सुबह 7 बजे वे अपने काम पर निकल गए.उस समय जीतेन्द्र अपने कमरे में सोया हुआ था. वहीं उसकी मां छत पर खाना बना रही थी, जबकि उनके दो अन्य पुत्र जो जीतेन्द्र से छोटे हैं, वे घर के बाहर खेल रहे थे. कुछ देर बाद जब जीतेन्द्र की मां छत से नीचे आकर उसके कमरे में गई तो देखा कि वह कमरे में फंदे से झूल रहा था, इसकी सूचना (मृतक) के पिता को मिली, जिसके बाद आनन-फानन में घर पहुंचा और आसपड़ोस के लोगों के सहयोग से उसको फंदे से नीचे उतारकर सदर अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही तिलैया पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर शव को अंत्यपरीक्षण हेतु कराते हुए मामले की जांच कर रही है.

बच्चेडीह पंचायत से कांवर पदयात्रा निकाला गया

मरकच्चो (कोडरमा)। सावन माह के अंतिम सप्ताह के मौके पर बच्चेडीह पंचायत से कांवर पदयात्रा निकाला गया, जिसमे पूरा बच्चेडीह पंचायत के श्रद्धालुओं ने शिव की आराधना में डूबा रहा इस दौरान शिव के जयकारों से पूरा इलाका गूंजायमान होता रहा. वहीँ डीजे पर प्रस्तुत भजनों पर पुरुष, महिला, बच्चे झूमती नजर आए पूरे रास्ते हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय के नारे से झूम रहे थे. पदयात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. सुबह से ही श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए यात्रा में निकलना प्रारंभ कर दिए उत्तर वाहिनी नदी मसमोहन से लगभग 7 किलोमीटर पैदल चलकर नवलशाही स्थित भगवान शिव पर जलाभिषेक किया. मौके पर मुखिया बीना देवी, पूर्व मुखिया अर्जुन साहू, समाजसेवी किशोर यादव, मनोज यादव,वीरेंद्र यादव, दुली साव,बासुदेव राणा, अरुण यादव आदि सैकड़ो संख्या में श्रद्धालु शामिल थे.

एनटीपीसी अध्यक्ष से मिले सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह से मुलाकात की. उन्होंने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में एनटीपीसी की परियोजनाओं से प्रभावित गाँवों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की और विस्थापितों के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की. सांसद जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में कोयला और ऊर्जा परियोजनाओं के चलते हजारों परिवार वर्षों से विस्थापित हैं, लेकिन उन्हें आज तक न्याय नहीं मिला है. उन्होंने सीसीएल की तर्ज पर एनटीपीसी में भी विस्थापितों को स्थायी रोजगार देने की मांग की. उनका कहना था कि रोजगार में समानता होनी चाहिए. उन्होंने पुराने मुआवजा दरों को अव्यवहारिक बताते हुए प्रति एकड़ मुआवजा राशि को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख रुपए करने की अपील की.

टेलर - कार की टक्कर, पुलिस जवान की मौत

कोडरमा। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत जामुखड़ी में एनएच 20 पर एक सड़क दुर्घटना हो गई. जिसमें कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. जबकि मृतक की पत्नी को गंभीर चोटें आईं हैं. वहीं कार में सवार दो अन्य लोग मामूली रूप से जख्मी हुए हैं. मृतक की पहचान पदमा (हजारीबाग) निवासी 50 वर्षीय जयकिशोर राम के रूप में हुई है. मृतक की पत्नी अनिता देवी ने बताया कि वे लोग पदमा से अपने कार से झुमरीतिलैया के सीडी कॉलोनी में एक परिचित के यहां आ रहे थे. इसी बीच बरही घाटी पार करने के पश्चात जामुखाड़ी में पीछे से आ रही एक ओवर स्पीड टेलर ने ओवरटेक करने के चक्कर में इनके कार में टक्कर मार दी.

आठ जिलों में बिरसा पीएम फसल बीमा योजना लागू

हजारीबाग। झारखंड सरकार ने खरीफ 2025 सीजन के लिए एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (बी-पीएमएफबीवाई) लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी है. यह योजना राज्य के आठ जिलों—पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, साहेबगंज और पश्चिमी सिंहभूम—में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए लागू की गई है. फसल क्षति का आकलन करने के लिए अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) किए जाएंगे. यदि सीसीई में पैदावार निर्धारित मानकों से कम पाई जाती है, तो उसे फसल नुकसान माना जाएगा और किसानों को बीमा क्लेम प्रदान किया जाएगा. किसान इस योजना का लाभ उठाने के लिए कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध वैध अवधि व दिशा-निर्देशों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

कोडरमा में महिला से सोने के चेन की छिनतई

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलटेक्स गली में दो बाइक सवार युवक एक महिला के गले के सोने का चैन छीन कर फरार हो गया. मिली जानकारी के अनुसार महिला उक्त गली से गुजर रही थी. इसी बीच दो युवक बाइक से आया और उसके गले की चेन छीन कर फरार हो गये. घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद कोडरमा थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान घटनास्थल पहुंचकर सीसीटीवी व अन्य मामलों की जानकारी ली.

झुमरीतिलैया में सड़ी-गली अवस्था में मिला शव

झुमरीतिलैया। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो वार्ड संख्या 17 में एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. शव झखर महतो नामक व्यक्ति के मकान के पिछले हिस्से में एक संकीर्ण गली में फंसा हुआ पाया गया. शव करीब सप्ताह भर पुराना है और पूरी तरह से सड़ चुका है. सूचना मिलते ही झखर महतो का भतीजा मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचित किया. तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. शुरुआती जांच में आशंका है कि व्यक्ति छत से मकान में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और संकीर्ण स्थान में फंस गया. छत की ईंट की रेलिंग भी टूटी मिली है. पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. शव को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है, वहीं मौके पर भारी भीड़ जुटी हुई है

हरिनारायण सिंह के निधन पर प्रेस क्लब में शोक सभा

हजारीबाग। वरिष्ठ पत्रकार और हिंदी दैनिक के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर हजारीबाग प्रेस क्लब में शोक सभा का आयोजन किया गया. सभा की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष मुरारी सिंह ने की. पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. अध्यक्ष मुरारी सिंह ने कहा कि हरिनारायण सिंह ने कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और चैनलों में कार्य कर पत्रकारिता को नई दिशा दी. क्लब के सचिव विस्मय अलंकार ने कहा कि उनकी कमी हमेशा खलेगी. क्लब के संरक्षक कृष्णा गुप्ता ने उन्हें पत्रकारिता जगत का बेशकीमती हीरा बताया. उपाध्यक्ष दीपक सिंह ने उन्हें सभी पत्रकारों का मार्गदर्शक कहा. वरिष्ठ पत्रकार मिथलेश सिंह और अर्जुन सोनी ने उनके योगदान और व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सत्य और निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा दिया. इस मौके पर कई वरिष्ठ पत्रकार और क्लब सदस्य उपस्थित थे. सभी ने उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया.

चट्टी बारियातु माइंस में ट्रांसपोर्टिंग हुआ बंद

केरेडारी। चट्टी बारियातु माइंस में ट्रांसपोर्टिंग बंद होने से हाईवा ओनरों के बीच आक्रोश गहराता जा रहा है. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा 1 अगस्त शाम 6 बजे से माइंस की ट्रांसपोर्टिंग गतिविधियों को रोक दिया गया है, जिससे मंगलवार को पांचवें दिन भी कोई समाधान नहीं निकल सका है. इससे पहले भी, 20 मई को साव द्वारा 2.2 किलोमीटर ट्रांसपोर्टिंग सड़क पर ईंट की दीवार खड़ी कर काम बंद कराया गया था. तब हाईवा ओनरों ने जबरन सड़क खाली कराकर ट्रांसपोर्टिंग चालू कराई थी. अबकी बार भी हाईवा मालिक इंतजार के मूड में नहीं दिख रहे हैं. हाईवा ऑनर एसोसिएशन के मुताबिक, एक 16 चक्का हाईवा की कीमत लगभग 61 लाख रुपये है, जिस पर 90 फीसदी लोन होता है और हर महीने 1.25 लाख की किस्त चुकानी होती है. ऐसे में लगातार ट्रांसपोर्टिंग बंद रहने से उनकी आर्थिक हालत खराब हो रही है और नींद हराम हो गई है. हाईवा मालिकों की एकमात्र चिंता माइंस का बंद होना है.

ब्रीफ न्यूज

राजाडेरा में बारिश से मिट्टी का मकान ढहा

अनगड़ा। रांची के अनगड़ा प्रखंड के राजाडेरा पंचायत स्थित तिरला कोचा गांव में बीती रात एक बड़ा हादसा हुआ. भारी बारिश के चलते रमेश बेदिया का मिट्टी का मकान रात करीब दो बजे ढह गया, जब वह अपनी पत्नी एतवारी देवी के साथ घर के अंदर सो रहे थे. सौभाग्य से दोनों सुरक्षित बच निकले, लेकिन मकान का एक हिस्सा पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया. घटना के बाद ग्रामीणों ने बताया कि कुछ पल की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था. रमेश बेदिया ने प्रशासन से तत्काल मुआवज़े की मांग की. बताया कि यह इलाका जंगली क्षेत्र है जहां हाथियों का आना-जाना होता है.

शिबू सोरेन को पंचायत सहायकों ने दी श्रद्धांजलि

अनगड़ा (रांची)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है. इसी क्रम में अनगड़ा प्रखंड कार्यालय परिसर में एक शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के पंचायती राज पदाधिकारी, पंचायत सहायक एवं मोबिलाइजर सदस्यों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. शोकसभा की शुरुआत दो मिनट के मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ की गई. लोगों ने शिबू सोरेन के जीवन संघर्ष व योगदान को याद करते हुए उन्हें युगपुरुष बताया.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी गुरुजी को श्रद्धांजलि

रामगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर रामगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गणेश प्रसाद स्वर्णकार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गुरुजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया. मंडल अध्यक्ष ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, निवर्तमान जिला मंत्री रमेश प्रसाद वर्मा, निरंजन कुमार समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

युवक पर फायरिंग हालत गंभीर

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत किताडीह ग्वालापट्टी में मंगलवार को सरे शाम गोलीबारी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. बाइक सवार अपराधियों ने राजद नेता कन्हैया यादव के पुत्र रवि यादव पर निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. मंगलवार को परसुडीह थाना अंतर्गत किताडीह ग्वालापट्टी इलाके में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ अज्ञात युवक बाइक पर सवार होकर पहुंचे और स्थानीय निवासी रवि यादव पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने रवि के सिर को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा. गंभीर रूप से घायल रवि को इलाज के लिए टाटा मेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

झारखंड आंदोलन के प्रणेता, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड आंदोलनकारी महासभा ने गहरा शोक व्यक्त

दिशोम गुरु का जीवन संघर्ष व न्याय का प्रतीक रहा:महासभा

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड आंदोलनकारी महासभा, लोहरदगा जिला समिति ने गहरा शोक व्यक्त किया है. महासभा ने इसे झारखंड की आत्मा पर गहरा आघात और अपूरणीय क्षति बताया है. उनके सम्मान में मंगलवार को ब्लॉक मोड़ के पास नीरू शांति भगत के आवासीय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम में आंदोलनकारी समुदाय के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे. महासभा के अध्यक्ष अनिल कुमार भगत, कार्यकारी अध्यक्ष अमर किंडो, सचिव विशेषण भगत, उपाध्यक्ष उषा रानी लकड़ा और कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार ठाकुर ने संयुक्त बयान जारी कर जिले के सभी आंदोलनकारियों से इस श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने की अपील की है. महासभा ने कहा कि दिशोम गुरु का पूरा जीवन संघर्ष, न्याय और

सामाजिक चेतना का प्रतीक रहा है. उन्होंने झारखंड राज्य के गठन के साथ-साथ आदिवासी अस्मिता और सम्मान की लड़ाई को मजबूती दी. सभा में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी.

8 को धरना देंगे वाहन चालक

संवाददाता। पिपरवार

8 अगस्त को पिपरवार में प्राइवेट वाहन चालकों का धरना प्रदर्शन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र में कार्यरत प्राइवेट वाहन चालकों की समस्याओं को लेकर अब आंदोलन की तैयारी की जा रही है. जनता मजदूर संघ के नेतृत्व में 8 अगस्त को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा. इस संबंध में मंगलवार को जनता मजदूर संघ की ओर से महाप्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में बताया गया है कि 21 जुलाई 2025 को प्राइवेट वाहन चालकों की विभिन्न मांगों को लेकर एक मांग पत्र प्रबंधन को सौंपा गया था. इसके बाद 28 जुलाई को जनता मजदूर संघ की मध्यस्थता में प्रबंधन और वाहन चालकों के बीच वार्ता हुई थी, जिसमें प्रबंधन ने एक सप्ताह का समय लेकर समाधान का आश्वासन दिया था. लेकिन तय समय बीत जाने के बावजूद कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई, जिससे वाहन चालकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. प्रदर्शन की मुख्य वजहें न्यूनतम मजदूरी, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की मांग से जुड़ी हैं. वाहन चालकों की प्रमुख मांगों में एचपीसी के तहत न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, भीटीसी, सीएमपीएफ व पेंशन की सुविधा, ड्रेस कोड और सुरक्षा की व्यवस्था, मेडिकल सुविधा, नियमित उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं शामिल हैं. जनता मजदूर संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 8 अगस्त के धरना-प्रदर्शन के बाद भी उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो वाहन चालक उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे. प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर वाहन चालकों में व्यापक समर्थन देखा जा रहा है. इस मौके पर संघ के कई पदाधिकारी और स्थानीय वाहन चालक उपस्थित थे. प्रदर्शन को लेकर क्षेत्र में आंदोलनात्मक माहौल बन गया है और सभी की नजरें 8 अगस्त पर टिकी हैं.

झारखंड ने एक नायाब हीरा खो दिया: हाजी अंसारी

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा। झारखंड अलग राज्य आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी-मूलवासी समाज के मसीहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर खिदमते खल्क हाजी कमेटी के सरपरस्त एवं झामुमो के पूर्व केंद्रीय सदस्य हाजी समसुद्दीन अंसारी ने गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का जाना न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है.

उन्होंने उन्हें "एक नायाब हीरा" बताया जिसकी भरपाई नामुमकिन है. हाजी समसुद्दीन अंसारी ने कहा कि गुरुजी से हमेशा मार्गदर्शन मिला और उन्होंने कई सामाजिक व राजनीतिक समस्याओं का समाधान भी कराया. उनका जीवन अन्याय, शोषण और भ्रष्ट व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष की मिसाल है. उन्होंने मांग की कि शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए. शोक जताने वालों में हाजी मोहम्मद आलम अंसारी, हाजी युसूफ अंसारी, हाजी मनीरूद्दीन अंसारी, हाजी नबीउल हसन, हाजी क्यामुद्दीन अंसारी, हाजी अमानत अंसारी, इसरार अहमद, जहीर अंसारी व अन्य शामिल रहे.

कार के धक्के से टेंपो पलटा, दस लोग घायल

गुमला। रायडीह रोड में जोड़ाजाम के समीप कार और पूजा कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो दुर्घटना ग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में टेंपो सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गए. जानकारी के अनुसार एक टेंपो में सवार होकर लगभग10 लोग रायडीह से सावन की अंतिम सोमवारी की पूजा के लिए देवाकी धाम और आंजन धाम गए थे. पूजा कर अपने घर लौटने के दौरान सोमवार की देर शाम जोड़ा जाम के समीप सामने से आ रहे कार ने टेंपो को टक्कर मार दिया. टेंपो रोड में पलट गया. कार का शीशा टूट कर चकनाचूर हो गया. कार चालक कार लेकर घटनास्थल से गुमला की ओर फरार हो गया.दुर्घटना में आरती कुमारी और उसकी बहन गुड़िया कुमारी, शंकर राम, ललिता देवी सहित अन्य लोग घायल हो गए. सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी कर दिया गया.

दिशोम गुरु को अंजुमन इस्लामिया ने दी श्रद्धांजलि

लोहरदगा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, संघर्ष और समानता की बुलंद आवाज दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा ने नम आंखों से खिराज-ए-अकीदत पेश किया. संगठन के सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने कहा कि दिशोम गुरु केवल राजनेता नहीं, बल्कि एक जननायक और विचारधारा थे. उन्होंने वंचितों और शोषितों के हक़ के लिए जीवनभर संघर्ष किया. उनका जाना झारखंड और देश के लिए अपूरणीय क्षति है. सचिव शाहिद अहमद बेलू ने कहा कि उन्होंने जंगलों से आंदोलन की शुरुआत कर झारखंड राज्य की चेतना जगाई. उनका विज़न आज के झारखंड की नींव है और वे हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे. इस मौके पर नायब सदर सैयद आरिफ हुसैन, हाजी नईम खान, सैयद फिरोज शाह, अल्ताफ कुरैशी समेत अंजुमन इस्लामिया के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे और सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

रोड में गड्ढा या गड्ढे में रोड विकास की खोल रहा पोल

शुभम संदेश। गुमला

शासन और प्रशासन भले ही विकास के नाम पर अपना पीठ थपा-थपा रही है. भले ही देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और नवंबर में अलग राज्य का रजत जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है. वहीं गांव की सड़कें विकास की पोल खोलने के लिए काफी है. हम बात कर रहे हैं गुमला प्रखंड क्षेत्र के मुरकुंडा रोड में अंबागढ़ा से ढिढोली तक की कच्ची सड़क का. लगभग तीन किलोमीटर कच्चा सड़क में एक सौ से अधिक गड्ढे हैं. जिसमें जल जमाव मानो मिनी तालाब बन गया है. रोड में गड्ढा है या गड्ढा में रोड यह एक अबूझ पहेली बन कर रहा गया है.

अंबागढ़ा से ढिढ़ौली तक कच्चा सड़क में बड़ा-बड़ा गड्ढा है. जिसमें जलजमाव हो गया है. वाहन हिचकोले मारते हुए आगे बढ़ता है. कभी-कभी तो दुर्घटनाएं भी होती हैं और लोग चोटिल भी रहते हैं.

सावन माह के ढिढ़ौली स्थित श्री रामेश्वर नाथ मंदिर शिवलिंग में जलाभिषेक के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं. जिन्हें गड्ढा और जलजमाव के कारण भारी परेशानी हो रही

है. मंदिर के पुजारी उपेंद्र गिरी और ग्रामीण सतीश कुमार ने बताया कि यह क्षेत्र बिशुनपुर विधान सभा क्षेत्र में आता है. इस क्षेत्र के प्रतिनिधि झारखंड सरकार में मंत्री हैं. इसके बावजूद जन समस्या के समाधान के दिशा में कोई पहल नहीं हो रहा है. जिससे लोग काफी परेशान है. यह क्षेत्र काफी उपेक्षित है. रोड समस्या के समाधान के लिए न तो प्रशासन गंभीर है और न ही निर्वाचित प्रतिनिधि. जान जोखिम में डालकर आवागमन के लिए लोग विवश हैं.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को चतरा में दी गई श्रद्धांजलि

चतरा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन (4 अगस्त 2025) से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है. झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले शिबू सोरेन को चतरा जिले में श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर झारखंड राज्य गठन आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, चतरा इकाई द्वारा जिला विकास भवन के पास श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. सभा में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रामचंद्र राणा, कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, मीडिया प्रभारी राजू लाल वर्मा, सचिव सुखसागर राणा, कोषाध्यक्ष अनिल दांगी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे.

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आह्वान

13 अगस्त को गुमला में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

संवाददाता। गुमला

गुमला। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी गणेश मिश्रा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने घरों में शान से तिरंगा फहराने का आह्वान किया है. मंगलवार को पर्यटक भवन में आयोजित एक दिवसीय कार्यकर्ता कार्यशाला में उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश की शान है और इसे हर घर में फहराकर हमें अपने राष्ट्र प्रेम और दायित्व का परिचय देना चाहिए. मिश्रा ने बताया कि "हर घर तिरंगा" अभियान 10 से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल ने जानकारी दी कि आगामी 13 अगस्त को गुमला जिला मुख्यालय में

एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. इसमें शहर की सभी सामाजिक एवं शिक्षण संस्थाओं को सहभागी बनाने का निर्णय लिया गया है. कार्यशाला में जिले के सभी मंडलों से आए मंडल अध्यक्ष, अभियान के संयोजक और सह-संयोजक शामिल हुए. बैठक का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद ने किया. बैठक के समापन पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन, भाजपा नेता नीरज शर्मा के पिताजी स्व. रामानुज शर्मा को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया. बैठक में डॉ. दिनेश उरांव, मुनेश्वर साहू, निर्मल गोयल, सुरेश सिंह, भूपन साहू, सागर उरांव सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

एके-47 की 83 जिंदा गोलियों के साथ नक्सली सहयोगी गिरफ्तार

संवाददाता। पिपरवार

पिपरवार। नक्सल विरोधी अभियान के तहत पिपरवार पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. विशेष छापेमारी अभियान के दौरान पुलिस ने ग्राम खंधार से एक अपराधी मनोज तिग्गा को गिरफ्तार किया है. उसके पास से एके-47 रायफल की 7.62 एमएम की कुल 83 जिंदा गोलियां बरामद की गई हैं.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोज तिग्गा (पिता- लिबनुस तिग्गा), निवासी ग्राम खंधार, पोस्ट बहेरा, थाना पिपरवार, जिला चतरा के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, यह

गोलियां प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के नक्सली द्वारा उसे सौंपी गई थीं. चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा के एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया था. 5 अगस्त की रात मनोज को गिरफ्तार कर उसके घर से गोलियां बरामद की गईं. इस संबंध में पिपरवार थाना में कांड संख्या 23/25 दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है. छापेमारी दल में थाना प्रभारी अभय कुमार समेत अन्य अधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे.

हादसा घर की दीवार गिरी, दबने से महिला की मौत, बच्ची घायल

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, मुआवजे की मांग

शुभम संदेश। गुमला

भरनो प्रखंड में मंगलवार की अहले सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. भरनो के पुराना अस्पताल के पीछे स्थित बिमल बाड़ा के मिट्टी के घर की दीवार अचानक गिर गई, जिससे उसकी पत्नी अश्रिता बाड़ा (35) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बेटी बबली बाड़ा (10) गंभीर रूप से घायल हो गई. हादसा उस समय हुआ जब अश्रिता और बबली घर के अंदर पलंग पर सो रही थीं. अचानक गिर गई दीवार की मिट्टी ने दोनों को दबा लिया. परिवार के मुखिया बिमल बाड़ा ने बताया कि वह भी उसी कमरे में सोया हुआ था, लेकिन अहले सुबह मॉर्निंग वाक के लिए घर से निकल गया था. जब वह टहल कर घर लौटा, तो मंजर देख सन्न रह गया. पत्नी और बेटी मिट्टी में दबी हुई थीं. शोर

मचाने पर आसपास के ग्रामीण दौड़े और मदद की. मिट्टी हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक अश्रिता की मौत हो चुकी थी. बबली को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है.

घटना की सूचना मिलते ही उतरी भरनो की मुखिया मंजू देवी, दुम्बो के मुखिया जयराम उरांव, मारासिली पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव और अंचल के कर्मचारी बलराम भगत मौके पर पहुंचे. उन्होंने मृतक के पति बिमल बाड़ा को तत्काल 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया. इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है. लोग परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं और प्रशासन से स्थायी सहायता की मांग कर रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में कच्चे मकान खतरनाक हो जाते हैं और प्रशासन को समय रहते कदम उठाना चाहिए.

बारिश से धराशायी हुए दो कच्चे मकान, मुआवजे की मांग

इटकी। रांची जिले के इटकी प्रखंड अंतर्गत कुल्ली पंचायत में भारी बारिश ने दो गरीब परिवारों की छत छीन ली. मंगलवार को भंडरा गांव में रिबन देवी, पति शिव नारायण लोहरा का कच्चा मकान बारिश के कारण पूरी तरह से धराशायी हो गया. घर का छप्पर, जिसमें एस्बेस्टस शीट लगा हुआ था, पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के समय परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में थे, जिससे किसी की जान नहीं गई. इसी पंचायत के कुल्ली गांव में दो दिन पूर्व तीला उरांव, पिता लोड़ो उरांव का कच्चा मकान भी गिर गया था. लगातार हो रही बारिश से पंचायत के कई कच्चे घर खतरे में हैं. पंचायत के मुखिया विनय उरांव ने बताया कि दोनों मामलों की जानकारी प्रशासन को दे दी गई है. उन्होंने पीड़ित परिवारों को सरकारी सहायता दिलाने और तत्काल क्षतिपूर्ति देने की मांग की है. स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते मदद नहीं मिली तो और भी परिवार प्रभावित हो सकते हैं. प्रशासन से शीघ्र राहत सामग्री और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की अपील की गई है.

राष्ट्रीय शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में आचार्यकुलम् नामकुम के विद्यार्थियों ने परचम लहराया

संवाददाता। नामकुम

नामकुम। उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में आचार्यकुलम, नामकुम के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड और विद्यालय का नाम रोशन किया. देशभर के नामी विद्यालयों की भागीदारी वाली इस प्रतियोगिता में आचार्यकुलम के आठ बच्चों ने भाग लिया, जिनमें से पांच ने प्रथम पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया. सम्पूर्ण गीता पाठ श्रेणी में 8 वर्षीय अक्षिता राज और आरोही ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया. अक्षिता राज की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि इतनी कम उम्र में गीता के सम्पूर्ण श्लोकों का सटीक उच्चारण और ज्ञान प्रदर्शित करना अत्यंत सराहनीय उपलब्धि है. वे नामकुम प्रखंड कार्यालय में कार्यरत

राजकुमार सिंह और पूजा सिंह की सुपुत्री हैं.

अष्टावक्र गीता श्रेणी में अभिनीति ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं उपनिषद श्रेणी में सूरज और अक्षत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया. प्रतियोगिता के बाद सभी विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ गरीब रथ एक्सप्रेस से रांची लौटेंगे. रांची रेलवे स्टेशन पर विद्यालय और स्थानीय नागरिकों द्वारा इन प्रतिभाशाली छात्रों का भव्य स्वागत किया जाएगा. यह सफलता न केवल आचार्यकुलम विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि झारखंड की शैक्षणिक और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रमाण भी प्रस्तुत करती है.

मंथन

अलविदा जननायक आपको अंतिम जोहार

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर जब राजधानी रांची से उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया, तो वह केवल एक नेता की शवयात्रा नहीं थी-वह एक युग, एक आंदोलन और एक आदिवासी चेतना की अंतिम यात्रा थी. इस यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया कि दिशोम गुरु केवल एक राजनेता नहीं थे, वे झारखंड की आत्मा थे, जिन्होंने जीवनपर्यंत जल, जंगल और ज़मीन के लिए संघर्ष किया. रांची से रामगढ़ तक की सड़कें भावुक श्रद्धांजलियों और 'वीर शिबू अमर रहें' के नारों से गूंज उठीं. मार्ग में पड़ने वाले गांवों, कस्बों और चौराहों पर लोग स्वतःस्फूर्त तरीके से एकत्र हुए. नमन करने वालों की आंखें नम थीं, हाथ जुड़े हुए थे, और मन गुरुजी के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ. यह दृश्य केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं था, यह उस विचार और संघर्ष के लिए था, जिसने झारखंड को उसकी पहचान दिलाई. रांची स्थित मोरहाबादी आवास से जब अंतिम यात्रा निकली, तो हजारों लोग दर्शन को उमड़ पड़े. झारखंड विधानसभा में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए राज्यपाल संतोष गंगवार, विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, आप नेता संजय सिंह समेत देशभर के प्रमुख राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं. यह उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि दिशोम गुरु का कद केवल झारखंड तक सीमित नहीं था, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी आदिवासी राजनीति और अधिकारों को स्वर दिया. गुरुजी के अंतिम संस्कार की रस्में उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नेमरा गांव में पूरी कीं. यह दृश्य भावनाओं से भरा हुआ था. एक बेटे का पिता के प्रति कर्तव्य निर्वहन और एक मुख्यमंत्री का अपने मार्गदर्शक को अंतिम सम्मान-यह संयोग विरल है. इस अवसर पर अनेक दलों के नेताओं का एक मंच पर एकत्र होना यह भी दर्शाता है कि शिबू सोरेन की राजनीति द्वेष की नहीं, समावेश की थी. दिशोम गुरु के जाने के साथ एक लंबा राजनीतिक अध्याय समाप्त हो गया, जो आदिवासी चेतना, जन आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान के संघर्ष से उपजा था. उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी, शराबबंदी का आंदोलन किया, और अंततः झारखंड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका जीवन उन लाखों आदिवासियों की कथा है जो सदियों से उपेक्षित रहे, पर जिनकी आवाज़ को उन्होंने संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाया. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने की जो मांग की गई है, वह केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं है, यह उस संघर्ष की स्वीकृति है जिसे दशकों तक शिबू सोरेन ने नेतृत्व दिया. भारत रत्न यदि किसी ऐसे व्यक्ति को मिले, जिसने बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा किए समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकार की रोशनी पहुंचाई, तो वह सम्मान भी पूर्ण होगा और अर्थपूर्ण भी. दिशोम गुरु के निधन पर झारखंड ही नहीं, देश भर में शोक की लहर दौड़ गई. लेकिन उनके जीवन का सार यही है कि मृत्यु के बाद भी वे लोगों के हृदय में जीवित हैं. अंतिम यात्रा में शामिल हर व्यक्ति का चेहरा गवाही दे रहा था कि यह यात्रा केवल शरीर की नहीं थी-यह विचारों, संघर्षों और उस चेतना की विदाई थी जिसने झारखंड को झारखंड बनाया. आज जब झारखंड, आदिवासी समाज और देश उन्हें अंतिम विदाई दे रहा है, तब यह स्मरण आवश्यक है कि गुरुजी ने जो आंदोलन खड़ा किया, वह केवल भूगोल का नहीं था, वह स्वाभिमान का आंदोलन था. ऐसा कम ही होता है कि जो सपना देखा जाए, वो पूरा ही हो, लेकिन गुरुजी ने अलग राज्य का सपना पूरा कर दिखाया. यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर झारखंड को न्याय, समानता और समरसता की उस दिशा में ले जाएं, जिसका स्वप्न उन्होंने देखा था. **दिशोम गुरु अमर रहें...**

हमारी लड़ाई 'दिकुओं' से नहीं 'शोषकों' से है

उस दौर में शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन की अगुआई कर रहे थे. गांव-गांव में गुरुजी के नाम से लोकप्रिय. राजनीतिक ही नहीं, सामाजिक बदलाव की लड़ाई भी लड़ रहे थे.

हरिवंश

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 38 साल पहले लिया गया एक इंटरव्यू

'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन नहीं रहे. स्मृति उभरी. उनसे पहली मुलाकात की. दिसंबर का महीना.वर्ष, 1987. कोलकाता में 'रविवार' (आनंद बाजार पत्रिका समूह) में काम करता था. कोलकाता से उनसे बातचीत करने ही झारखंड (तब, अविभाजित बिहार का हिस्सा) आया था. शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन की अगुवाई कर रहे थे. गांव-गांव में गुरुजी के नाम से लोकप्रिय. सिर्फ राजनीतिक नहीं, सामाजिक बदलाव की लड़ाई भी लड़ रहे थे. आदिवासियों, झारखंडियों को शराब छोड़ने और शिक्षा से जुड़ने की प्रेरणा दे रहे थे. उनसे एक गांव में मुलाकात हुई. लंबी बातचीत हुई.

तब शिबू सोरेन के आंदोलन का ही हवाला देकर 'दिकू' शब्द को लेकर भी भ्रम फैला था. उन्होंने बातचीत में बहुत ही स्पष्ट शब्दों में सब बताया था. अब, उनके न रहने पर, उनकी स्मृतियों को समर्पित करते हुए फिर से उस इंटरव्यू ('रविवार', 05 दिसंबर 1987) का एक अंश साझा कर रहा हूं. यह इंटरव्यू हाल ही में प्रकाशन संस्थान (नई दिल्ली) से प्रकाशित 'समय के सवाल' सीरीज के दूसरे खंड की किताब 'झारखंडः सम्पन्न धरती-उदास बसंत' में संकलित-प्रकाशित है.

शिबू सोरेन आदिवासियों के दूसरे 'मरांग गोमके' हैं. 1967-69 में बनियों के खिलाफ उनका धान काटो आंदोलन गिरिडीह, हजारीबाग और धनबाद अंचल में काफी सफल रहा. उस वक्त उन्होंने जन-अदालतों का गठन किया और नारा दिया, 'जमीन का फैसला जमीन में होगा, कोर्ट-कचहरी में नहीं.' उन दिनों शिबू सोरेन के नेतृत्व में चलनेवाले आंदोलन का यह आलम था कि रात के डेढ़-दो बजे भी नगाड़े की आवाज पर हजारों आदिवासी पलक झपकते एकजुट हो जाते थे. फिर एके राय, विनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन के सामूहिक नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोरचा की जड़ें काफी फैलीं और मजबूत हुईं. अब एक बार फिर शिबू सोरेन पुराने तेवर के साथ झारखंड की लड़ाई में कूदने के लिए तैयार और इसके लिए वह गांव-गांव घूम भी रहे. एक आदिवासी गांव में उनसे हुई बातचीत का ब्योरा.

सवाल : आपपर आरोप है कि झामुमो के अंदर आप कांग्रेस की राजनीति करते हैं?

जवाब: यह आरोप उन लोगों ने लगाया है, जो मेरा चरित्र हनन करना चाहते हैं. यह कुछ भ्रष्ट कांग्रेसियों, दूसरे दलों के ओछे नेताओं और नौकरशाहों की साजिश का परिणाम है. छोटानागपुर में जयपाल सिंह के बाद सबसे सशक्त आंदोलन मेरे नेतृत्व में चला और चल रहा है. इससे जिस स्वार्थी तबके को खतरा है, वह मुझे बदनाम करने पर तुला है और यह उसी द्वारा किया गया कुप्रचार है.

सवाल : झामुमो और आजसू के बीच क्या संबंध हैं?

जवाब : आजसू का गठन हम लोगों ने ही किया था. हमारा उद्देश्य था कि विद्यार्थियों का राजनीतिक प्रशिक्षण हो, ताकि भविष्य में ये लोग सक्षम नेतृत्व दे सकें. महिला, मजदूर, बुद्धिजीवी आदि हर वर्ग में हमने अपना संगठन बनाया है.

सवाल : क्या आजसू आपकी कल्पनानुसार चल रहा है?

जवाब: इसमें बाद में कुछ अवांछित तत्त्व घुस आये, ऐसे लोगों का क्रियाकलाप संदिग्ध था. ये हमारे संगठन व समिति से बगैर परामर्श किये काम करने लगे थे.

सवाल : झारखंड की लड़ाई आप कैसे लड़ना चाहते हैं? 'दिकू' किसे मानते हैं?

जवाब : झारखंड की लड़ाई संविधान के तहत, प्रजातांत्रिक तरीके से ही हम लड़ना चाहते हैं. हम चाहते हैं कि हमारे लिए अलग राज्य बने, जहां हमारी बात पर गौर हो, समस्याएं सुनी जायें. पिछले वर्ष के अनुभवों को देखते हुए हमारी आशा खत्म हो गयी है. अब बिना अलग राज्य का गठन हुए हमारा शोषण खत्म नहीं हो सकता. हमारी मांग '50 के दशक में आरंभ हुई. इसके बाद भाषा, संस्कृति और जातीयता के नाम पर अनेक नये राज्यों का गठन हुआ है. मसलन पंजाब, हरियाणा, गोवा, मिजोरम आदि. लेकिन हमारी मांग पूरी नहीं हुई. उलटे हमारे जंगल और भाई-बंधु शोषण के केंद्र बन गये. लकड़ी ढोने के लिए जंगलों तक सड़क बनी, लकड़ी ढोने और जंगल को तहस-नहस करने के बाद सड़क खत्म हो गयी. अब सरकार को ऐसी सड़कों से कोई लेना-देना नहीं है. जंगल का फॉरेस्ट गार्ड कहता है कि जंगल हमारा है. आदिवासी कहते हैं, इस पर हमारा हजारों वर्षों से आधिपत्य है. पुलिस, ठेकेदारों और जंगल अधिकारियों से मिली हुई है. इसलिए संघर्ष स्वाभाविक है. 'दिकू' हम उसे कहते हैं जिसके अंदर दिक्-दिक् (तंग करने) करने की प्रवृत्ति हो. दिक् करनेवाला हमारा आदमी भी हो सकता है. दिकू-गैर आदिवासी नहीं है. हजारों गैर आदिवासियों का झारखंड के प्रति समर्पण है. जब शोषकों के खिलाफ हमला होता है, तो कुछ लोग कुप्रचार करते हैं कि दिकुओं को भगाया जा रहा है, ताकि आन्दोलन के चरित्र उद्देश्य के बारे में लोगों का ध्यान मोड़ा जा सके.

सवाल : आजसू के छात्रों ने आदिवासी विधायकों-सांसदों से त्यागपत्र देने की मांग की है? आप लोग क्या कर रहे हैं? क्या आपकी लड़ाई हिंसक भी हो सकती है?

जवाब: हमने पार्टी में पुनर्विचार किया था कि आखिर विधायक या सांसद बन जाने से क्या फायदे होते हैं? मेरे मन में यह बात आती थी कि जब कोई कारगर काम नहीं हो रहा है, तो हमें त्यागपत्र देना चाहिए. अफसर भ्रष्ट हैं. कोई बात सुनने को तैयार नहीं. लेकिन ऐसी बातों का निर्णय पार्टी की केंद्रीय समिति ही करेगी. आजसू के लोगों ने इस संबंध में अपने ढंग से अपना सिक्का जमाने के लिए यह 'काल' दिया है. कुछ ऐसे विधायक हैं, जो आजसू के द्वारा इस मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन वे खुद त्यागपत्र नहीं दे रहे हैं. आजसू के पीछे सही लोग नहीं हैं.सांस्कृतिक रूप से, पैदा होते ही हम तीर-धनुष उठा लेते हैं. तीर-धनुष के बल जंगलों की सफाई कर हमने जमीन हासिल की. जंगली जानवरों ने तब हम पर हमला किया. आज जंगल पर दूसरे लोग काबिज हो गये हैं. ठेकेदार और सरकारी अफसर हम पर जो अमानुषिक अत्याचार करते हैं, उसका विरोध हम तीर-धनुष से करते हैं. बम, पिस्तौल या सेना हमारे पास नहीं है. हम झारखंड में हिंसात्मक माहौल नहीं बनने देना चाहते, लेकिन इस बात को सरकार नहीं समझ पा रही है.

(हरिवंश जी, राज्यसभा के उप सभापति हैं. वह वरिष्ठ संपादक रहे हैं. उनके फेसबुक वॉल से यह लेख साभार लिया गया है.

आज का इतिहास

1862 : मद्रास उच्च न्यायालय की स्थापना.
1906 : स्वतंत्रता सेनानी चितरंजन दास और अन्य कांग्रेस नेताओं ने 'वंदेमातरम' समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया.
1960: क्यूबा ने देश की तमाम संपत्ति का राष्ट्रीयकरण किया.
1962 : जमैका को स्वतंत्रता मिली.
1964 : अमेरिका के नेवेदा में विश्व के सबसे प्राचीन वृक्ष प्रोमेथस को काटा गया.
1986: भारत के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म.
1996: नासा ने मंगल पर जीवन की उम्मीद जताई.
2007 : हंगरी के वैज्ञानिकों ने लगभग 80 लाख साल पुराने देवदार के वृक्ष का जीवाश्म प्राप्त करने का दावा किया.
2010 : जम्मू और कश्मीर में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 255 लोग मारे गए.
2011 : थाईलैंड में प्यूइआ थाई दल की यिंगलुक शिनवात्रा शुरिवार देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं.

ज्ञानी बाबा ने दी सिकंदर को महान सीख, हुआ नतमस्तक

चिंतन

सिकंदर ने ग्रीस, इजिप्ट समेत उत्तर भारत तक अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया.सालों से युद्ध करती सिकंदर की सेना बहुत थक चुकी थी और अब वो अपने वापस लौटना चाहती थी. सिकंदर को सैनिकों की इच्छा का सम्मान करना पड़ा और उसने भी भारत से लौटने का मन बना लिया. पर जाने से पहले वह किसी ज्ञानी को साथ ले जाना चाहता था. लोगों से पूछने पर उसे एक बाबा के बारे में पता चला. सिकंदर वहां पहुंचा. बाबा नंगे पेड़ के नीचे ध्यान लगा कर बैठे थे. कुछ देर बाद बाबा ध्यान से बाहर निकले और उनके आंखें खोलते ही सैनिक सिकंदर महान के नारे लगाने लगे. बाबा मुस्कुरा रहे थे. सिकंदर उनके सामने आया और बोला, मैं आपको अपने देश ले जाना चाहता हूं. चलिए हमारे साथ. बाबा बोले, मैं तो यहीं ठीक हूं. तुम्हे जहां जाना है जाओ.

मामूली से संत का यह जवाब सुनकर सिकंदर के सैनिक भड़क उठे. सिकंदर ने सैनिकों को शांत करते हुए बाबा से कहा, मैं ना सुनने का आदी नहीं हूं, आपको चलना ही होगा. बाबा बोले, यह मेरा जीवन है और मैं ही इसका फैसला कर सकता हूं कि मुझे कहां जाना है और कहां नहीं.यह सुन सिकंदर गुस्से से लाल हो गया उसने अपनी तलवार बाबा के गले से सटा दी, मेरे साथ चलोगे या मौत को गले लगाओगे? बाबा शांत थे, मैं तो कहीं नहीं जा रहा, तुम मुझे मारना चाहते हो तो मार दो, पर अब अपने नाम के साथ महान शब्द न लगाना. तुम तो मेरे गुलाम के भी गुलाम हो. तुम्हारा मतलब क्या है? सिकंदर क्रोधित होते हुए बोला. बाबा बोले, क्रोध मेरा गुलाम है, मैं जब तक नहीं चाहता क्रोध नहीं आता, लेकिन तुम क्रोध के गुलाम हो, तुमने बहुत से योद्धाओं को हराया,पर क्रोध से नहीं जीत पाए, तो बताओ हुए न तुम मेरे गुलाम के गुलाम.

सिकंदर बाबा की बातें सुनकर स्तब्ध रह गया. वह उनके सामने नतमस्तक हो गया और अपने सैनिकों के साथ वापस लौट गया.

मित्रों, महात्रिया रा कहते हैं, हम जितनी बार गुस्सा होते हैं, उतनी बार हमारे शरीर में एसिड बनता है. एसिड जिस बर्तन में होता है उसे नष्ट कर देता है. गुस्से का सबसे बड़ा शिकार खुद गुस्सा करने वाला ही होता है. आइए इस प्रेरणादायक कहानी से सीख लेते हुए हम अपने गुस्से को काबू में करने का प्रयास करें.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #AamchaDEVABHAU
2. #vivoT4RonFlipkart
3. #KashmirGrowthStory
4. #MahaCM4LadkiBahin
5. #UdayIndiaVirginLandSummit
6. charlie puth
7. Sant RampalJi YT Channel
8. hobi
9. आदिल सैफी
10. पवित्र गीता

बहुरंग

जज्बे और बलिदान की कहानी लाएंगे फरहान अख्तर
इंतजार खत्म, '120 बहादुर' का टीजर रिलीज

पोस्टर के जबरदस्त स्वागत के महज एक दिन बाद ही, '120 बहादुर' के निर्माताओं ने आखिरकार वह टीज़र पेश कर दिया है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे. ये टीज़र भव्यता, भावनाओं और जोशीली देशभक्ति से भरपूर है. इसमें फरहान अख्तर को मेजर शैतान सिंह भाटी की दमदार भूमिका में देखा जा सकता है. टीज़र की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि यह फिल्म हिम्मत, जज़्बा और बलिदान की एक गाथा है, एक ऐसी वॉर एपिक जो दर्शकों के दिलों में उतरने वाली है. 1962 के रेजांग ला युद्ध की सच्ची बहादुरी पर आधारित इस फिल्म की कहानी में, टीज़र दिखाता है कि कैसे 120 भारतीय जवान हज़ारों दुश्मनों के सामने डटे रहे और इतिहास रच दिया. हर सीन के बीच गूंजती है एक दमदार आवाज़, हम पीछे नहीं हटेंगे जो न सिर्फ़ उनकी जिद और जज़्बे को दिखाती है, बल्कि फिल्म की आत्मा बनकर उभरती है. यह टीज़र ना केवल युद्ध की वीरता दर्शाता है, बल्कि देशभक्ति की उस आग को भी जगाता है, जो हर भारतीय के दिल में है. मेकर्स ने टीज़र को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, फरहान अख्तर की दमदार वापसी! टीज़र में फरहान को एक गंभीर, संयमित और भावनात्मक अंदाज़ में दिखाया गया है, जो अब तक के उनके सबसे अलग किरदारों में से एक है. मेजर शैतान सिंह के रूप में उनका अभिनय पहले ही अपनी प्रामाणिकता और शांत प्रभाव के लिए लोगों की तारीफें बटोर रहा है. लद्दाख, राजस्थान और मुंबई की लोकेशनों पर फिल्माई गई '120 बहादुर' अब तक की सबसे भव्य युद्ध गाथाओं में से एक बनकर सामने आ रही है. यह फिल्म रेजांग ला की लड़ाई को पूरी सच्चाई और सम्मान के साथ परदे पर उतारती है. जमी हुई सफेद बर्फ, युद्ध की खामोश लेकिन गूंजती ज़मीन, और हर फ्रेम में छिपी गहराई, यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि एक एपिक अनुभव बनने जा रही है. राजनीश घोष के निर्देशन में बनी यह फिल्म रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) के बैनर तले तैयार की गई है. फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

जेनेलिया के बर्थडे पर रितेश देशमुख का इमोशनल पोस्ट वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया डिसूज़ा ने हाल ही में अपना 38वां जन्मदिन मनाया. इस खास मौके पर उनके पति और अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने प्यार का इज़हार करते हुए एक खूबसूरत पोस्ट शेयर की. रितेश ने अपने इंस्टाग्राम पर जेनेलिया के साथ कई प्यारी तस्वीरें पोस्ट कीं, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं. इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावनात्मक संदेश भी लिखा, जिसमें जेनेलिया को उन्होंने अपना जीवन, प्रेरणा और सबसे करीबी दोस्त बताया. रितेश ने लिखा, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं मेरी प्यारी पत्नी. तुम्हारा ये खास दिन मुझे हर बार ये एहसास दिलाता है कि मैं कितना सौभाग्यशाली हूं जो तुम मेरी जिंदगी में हो. तुम न सिर्फ मुझे मुस्कुराने की वजह देती हो, बल्कि हमारे बच्चों की एक बेहतरीन मां, अपने माता-पिता की आदर्श बेटी और मेरी सबसे सच्ची दोस्त भी हो. तुम्हारी अच्छाइयों की कोई गिनती नहीं, तुम हर किसी को दिल खोलकर प्यार और वक्त देती हो. हमारे परिवार की असली ताकत तुम ही हो. तुम मुझे छेड़ती हो, मुझ पर हंसती हो, दोस्तों के बीच मेरे मजेदार किस्से सुनाकर मुझे शर्मिंदा कर देती हो, और मुझे यह सब बेहद पसंद है. तुम हमेशा मेरे साथ खड़ी रहती हो, मुझे प्रोत्साहित करती हो और हर मुश्किल में मेरा सबसे बड़ा सहारा बनती हो. तुम हमारे घर की रूह हो. इस साल तुम्हें वो सब मिले, खुशी, प्यार और थोड़ा सुकून, जिसके तुम सच में हकदार हो. रितेश ने अपने संदेश में आगे लिखा, तुम मुझे हर दिन एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती हो. मुझे खुद पर गर्व होता है कि तुम मेरी जिंदगी का हिस्सा हो. मैं तुमसे बेहिसाब प्यार करता हूं और अपना पूरा जीवन इसी प्यार को तुम्हें महसूस कराने में बिताना चाहता हूं. हैप्पी बर्थडे, मेरी जान. गौरतलब है कि रितेश और जेनेलिया ने 3 फरवरी 2012 को मराठी परंपराओं के अनुसार शादी रचाई थी. इस प्यारे जोड़े के दो बेटे हैं, रियान और राहिल देशमुख.

बॉक्स ऑफिस पर 'सैयारा' का कुल कलेक्शन 302.25 करोड़

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हो रही हैं, लेकिन हाल ही में आई कुछ फिल्मों को दर्शकों से खास प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है. वहीं, मोहित सूरी की निर्देशित फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है. रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी फिल्म की पकड़ मजबूत बनी हुई है. भारत में 'सैयारा' अब तक 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, जो इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' ने अपनी रिलीज के 18वें दिन, यानी तीसरे सोमवार को करीब 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 302.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. केवल देश में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 'सैयारा' शानदार प्रदर्शन कर रही है. अब तक फिल्म ने दुनियाभर में 460.15 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. फिलहाल के ट्रेंड्स को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि 'सैयारा' की रफ्तार थमती नहीं दिख रही. 'सैयारा' की कहानी वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) और कृष कपूर (अहान पांडे) के इमोशनल सफर को बयां करती है. वाणी एक ऐसी लड़की है, जिसने

प्यार में गहरी चोट खाई है, वहीं कृष अपने टूटे हुए ख्वाबों को फिर से संजोने की जद्दोजहद में है.

फिल्म इन दोनों किरदारों की भावनाओं और रिश्तों की उलझनों को खूबसूरती से सामने लाती है. सिनेमाघरों में जबरदस्त सफलता के बाद अब 'सैयारा' का डिजिटल प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है. खास बात यह है कि यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली यशराज फिल्म्स की पहली थियेट्रिकल रिलीज होगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-7-8-9

वृष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. आनन्ददायक वातावरण बनेगा. शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. शुभांक-3-7-9

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा. शुभांक-3-6-8

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-4-5-9

तुला : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. मेहमानों का आगमन होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. राजकीय कार्यों से लाभ. धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें. शुभांक-2-7-8

धनु : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. आत्मइक्षचतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शत्रुपक्ष से सावधान रहें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-3-6-9

मकर : 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें. शुभांक-4-6-8

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभ कार्यों में व्यय होगा. जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा. मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम होगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. भविष्य की योजनाएं फलीभूत होंगी. शुभांक-1-5-9

गाबा, ओवल से केपटाउन तक, पिछले 15 सालों में 7 अद्भुत टेस्ट सीरीज व भारत की जीत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली सीरीज की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया. ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट सीरीज रोमांच के चरम पर समाप्त हुई. पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों को देखिए.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 : संभवत : यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ सीरीज में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की. एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में

तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी.

भारत बनाम श्रीलंका, 2015 : इस सीरीज से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की. गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया. लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके सीरीज 2-1 से अपने नाम कर दी.

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 : यह आखिरी टेस्ट सीरीज थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था. सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी. केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा.

भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 : अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की सीरीज में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डंस में सात विकेट से जीत हासिल की. नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर सीरीज 2-1 से जीत ली. जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था.

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 : यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच की जंग थी. दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज थे. दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था. यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू सीरीज में पहली हार थी.

न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 : जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी. लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की. लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली.

भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 : यह सीरीज कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी. नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था. भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था. उस समय भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके सीरीज को बराबर कर दिया था.

टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय बने सिराज, बुमराह की बराबरी की

एजेंसियां। लंदन

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत भारतीय टीम सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही. जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई. उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे.

अंतिम दिन जीत के लिए लेने थे चार विकेट : भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा. जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई. जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रुक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने सोमवार को तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में

पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले. जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. सिराज दौड़ पड़े और भारतीय खिलाड़ी उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े. भारत अगर सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रहा तो इसमें सिराज का योगदान बड़ा था. भारत के स्टार तेज गेंदबाज बुमराह कार्यभार प्रबंध के कारण इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच ही खेले. जिन दो मैचों में बुमराह नहीं खेले उसमें सिराज ने अपने दम दिखाया. सिराज ने अपने दमदार प्रदर्शन से कुछ रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. सिराज ने पांच मैचों की इस सीरीज में कुल 23 विकेट लिए जो उनका एक टेस्ट सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. सिराज ने इंग्लैंड में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के मामले में बुमराह की बराबरी कर ली है. बुमराह ने 2021-22 में इंग्लैंड के खिलाफ 23 विकेट लिए थे. इस सूची में तीसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं जिन्होंने 2014 में इंग्लैंड दौरे पर 19 विकेट चटकाए थे.

इंग्लैंड में सर्वाधिक बार झटके चार या इससे अधिक विकेट

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा दौरे पर सात बार पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए. भारतीय गेंदबाजों में यह सर्वाधिक बार है जब किसी गेंदबाज ने ऐसा किया है. सिराज ने इस मामले में बुमराह को पीछे छोड़ा. बुमराह ने पांच बार इंग्लैंड में किसी पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, इस सूची में तीसरे स्थान पर ईशांत शर्मा हैं जो चार बार ऐसा कर चुके हैं, जबकि कपिल देव और मोहम्मद शमी ने तीन-तीन बार ऐसा किया है. इतना ही नहीं, सिराज इंग्लैंड में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस मामले में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है. सिराज के इंग्लैंड में 46 विकेट हो गए हैं, जबकि कपिल ने इंग्लैंड में 43 विकेट लिए हैं. सिराज से आगे इस सूची में अब ईशांत शर्मा और बुमराह आगे हैं. बुमराह और ईशांत ने इंग्लैंड में 51 विकेट लिए हैं.

बुमराह के बिना जीतना सीख चुकी टीम इंडिया इस साल के रिकॉर्ड सोचने पर मजबूर कर देंगे!

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जसप्रीत बुमराह भारतीय ही नहीं बल्कि इस समय दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं. टेस्ट हो या फिर वनडे या टी20, बुमराह का जवाब बल्लेबाजों के पास कम ही होता है. उनके खिलाफ रन बनाने से ज्यादा बल्लेबाज बचने की कोशिश करते हैं. बुमराह के पास सटीक यॉर्कर है. उनकी धीमी गति की गेंद को जज करना आसान नहीं है. उनकी गेंद टप्पा खाने के बाद बाकी गेंदबाजों के मुकाबले तेज जाती है. यही वजह है कि कोई भी परिस्थिति हो बुमराह भारी पड़ ही जाते हैं. उन्हें सबसे बड़े मैच विनर के रूप में देखा जाता है.

2025 में कहानी अलग हो चुकी : जसप्रीत बुमराह के लिए साल 2025 का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है. उन्होंने इस साल भारत के लिए सिर्फ चार मुकाबले खेले हैं. इसमें टीम को तीन हार मिली जबकि एक मैच ड्रॉ रहा. साल की शुरुआत में भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया से हारा था.

बुमराह उस मैच में कप्तान भी थे। हालांकि चोट की वजह से वह दूसरी पारी में बॉलिंग नहीं कर पाए. फिर इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने तीन मैच खेले. भारत को दो में हार मिली जबकि एक मैच ड्रॉ रहा.

बुमराह के बिना सिर्फ एक हार : भारतीय टीम ने जसप्रीत बुमराह के बिना इस साल 15 मुकाबले खेले हैं. इसमें 5 टी20 इंटरनेशनल, दो टेस्ट और 8 वनडे शामिल हैं. इन 15 मैचों में भारत को 14 जीत मिली है. इसमें चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी शामिल हैं. दुबई में न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय टीम ने 12 साल बाद आईसीसी का कोई वनडे टूर्नामेंट जीता. भारत को बुमराह के बिना एकमात्र हार इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए टी20 इंटरनेशनल मैच में मिली थी.

ओवरऑल रिकॉर्ड काफी दमदार : जसप्रीत बुमराह ने अभी तक भारत के लिए 89 वनडे खेले हैं. इसमें टीम को 63 जीत और सिर्फ 25 हार मिली है. टी20 इंटरनेशनल की बात करें तो उनके प्लेइंग इलेवन में रहते हुए भारत 70 में से सिर्फ 13 मैच हार जबकि 52 जीता. क्रिकेट में बुमराह ने अभी तक 48 मुकाबले खेले हैं. इसमें भारतीय टीम को 20 जीत जबकि 23 हार मिली.

शुभमन गिल की अगुआई में भारत की डब्ल्यूटीसी के नए चक्र में अच्छी शुरुआत

एजेंसियां। लंदन

शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट मैच छह रनों से जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र 2025-27 में भारत की यह पहली सीरीज थी. इतना ही नहीं, भारत इस दौरे पर गिल के नेतृत्व में खेलने उतरा था जो पहली बार लाल गेंद के प्रारूप में कप्तानी कर रहे थे. भारत भले ही इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका, लेकिन उसने रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर मेजबान टीम के मुंह से जीत छीन ली.

अंक तालिका का हाल : पांचवें टेस्ट में मिली जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में फायदा पहुंचा है. ओवल टेस्ट से पहले भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में चौथे स्थान पर था, लेकिन अब वह तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है. भारत के फिलहाल पांच मैचों में दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 28 अंक हैं, जबकि उसकी पीसीटी 46.67 है. भारत से आगे शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया और दूसरे स्थान पर श्रीलंका है. ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच खेले हैं और तीनों जीते हैं. वहीं, श्रीलंका ने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में फिलहाल दो मैच खेले हैं जिसमें से एक जीता है और एक ड्रॉ रहा है. इंग्लैंड की टीम पांच मैचों में दो जीती है, जबकि दो में उसे हार मिली है. वहीं, एक मैच ड्रॉ रहा है.

सिराज ने इंग्लैंड के जबड़े से छीनी जीत : मैच की बात करें तो भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में छह रन से जीत हासिल की है.

भारत ने 374 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में इंग्लिश टीम दूसरी पारी में 367 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले. आकाश दीप ने एक विकेट लिया. इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई. शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है. किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था. हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया. भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे. जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी. भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा. जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई. जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रुक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी. जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा.

सचिन ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को दिए 10 में से 10 नंबर, गांगुली-कोहली ने भी जताई खुशी

एजेंसियां। लंदन

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को सराहा है. भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां मैच जीतकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई. भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 374 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में इंग्लिश टीम दूसरी पारी में 367 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक विकेट लिया. भारत इस मैच में एक समय खराब स्थिति में दिख रहा था और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम यह सीरीज आसानी से अपने नाम कर लेगी. लेकिन सिराज की अगुआई में गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे पासा पूरी तरह भारत के पक्ष में पलट गया. भारत ने इसके साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की अच्छी शुरुआत की है और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गया है.

गांगुली ने सिराज को सराहा : सचिन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट. रोंगटें खड़े करने वाला. सीरीज 2-2। प्रदर्शन 10 में से 10। भारतीय क्रिकेट के महानायकों. क्या शानदार जीत. पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने लिखा, टीम इंडिया की शानदार जीत. टेस्ट क्रिकेट, अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप. टीम के सभी सदस्यों और कोचों को बधाई. सिराज दुनिया के किसी भी हिस्से में अपनी टीम को निराश नहीं करते. मैच देखकर मजा आया. शानदार प्रदर्शन प्रसिद्ध, आकाशदीप, जायसवाल, जडेजा, वॉशिंगटन, पंत. इस युवा टीम की प्रदर्शन में काफी निरंतरता थी.

कोहली बोले- सिराज के लिए बेहद खुश हूं : इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने लिखा, 'टीम इंडिया की शानदार जीत. सिराज और प्रसिद्ध के दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने हमें यह अभूतपूर्व जीत दिलाई. सिराज का विशेष उल्लेख, जिन्होंने टीम के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया. उनके लिए बेहद खुश हूं.' भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व कोच अनिल कुंबले ने लिखा, शानदार खेल भारत. क्या सीरीज थी. दोनों टीमों का शानदार प्रदर्शन. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन. शुभमन गिल और टीम को बधाई.

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम की तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या शानदार प्रदर्शन. इस टीम को इस तरह से जुझारू प्रदर्शन करते और अंत तक लड़ते देखकर अच्छा लगा.' अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट इससे बेहतर नहीं हो सकता. तनावपूर्ण अंत, दबाव के पल और जुझारूपन. शानदार प्रदर्शन.' पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने सिराज की तारीफ करते हुए लिखा, 'शेर का दिल और लोहे का शरीर. मोहम्मद सिराज.' पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा, सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन.

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

लंदन । भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा : अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया ए के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी. **कुलदीप को भी नहीं मिली जगह :** जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की. लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला.

शुभमन बोले- हर कप्तान का सपना सिराज जैसा गेंदबाज

ब्रुक ने कहा- डीएसपी के लिए शानदार सीरीज और नतीजा

एजेंसियां। लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मोहम्मद सिराज जैसी क्षमता और कौशल वाला गेंदबाज हर कप्तान का सपना होता है. गिल ने साथ ही 2-2 की बराबरी को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज में दिखाए गए क्रिकेट के स्तर को शानदार करार दिया. एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में 754 रन और चार शतक के साथ भारत के लिए सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे गिल ने सिराज की जमकर तारीफ की. गिल ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान माइकल एथर्टन से कहा, 'सिराज किसी भी कप्तान का सपना है. उन्होंने हर गेंद और हर स्पैल में अपना सब कुछ झोंक दिया. 2-2 की बराबरी एक उचित प्रतिबिंब है. यह दर्शाता है कि दोनों टीम कितने जोश से भरी थीं और उन्होंने कितना अच्छा खेला.' भारतीय कप्तान ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की जिन्होंने मैच में आठ विकेट लिए. वह हालांकि थोड़े महंगे साबित हुए. गिल ने कहा, 'जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान लगती है. मुझे लगता है कि पांचवें दिन हमने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह शानदार थी. हमें पूरा विश्वास था, रविवार को भी हमें पता था कि वे दबाव में हैं.'

इस सीरीज में एक बल्लेबाज के रूप में अपनी परिपक्वता के बारे में गिल ने स्वीकार किया कि यह संतोषजनक था. गिल ने कहा, 'मेरी बल्लेबाजी संतोषजनक रही. मेरा लक्ष्य इस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनना था और वहां तक पहुंचना बहुत संतोषजनक है. यह हमेशा तकनीकी और मानसिक रूप से चीजों को सुलझाने का मामला होता है, ये आपस में जुड़े हुए हैं.' छह हफ्तों की सीरीज से मिली सीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम कभी हार नहीं मानते.' वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रुक को भी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. उन्होंने बताया कि सोमवार को अंतिम दिन उन्होंने अपनी टीम के लिए एक आसान जीत की कल्पना की थी, लेकिन सिराज की साहसिक गेंदबाजी ने मेजबान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया.

डब्ल्यूडब्ल्यूई पहले जॉन सीना को पीटा, अब इस महिला पहलवान का खेल किया खराब

ब्रॉक लेसनर क्या करके मानेंगे? हो रही थू-थू

एजेंसियां। नयी दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई में ब्रॉक लेसनर की वापसी से विवाद हो गया है. दो साल बाद समरस्लैम में ब्रॉक लेसनर ने वापसी की. उन्होंने जॉन सीना और कोडी रोड्स के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप मैच के अंत में आकर सीना पर एफ5 मूव से हमला किया. लेसनर की वापसी पर कई सवाल उठ रहे हैं. जेनेल ग्रांट मुकदमे में उनका नाम आने के बाद, लोग पूछ रहे हैं कि क्या कंपनी के कानूनी विभाग ने उनकी वापसी को मंजूरी दी थी. अब एक और बात सामने आई है जिससे लोग नाराज हैं. लेसनर के सेगमेंट ने रॉ में एक चैंपियन के प्रोमो को बीच में ही रोक दिया.

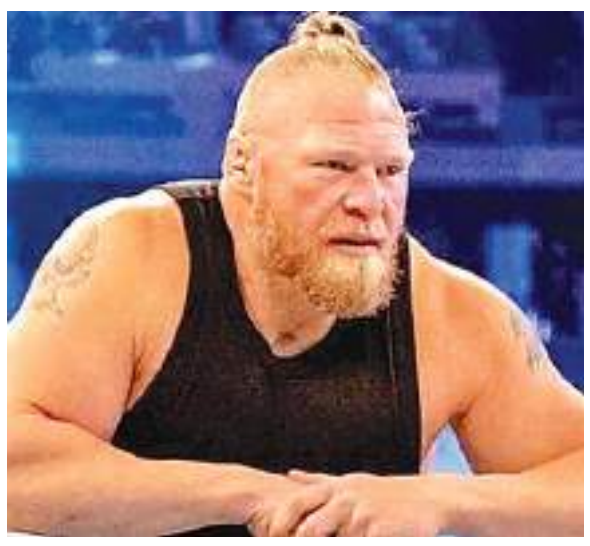

डब्ल्यूडब्ल्यूई के सामने कई बड़ी चुनौतियां

डब्ल्यूडब्ल्यूई में लेसनर की वापसी कई लोगों को पसंद नहीं आई. कुछ लोगों का मानना है कि कंपनी को जेनेल ग्रांट मुकदमे में उनका नाम आने के बाद उन्हें वापस नहीं लाना चाहिए था. दूसरों का मानना है कि लेसनर का सेगमेंट नाओमी के प्रोमो से ज्यादा महत्वपूर्ण था. इसलिए उसे काटना सही था. यह देखना बाकी है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई लेसनर की वापसी को कैसे संभालेगा. यह भी देखना होगा कि क्या नाओमी को भविष्य में और मौके मिलेंगे.

ब्रॉक लेसनर के कारण दूसरे को हुआ नुकसान

रॉ में ब्रॉक लेसनर के सेगमेंट ने नाओमी के प्रोमो को काट दिया. नाओमी को मेन शो में जगह नहीं मिली. उनका प्रोमो कमर्शियल ब्रेक के दौरान काटा गया. विमेंस वर्ल्ड चैंपियन के साथ और भी बुरा बर्ताव हुआ. प्रोमो को बीच में ही रोक दिया गया। नाओमी ब्रुकलिन में अपने अनुभव के बारे में बता रही थीं. वह बता रही थीं कि कैसे वह क्लैश एट पेरिस में स्टेफनी वेकर को हराएंगी. लेकिन, जैसे ही वह डिटेल्स में जाने वाली थीं, प्रोमो को काट दिया गया. स्क्रीन पर ब्रॉक लेसनर दिखने लगे.

अंतिम जोहार

गुरुजी की एक झलक पाने के लिए 45 किमी सड़कों पर खड़े रहे लोग

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की शव यात्रा में मंगलवार को काफी भीड़ देखने को मिली. लोग अपने चहेते नेता का अंतिम झलक पाने के लिए 45 किमी तक सड़कों पर घंटों खड़े रहे. जिस रास्ते से भी शव वाहन गुजरा वहां लोग हाथ जोड़ कर खड़े नजर आए. जैसे ही रामगढ़ जिले में शव वाहन प्रवेश किया, लोग उनके दर्शन के लिए पीछे-पीछे भागने लगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भावुक चेहरा देख हर किसी का कलेजा फट गया. जिस पिता के साए में हेमंत सोरेन ने ना सिर्फ राजनीति सीखी, बल्कि झारखंड को एक अलग पायदान पर लेकर गए, उनके सिर से पिता का साया उठा, तो लोग भी खुद को भावुक होने से रोक नहीं पाए.पिछले छह दशकों से शिबू सोरेन का अलग-अलग रूप रामगढ़ जिला लोगों ने देखा है. नेमरा गांव से निकल कर झारखंड की राजनीति को अलग पहचान दिलाने वाले शिबू सोरेन सबके दिलों में बहुत जल्द ही जगह बना चुके थे. गांव में रहने वाले आदिवासियों के लिए उन्होंने बहुत कुछ किया. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में पहुंचे नेताओं ने कहा कि झारखंड की फिजा में शिबू सोरेन हमेशा सूरज की तरह चमकते रहेंगे. अथक संघर्ष और तप से उन्होंने अपनी यह जगह बनाई थी.

ब्रीफ न्यूज

मुंबई से लौट कर दरभंगा पहुंचा लापता युवक

दरभंगा। मुंबई से दरभंगा जंक्शन पहुंचे एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है. लापता युवक की पहचान घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के उसराही सुपौल गांव निवासी आमोद कमती के पुत्र विकास कमती के रूप में हुई है. विकास 31 जुलाई को पवन एक्सप्रेस से मुम्बई से चला था और 2 अगस्त की रात दरभंगा जंक्शन पहुंचा था. स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में वह मिथिला वेटिंग हॉल में जाता हुआ दिखाई दे रहा है. हालांकि कुछ देर बाद वह प्लेटफॉर्म नंबर 2 की ओर जाता नजर आता है, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है.

मुजफ्फरपुरः दो सिर वाली बच्ची का जन्म

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राघोपुर पंचायत के मुशाचक गांव में एक अत्यंत दुर्लभ प्रसव ने पूरे इलाके को चौंका दिया है. यहां की निवासी शमसा खातून, पत्नी शौकत अली, ने एक ऐसी बच्ची को जन्म दिया है जिसके दो सिर, चार हाथ और दो पैर हैं. इस असाधारण नवजात को देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए. मेडिकल साइंस की भाषा में यह स्थिति 'कंजॉइंड ट्विन्स' कहलाती है, जो अत्यंत दुर्लभ मामलों में ही देखने को मिलती है. स्थानीय लोगों के बीच यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में लोग इस 'चमत्कारी बच्ची' को देखने घर पहुंचने लगे.

कारतूस तस्करी में कार्यपालक सहायक गिरफ्तार हुआ

पूर्णिया। कारतूस तस्करी से जुड़े एक बड़े मामले में पूर्णिया के केहाट थाना और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा में कार्यरत आर्म्स सेक्शन के कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी सोमवार शाम लगभग 6:30 बजे खगड़िया जिले के कचहरी पथ से की गई. इससे पहले, पुलिस ने इसी मामले में पूर्णिया स्थित विशाल गन हाउस के संचालक इंद्रजीत कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. इंद्रजीत से पूछताछ के दौरान अविनाश कुमार का नाम सामने आया, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया.

नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक में 36 प्रस्तावों पर लगी मुहर

एजेंसी। पटना

पटना : बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आज यानी मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में आयोजित महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक संपन्न हो गई. इस बैठक में विभिन्न विभागों के मंत्रियों की उपस्थिति में 36 प्रस्तावों पर कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति प्रदान की. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने एक बार फिर कई बड़े और महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं.

शिक्षा और कृषि क्षेत्र में बड़े निर्णय: कैबिनेट ने औरंगाबाद में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय के निर्माण को मंजूरी दी है. इसके अलावा, कृषि विभाग के तहत विभिन्न कार्यालयों के लिए 712 पदों, जिसमें 534 संगणक और 178 अनुदेशक पद शामिल हैं, को स्वीकृति दी गई. 5 के लिए पौधा संरक्षण नियमावली 2025 को भी मंजूरी दी गई है.

शारीरिक शिक्षकों का मानदेय 8 हजार से बढ़ा कर 16 हजार रुपए किया गया

नीतीश सरकार ने शारीरिक शिक्षकों का मानदेय 8,000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, इसके साथ ही रसोइयों और रात्रि प्रहरियों के मानदेय में भी वृद्धि को हरी झंडी दी गई हैं बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियुक्ति और स्थानांतरण सेवा नियमावली को भी स्वीकृत किया गया है,

शिक्षा और अल्पसंख्यक संस्थानों में सुधार : राज्य के सरकारी और गैर-सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक माध्यमिक और उच्च विद्यालयों में अब उपस्थिति के आधार पर वित्तीय लाभ प्रदान किया जाएगा. इसके अलावा, मुंगेर विश्वविद्यालय में 151 शिक्षक और अकादमिक पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है,

अन्य महत्वपूर्ण निर्णय: बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई और उन्हें मंजूरी दी गई. नीतीश सरकार के इन फैसलों को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता के लिए बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है.

पचमहला गोलीकांड में पूर्व विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से मिली जमानत

पटना। पचमहला गोलीकांड में जेल में बंद मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह को पटना हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है. कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें जमानत दे दी है. इसके साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अनंत सिंह, जिन्हें 'छोटे सरकार' के नाम से भी जाना जाता है, जल्द ही जेल से बाहर आ सकते हैं. यह मामला 22 जनवरी 2025 का है, जब सोनू और मोनू नाम के दो व्यक्तियों ने मुकेश सिंह के घर पर ताला जड़ दिया था. मुकेश उनके ईंट भट्ठे में मुंशी का काम करता था. दोनों ने मुकेश पर 68 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया था. इसके बाद मुकेश ने पूर्व विधायक अनंत सिंह से मदद मांगी और स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के बाद अनंत सिंह अपने समर्थकों के साथ जलालपुर पहुंचे और मुकेश के घर का ताला तोड़ा. इसके बाद वे सोनू और मोनू से बातचीत के लिए नौरंगा गांव पहुंचे, जहां दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया और भीषण गोलीबारी हो गई. इस गोलीबारी में करीब 70 राउंड फायरिंग हुई

न्यूज अपडेट

20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए महिला दारोगा और चौकीदार की निगरानी टीम ने रंगेहाथों दबोचा

खगड़िया। खगड़िया जिले के नगर थाना क्षेत्र में निगरानी विभाग की टीम ने मंगलवार को महिला सब इंस्पेक्टर सीमा कुमारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया. इस मामले में एक चौकीदार वीरू पासवान को भी हिरासत में लिया गया है. मिली जानकारी के अनुसार बेगूसराय निवासी अनिल कुमार शाह ने निगरानी विभाग से शिकायत की थी कि सब इंस्पेक्टर सीमा कुमारी एक केस को निपटाने के बदले रिश्वत की मांग कर रही हैं. शिकायत की पुष्टि के लिए निगरानी विभाग ने जाल बिछाया और जैसे ही सीमा कुमारी रिश्वत की राशि ले रही थीं, निगरानी की टीम ने छापेमारी कर उन्हें धर दबोचा.इस कार्रवाई में सबसे पहले चौकीदार वीरू पासवान को पकड़ा गया, जिसके बाद महिला हेल्पलाइन में तैनात सब इंस्पेक्टर सीमा कुमारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया. निगरानी विभाग की टीम दोनों को पूछताछ के लिए पटना ले गई है. इस घटना के बाद खगड़िया पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है.

प्रबल भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के ठिकानों पर आयकर की 20 सदस्यीय टीम की छापेमारी

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में आज यानी मंगलवार की सुबह आयकर विभाग की एक 20 सदस्यीय टीम ने प्रबल भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अधिवक्ता दिलीप मिश्रा के आवास पर छापेमारी की. इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है.मिली जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की टीम सुबह 6 बजे पांच गाड़ियों में सवार होकर परसौनी थाना क्षेत्र के अंढ़ेरा गांव स्थित दिलीप मिश्रा के आवास पर पहुंची. अधिकारियों ने डोरबेल बजाते ही घर में प्रवेश किया और दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी. इस दौरान दिलीप मिश्रा और उनके परिजनों में अफरा-तफरी का माहौल रहा.आयकर विभाग की एक टीम अंढ़ेरा स्थित उनके आवास पर वित्तीय कागजातों की जांच में जुटी है, जबकि दूसरी टीम दिलीप मिश्रा को साथ लेकर उनके अन्य संभावित ठिकानों की ओर रवाना हुई है. इनमें बेलसंड के चंदौली में उनकी बेटी का घर और समस्तीपुर के रोसड़ा में उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट का कार्यालय शामिल हैं. सूत्रों के अनुसार दिल्ली में उनके बेटे और बेटी के आवासों पर भी छापेमारी की योजना है. छापेमारी के दौरान दिलीप मिश्रा के आवास के मुख्य गेट और परिसर के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है. पिछले पांच घंटों से आयकर अधिकारी दिलीप मिश्रा से पूछताछ कर रहे हैं और उनके वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं.

महिला के साथ यौन शोषण और धमकी का आरोप, वार्ड पार्षद पति फरार, मामले की जांच में जुटी पुलिस

वैशाली। जिले के महनार थाना क्षेत्र की एक 30 वर्षीय महिला ने स्थानीय वार्ड पार्षद पति दीपक कुमार पर अश्लील फोटो के जरिये यौन शोषण करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है. पीड़िता ने महनार थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. महिला ने आरोप लगाया है कि गांव के ही दीपक कुमार, जो वार्ड संख्या 25 की पार्षद के पति हैं, ने पहले उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं और बीते छह महीनों से ब्लैकमेल कर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाते रहे. पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने करीब 20 बार जबरन दुष्कर्म किया. विरोध करने पर आरोपी ने फोटो वायरल करने की धमकी दी.महिला द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, जब दीपक कुमार को शिकायत की भनक लगी तो उसने रास्ते में महिला को अगवा करने का प्रयास किया. इस दौरान धक्का-मुक्की में पीड़िता गिर गई और घायल हो गई. उसे इलाज के लिए स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

निजी नर्सिंग होम संचालक के घर से 20 लाख की चोरी

पटना। पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी नगला स्थित आदर्श नगर सेक्टर में सोमवार देर रात चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है. निजी नर्सिंग होम संचालक अमित रंजन के घर में आठ की संख्या में आए , लगभग आठ की संख्या में रहे चोर मकान के पीछे की खिड़की का ग्रिल काटकर अंदर घुसे और बड़ी ही सफाई से अलमारियों से 10 लाख रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये मूल्य की ज्वेलरी चोरी कर ली.वारदात के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी.चोरों ने घर के एक कमरे के बाहर से दरवाज़ा बंद कर दिया था, जिससे अंदर सो रही महिला बाहर नहीं निकल सकीं. इसी बीच फ्रिज से अलार्म बजने की आवाज़ सुनकर महिला की नींद खुली और उन्होंने देखा कि बाहर से दरवाज़ा बंद है. घबराहट में उन्होंने तुरंत अपने पति को फोन कर चोरी की आशंका जताई.

इंडिया गठबंधन की वोट अधिकार यात्रा 10 नहीं अब 17 अगस्त से सासाराम से शुरू होगी

एजेंसी। पटना

इंडिया गठबंधन ने अपनी प्रस्तावित वोट अधिकार यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव किया है. पहले 10 अगस्त से शुरू होने वाली यह यात्रा अब 17 अगस्त से बिहार के सासाराम से आरंभ होगी. सूत्रों के अनुसार, राज्य में हो रही भारी बारिश, कई जिलों में बाढ़ की स्थिति और शहरों में जलजमाव के कारण यह निर्णय लिया गया है. इसके अलावा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन को भी इस बदलाव का कारण बताया जा रहा है.इस यात्रा में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित गठबंधन के अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे. सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी इस यात्रा से जुड़ सकती हैं. गठबंधन जल्द ही यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा, जिसमें 30 से अधिक जिलों को कवर करने की योजना है.

यात्रा का उद्देश्य और रणनीति : महागठबंधन की यह वोट अधिकार यात्रा बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जनता के बीच गठबंधन का संदेश पहुंचाने और केंद्र व राज्य की एनडीए सरकार की कथित नाकामियों को उजागर करने का एक बड़ा अभियान है. यात्रा के दौरान पदयात्रा और जनसभाओं का आयोजन होगा, जिसमें विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) की कमियों को प्रमुखता से उठाया जाएगा. गठबंधन के नेता बूथ स्तर तक जाकर जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे और मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे.

सासाराम से शुरू होगी यात्रा: यात्रा की शुरुआत 17 अगस्त को सासाराम से होगी, जो शाहाबाद क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. यह क्षेत्र कांग्रेस की पूर्व दिग्गज नेता मीरा कुमार का गढ़ रहा है, जिसका ऐतिहासिक महत्व गठबंधन के लिए रणनीतिक रूप से अहम है. यात्रा का पहला चरण सासाराम से शुरू होगा और विभिन्न जिलों को कवर किया जाएगा, जिसका समापन विशाल रैली के साथ होने की संभावना है.

महागठबंधन की रणनीति: राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस यात्रा के जरिए गठबंधन दलित, कुशवाह और मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास करेगा. साथ ही, यह यात्रा बिहार में विपक्ष की एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए एनडीए सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है. तेजस्वी यादव ने कहा, "हम जनता के बीच जाकर केंद्र और राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर करेंगे. यह यात्रा बिहार की जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम होगी."

बिहार बोर्ड : मैट्रिक परीक्षा 2027 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

19 अगस्त तक भर सकेंगे फॉर्म

एजेंसी। पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक परीक्षा 2027 में शामिल होने वाले छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है. कक्षा 9 में नामांकित छात्र 5 अगस्त से 19 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं.बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि रजिस्ट्रेशन से पहले स्कूलों को छात्रों का रजिस्ट्रेशन शुल्क 16 अगस्त तक जमा करना जरूरी है. जिन छात्रों का शुल्क जमा हो चुका है, उनका रजिस्ट्रेशन 19 अगस्त तक किया जाएगा. यदि किसी कारणवश किसी छात्र का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया हो, तो वह भी 19 अगस्त तक फॉर्म भर सकता है. इस बार छात्रों को वोकेशनल कोर्स चुनने का विकल्प भी दिया गया है. छात्र आठवें विषय के रूप में सिक्योरिटी, रिटेल, टूरिज्म, ऑटोमोबाइल, ब्यूटी एंड वेलनेस जैसे ट्रेड चुन सकते हैं. इन विषयों की 70 अंकों की थ्योरी परीक्षा बिहार बोर्ड

द्वारा और 30 अंकों की प्रैक्टिकल परीक्षा भारत सरकार की सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा ली जाएगी.

रजिस्ट्रेशन के जरूरी निर्देश

आधार नंबर देना अनिवार्य (कॉलम 16 में)

जिनके पास आधार नहीं है, उन्हें घोषणा पत्र देना होगा (कॉलम 17 में)

रजिस्ट्रेशन के लिए छात्र की न्यूनतम आयु 14 वर्ष होनी चाहिए

अल्पसंख्यक संस्थानों को निर्देश

बोर्ड ने अल्पसंख्यक संस्थानों और एससी-एसटी कल्याण विभाग के तहत आने वाले स्कूलों को 11वीं कक्षा के छात्रों की जानकारी 11 अगस्त तक ओएफएसएस टॅल पर अपडेट करने का निर्देश दिया है.

कारोबार

शेयर बाजार पर दबाव सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है. आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी. बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बढ़ने लगा, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की गिरावट भी बढ़ती चली गई. पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.45 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे.शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल और एसबीआई के शेयर 3.42 % से लेकर 0.58 % की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे. दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ट्रेंट लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.89 % से लेकर 0.68 %की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे.

भारत के 100 शहरों में 'स्टीलएज महोत्सव' की शुरुआत

रांची। फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध गुनेबो ब्रांड पिछले 90 वर्षों से भी अधिक समय से भारत में स्टीलएज और चबसेफ्स जैसे अपने प्रमुख ब्रांड्स के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है. कंपनी 1 से 14 अगस्त तक अपना प्रमुख मार्केटिंग कैंपेन 'स्टीलएज महोत्सव' संचालित कर रही है. इस अभियान का उद्देश्य देशभर के ज्वेलर्स को बीआईएस और बीआईएस सर्टिफाइड सेफ्स, सर्टिफाइड स्ट्रॉन्ग रूम डोर्स और सर्टिफाइड वॉल्ट्स के बारे में जागरूक करना है. अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट ने कहा, "स्टीलएज महोत्सव एक पैन इंडिया कैंपेन है, जिसका उद्देश्य भारत के ज्वेलर्स समुदाय से जुड़कर उन्हें बीआईएस सर्टिफाइड फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के प्रति जागरूक करना है.

रूसी तेल आयात पर ट्रंप का दोहरा रवैया

भू-राजनीतिक हितों के लिए चीन की भूमिका को कर रहे नजरअंदाज

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, बावजूद इसके अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप गलत तरीके से भारत को निशाना बना रहे हैं. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चीन की आलोचना करने से बच रहा है और भारत पर रूसी तेल आयात को लेकर अनुचित आरोप लगा रहा है.

भू-राजनीतिक हितों के लिए ट्रंप चीन को कर रहें नजरअंदाज

इसमें कहा गया है कि ट्रंप का यह

चयनात्मक रवैया भू-राजनीतिक हितों से प्रेरित हो सकता है. आंकड़ों के अनुसार, चीन ने 2024 में 62.6 अरब डॉलर मूल्य का रूसी तेल आयात किया. वहीं भारत ने 52.7 अरब डॉलर का आयात किया. इसके बावजूद, ट्रंप ने चीन की बड़ी भूमिका को नजरअंदाज करते हुए अपनी आलोचना भारत पर केंद्रित की है.

जीटीआरआई ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

रिपोर्ट में ट्रंप के ट्रूथ सोशल पर हाल ही में किए गए उस दावे को भी खारिज किया गया है. इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और बड़े मुनाफे पर बेच रहा है. जीटीआरआई ने स्पष्ट किया कि यह बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है.

भारत किसी भी देश को कच्चे तेल का निर्यात नहीं करता

थिंक टैंक ने यह भी साफ किया कि भारत रूस या अन्य किसी देश को कच्चा तेल निर्यात नहीं करता है. भारत कच्चे तेल का शुद्ध आयातक है और इसका कुल कच्चा तेल निर्यात शून्य है. भारत केवल परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है. इनमें डीजल और जेट ईंधन शामिल हैं. इनमें से कुछ रूसी कच्चे तेल से संसाधित होते हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि ऊर्जा आयातक देशों में यह एक मानक प्रथा है.

भारत की रिफाइनरियां स्वतंत्र रूप से करती हैं काम

इसमें आगे कहा गया कि भारत की सार्वजनिक और निजी दोनों तेल रिफाइनरियां कच्चे तेल का स्रोत कहां से तय करना है, इसके लिए वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं. इन कंपनियों को रूस या किसी अन्य देश से तेल खरीदने के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं होती. उनके निर्णय व्यावसायिक पहलुओं जैसे कीमत, आपूर्ति की विश्वसीयता और निर्यात स्थलों के नियमों पर आधारित होते हैं.

बिरला कंजंप्शन फंड ने पूरे किए 20 वर्ष, पीएमपीके वेल्थ में मना जश्न

रांची। आदित्य बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड की प्रतिष्ठित योजना बिरला कंजंप्शन फंड ने अपने 20 गौरवपूर्ण वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं. यह फंड वर्ष 2005 में लॉन्च हुआ था, जब भारत में उपभोक्ता क्षेत्र तेज़ी से उभर रहा था. बीते दो दशकों में, फंड ने देश के उपभोक्ता थीम में निवेश कर निवेशकों के लिए बड़े धन का निर्माण किया है. इस अवसर पर मंगलवार को बरियातू रोड स्थित पीएमपीके वेल्थ के कांफ्रेंस हॉल में केक कटिंग करते हुए उत्सव मनाया गया. आदित्य बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष मिश्रा ने फंड की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि 10,000 मासिक एसआईपी करने वाले निवेशकों का निवेश 20 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक धन का निर्माण किया है. वहीं, 20 वर्ष पहले एक लाख एक साथ जमा करने वाले निवेशक के 20 लाख 40 हजार रुपए बन गए. जबकि इसी अवधि में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट ने 3 लाख रुपया, पीपीएफ ने 3.57 लाख रुपया और सोना ने 15 लाख रुपया का धन निवेशकों को बना कर दिया.

मिश्रा ने कहा कि बिरला कंजंप्शन फंड भारत की उपभोक्ता क्रांति का गवाह है. आगे भी भारत में ग्रामीण और मध्यम श्रेणी के लोगों का बढ़ता हुआ कंजंप्शन ने रिटेल क्रांति की शुरुआत की है जो आने वाले कई दशकों तक चलेगा.

रिपोर्ट | मॉर्गन स्टैनली ने अपनी रिपोर्ट में की टिप्पणी

भारत बनेगा विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार

एजेंसी। नयी दिल्ली

आने वाले दशकों में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाने की राह पर है। मॉर्गन स्टैनली की हालिया रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में ऋण-से-जीडीपी अनुपात में वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र की जीडीपी में बढ़ती हिस्सेदारी के चलते वैश्विक अर्थव्यस्था में देश की भूमिका उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी।

भारत सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बुनियादी कारकों के संयोजन के चलते आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने को तैयार है। इन कारकों में तेजी से बढ़ती जनसंख्या, सक्रिय

लोकतंत्र, स्थिर मैक्रोइकोनॉमिक नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचा, बढ़ता उद्यमी वर्ग और बेहतर सामाजिक परिणाम शामिल हैं। इसमें कहा गया कि भारत विश्व का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। इसमें ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन होगा, सकल घरेलू उत्पाद में ऋण एवं विनिर्माण क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है.

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेल की घटती हिस्सेदारी और निर्यात, खासतौर से सेवाओं की बढ़ती हिस्सेदारी से राजकोषीय समेकन को समर्थन मिलेगा। उच्च वृद्धि , कम अस्थिरता और गिरती ब्याज दरों का यह संयोजन इक्विटी बाजार में उच्च मूल्य से आय (पी/ई) अनुपात को समर्थन देता है। बेहतर व्यापक आर्थिक स्थिरता और घरेलू बैलेंस शीट में बदलाव शेयर बाजार में निरंतर मांग को बढ़ावा दे रहे हैं।

मॉर्गन स्टेनली को भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा

2000 में आंकड़े जारी होने के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की स्थिति अपने सबसे कमजोर स्तर पर है। इसके बावजूद, मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि उसे भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं पर भरोसा है.

जोखिमों को लेकर दी गई चेतावनी

हालांकि, रिपोर्ट में वैश्विक विकास में मंदी, बिगड़ती भू-राजनीति, तेल की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में निरंतर व्यवधान, विशेष रूप से दुर्लभ पृथ्वी सामग्री और उर्वरकों जैसे क्षेत्रों में, जैसे नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी चेतावनी दी गई है.

देशभर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए गए

केंद्र ने प्रमाणीकरण के जरिए एलपीजी सब्सिडी हस्तांतरण को मजबूत किया : हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण को कुशल, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है. एलपीजी का दुरुपयोग रोकने के लिए देश भर में 4 करोड़ से अधिक फर्जी कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं.केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को राज्यसभा में एक तारांकित सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि देशभर के सभी एलपीजी वितरकों में आईवीआरएस/एसएमएस रिफिल बुकिंग सिस्टम लागू किया गया है. इस सिस्टम के तहत उपभोक्ताओं को रिफिल बुकिंग, कैश मेमो जनरेशन और रिफिल डिलीवरी जैसे प्रमुख चरणों पर एसएमएस के जरिए सूचनाएं प्राप्त होती हैं, जिससे वे अपने लेन-देन को ट्रैक कर सकते हैं और गलत या न मिलने की स्थिति में रिपोर्ट कर सकते हैं.केंद्रीय मंत्री ने सदन को बताया कि पहल (डीबीटीएल) योजना, आधार-आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और अयोग्य या नकली कनेक्शनों को हटाने जैसी पहलों के कार्यान्वयन से लक्षित सब्सिडी हस्तांतरण प्रणाली काफी मजबूत हुई है. उन्होंने आगे कहा कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) शुरू किया है, जो कैश मेमो जनरेशन के समय उपभोक्ता को एसएमएस के माध्यम से भेजा जाता है. इसको गैस डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मियों के साथ साझा करना आवश्यक होता है, जिससे प्रमाणीकरण सुनिश्चित होता है.पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि 1 जुलाई तक मौजूदा पीएमयूवाई लाभार्थियों में से 67 फीसदी का बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा हो चुका है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा सभी नए पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को कनेक्शन जारी होने से पहले बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से गुजरना होगा. पुरी ने बताया कि डुप्लीकेशन हटाने की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, 8.49 लाख प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) कनेक्शन समाप्त कर दिए गए हैं.उन्होंने आगे कहा कि जनवरी, 2025 में उन पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को हटाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी.

न्यूज अपडेट

पंजाब : अमृतसर और गुरदासपुर में एनआईए की कई घंटे छापेमारी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कबूतरबाजी के मामलों की जांच के चलते मंगलवार को अमृतसर तथा गुरदासपुर में छापे मारे हैं. छापे की कार्रवाई कई घंटे तक चली. इस दौरान एनआईए के अधिकारियों ने कई अहम दस्तावेज तथा लैपटॉप आदि अपने कब्जे में लिया है. डंकी रूट से अमेरिका पहुंचे हरियाणा व पंजाब के कई युवाओं को वापस भेजा गया था. इन युवाओं की वापसी के बाद से ही एनआईए इस मामले में जांच कर रही है. एनआईए की टीमों ने आज अमृतसर शहर के शास्त्री नगर और गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूडियां इलाके में एक घर पर छापा मारा. एनआईए के अधिकारियों की एक टीम ने अमृतसर में विशाल शर्मा नाम के युवक के घर पर छापा मारा.

जासूसी के शक में डीआरडीओ के गेस्ट हाऊस का मैनेजर गिरफ्तार

जोधपुर। सुरक्षा एजेंसियों ने जैसलमेर के चांदन गांव से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है. सुरक्षा एजेंसियां उससे गहनता से पूछताछ कर रही है. संदिग्ध व्यक्ति डीआरडीओ गेस्ट हाउस में मैनेजर के पद पर कार्यरत है. सुरक्षा एजेंसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार डीआरडीओ गेस्ट हाउस में मैनेजर के पद पर कार्यरत महेंद्र सिंह पर जासूसी संबंधी गंभीर आरोप हैं. इस गेस्ट हाउस में सैन्य परीक्षण से जुड़े अफसर और वैज्ञानिक ठहरते हैं. आरोप है कि वह इन अधिकारियों की जानकारी सीमा पार भेजता था. देश की सतर्क सुरक्षा एजेंसियों ने गेस्ट हाउस के मैनेजर महेन्द्र सिंह को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के चलते जैसलमेर के चांदन गांव से हिरासत में लिया है. अब उससे सुरक्षा एजेंसियां गहनता से पूछताछ कर रही है.

फटकार का नया रिकॉर्ड बना रहे हैं राहुल गांधी : पूर्व सीएम शांता कुमार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी भी विपक्षी नेता को उच्चतम न्यायालय से इतनी कठोर फटकार कभी नहीं पड़ी, जितनी राहुल गांधी को पड़ी है. उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी, यदि वे सच्चे भारतीय होते तो सेना के बारे में ऐसी बातें न कहते, देश की सेना के प्रति अपमानजनक बयान पर एक स्पष्ट और कड़ा संदेश है. शांता कुमार ने मंगलवार को यहां एक बयान जारी कर कहा कि सेना देश की सुरक्षा के लिए सीमाओं पर जान की बाजी लगाती है और राष्ट्रध्वज में लिपटकर शहीद होती है. ऐसे में सेना के बारे में अपमानजनक बातें करना निंदनीय और अस्वीकार्य है.

यौन शोषण का आरोपी राम रहीम 40 दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया

रोहतक। साध्वी यौन शोषण मामले में सुनारिया जेल में सजा काट रहे डेरा प्रमुख राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली है. मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच राम रहीम जिला कारागार से बाहर निकला. मंगलवार सुबह करीब 7 बजे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम जिला कारागार सुनारिया से 40 दिन की पेरोल पर बाहर निकला. इस दौरान जेल परिसर में सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध रहे. इसी साल 9 अप्रैल को राम रहीम 21 दिनों की पेरोल पर बाहर आया था और वह 14वीं बार जेल से बाहर आ चुका है. जेल अधीक्षक सत्यवान का कहना है कि जेल नियमों के तहत राम रहीम को पैरोल दी गई.

टनकपुर से कैलाश मानसरोवर के लिए श्रद्धालुओं का चौथा जत्था रवाना

टनकपुर(चंपावत)। कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं का चौथा जत्था मंगलवार को स्थानीय केएमवीएन गेस्ट हाउस से रवाना हुआ. पर्यावरण संरक्षण समिति की दीपा देवी और लायंस क्लब टनकपुर के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने श्रद्धालुओं के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने कहा कि यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि शिव से सीधा जुड़ाव है. जिनका चयन इस यात्रा के लिए हुआ है, वे सचमुच भाग्यशाली हैं. इस यात्रा शुरू कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से टनकपुर को राष्ट्रीय धार्मिक महत्व मिला है.

दिल्ली में लाल किला के पास से पांच बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के आसपास जांच के दौरान पांच संदिग्ध युवकों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा. पूछताछ में पता चला कि ये सभी 20 से 25 वर्ष की आयु के युवक बांग्लादेश के नागरिक हैं. यह पिछले 3-4 महीने पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे. इन युवकों के पास न तो लाल किले में प्रवेश का वैध पास था और न ही कोई वैध भारतीय दस्तावेज. जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में मजदूरी का काम कर रहे हैं और घूमने की मंशा से लाल किला देखने आए थे. उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि 15 जुलाई से लाल किला आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है. जांच के दौरान उनके पास बांग्लादेशी पहचान से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं.

उत्तरकाशी में तबाही

धराली में बादल फटने से मची तबाही अब तक 4 की मौत, 50 लोग लापता

एजेंसी ।नयी दिल्ली

उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई. डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है. जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है. पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई. कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है. धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है. कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है. आर्मी हर्षिल/पुलिस/एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं.

उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है. मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई. कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई. मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है. खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं. वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे.

सीएम धामी ने जताया दुख : धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुख जताया. उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं. इस सम्बन्ध में लगातार वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हूं.

दो एमआई और एक चिनूक हेलिकॉप्टर राहत बचाव का अनुरोध : राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के पास उत्तरकाशी में बादल फटने की प्राथमिक सूचना प्राप्त हुई है. उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने भारत सरकार को दो एमआई और एक चिनूक हेलिकॉप्टर राहत और बचाव कार्य के लिए देने का अनुरोध किया है.

यमुनोत्री हाईवे : स्यानाचट्टी के पास सड़क का 25 मीटर हिस्सा धंसा : जनपद में बीती रविवार देर रात से हो रही बारिश के कारण स्यानाचट्टी के पास यमुनोत्री हाईवे का करीब 25 मीटर हिस्सा धंस गया है जिससे आवाजाही बंद हो गई है. वहीं स्यानाचट्टी के एक ओर पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं. उधर, गंगोत्री हाईवे सुबह से दोपहर तक कई स्थानों पर अवरुद्ध रहा. इस वर्ष का मानसून की बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे पर परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है. बीते रविवार देर रात से जारी बारिश के कारण ओजरी डाबरकोट, स्यानाचट्टी के पास मलबा, बोल्डर गिरने से सड़क पर आवाजाही बंद हो गई थी. वहीं स्यानाचट्टी के दूसरी ओर कुपड़ा मोटर मार्ग के समीप करीब 25 मीटर सड़क धंसने से परेशानी बढ़ गई है. एनएच विभाग की ओर से ओजरी डाबरकोट सहित पालीगाड और स्यानाचट्टी के समीप एक स्थान पर आवाजाही शुरू करवा दी गई लेकिन सड़क करीब 25 मीटर धंसने से एनएच विभाग की मशीनरी को मार्ग खोलने में परेशानी हो रही है. ईई मनोज रावत मौके पर पहुंचे. उन्होंने कहा कि बारिश के चलते हाईवे खोलने में दिक्कत आ रही है. हाईवे धंसने वाली जगह पर शाम तक अंदर की ओर थोड़ा बहुत कटिंग कर छोटे वाहनों को निकालने का प्रयास किया जाएगा.

भारतीय सेना ने ट्रंप को याद दिलाई 54 साल पुरानी वो बात

यूएस ने पाक को बेचे थे 2 अरब डॉलर के हथियार

एजेंसी ।कोलकाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया टैरिफ संबंधी बयानों के बीच भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर साल 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान को अमेरिका के सैन्य मदद की याद दिलाई है. मंगलवार को भारतीय सेना की पूर्वी कमांड ने पुरानी अखबार की कटिंग शेयर की है, जिसमें बताया गया है कि कैसे साल 1954 से 1971 के बीच पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार भेजे गए थे. भारतीय सेना की पूर्वी कमांड ने मंगलवार को 5 अगस्त 1971 के एक अखबार की कटिंग शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "इस दिन उस साल युद्ध की तैयारी. जिसमें हैशटैग #नॉव फैक्ट का इस्तेमाल किया गया. अखबार की कटिंग में बोल्ड अक्षरों में लिखा है, '1954 से 2 बिलियन डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए.' सेना की ओर से शेयर

किए गए इस अखबार कटिंग में लिखा है कि वर्ष 1954 से 1971 के बीच अमेरिका ने पाकिस्तान को दो अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियार दिए थे. इन हथियारों के दम पर पाकिस्तान ने 1965 और 1971 में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ा था. तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री वीसी शुक्ला के बयान का हवाला भी इस कटिंग में मौजूद है, जिसमें उन्होंने राज्यसभा में बताया था कि बांग्लादेश में भड़के विद्रोह के मद्देनजर नाटो देशों और सोवियत संघ से पाकिस्तान को हथियार देने का अनुरोध किया गया था. अखबार में यह भी दर्ज है कि अमेरिका और चीन ने मिलकर पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराए, जिनकी मदद से पाकिस्तान ने 1971 का युद्ध लड़ा. उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने और उसे प्रॉफिट पर बेचने का आरोप लगाया है. इस पर भारत ने स्पष्ट किया है कि जब रूस से तेल खरीदना शुरू किया गया था, तब अमेरिका ने खुद इसे उचित ठहराया था. विदेश मंत्रालय ने साफ शब्दों में कहा कि भारत की आलोचना करने वाले राष्ट्र ही स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं. मंत्रालय ने कहा कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है. किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा.

भारत-फिलिपींस संबंधों को मिला रणनीतिक साझेदारी का दर्जा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिलिपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस के बीच मंगलवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई. इस ऐतिहासिक वार्ता में दोनों देशों ने आपसी संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया. प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मार्कोस के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रेस वक्तव्य दिया और इस दौरान समझौतों का आदान-प्रदान हुआ. वार्ता के दौरान डिजिटल तकनीक, विज्ञान, रक्षा, अंतरिक्ष, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार और समुद्री सहयोग जैसे विविध क्षेत्रों में समझौतों और घोषणाओं पर सहमति बनी. इनमें प्रमुख हैं- रणनीतिक साझेदारी की स्थापना का साझा घोषणा पत्र, सेनाओं के बीच स्टाफ टॉक्स की रूपरेखा, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी और पर्यटन सहयोग कार्यक्रम अंतरिक्ष और डिजिटल तकनीक में सहयोग और आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता एवं सजायाफ्ता व्यक्तियों के आदान-प्रदान की संधि शामिल है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

शाह ने बनाया सबसे लंबे समय तक गृहमंत्री रहने का रिकार्ड

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक अनोखा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया. वे अब देश के सर्वाधिक लंबे समय तक गृहमंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं. अमित शाह ने इस पद पर 2,258 दिन (6 साल 65 दिन) पूरे कर लिए हैं, जिससे उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी के 2,256 दिन (6 साल 64 दिन) के कार्यकाल को पीछे छोड़ दिया है. आडवाणी इस पद पर 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 तक रहे. तब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे. संसद भवन के जीएमसी बालयोगी सभागार में राजग संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री के रूप में अमित शाह के योगदान की तारीफ की. प्रधानमंत्री ने देश के सबसे लंबे समय तक गृहमंत्री रहने पर अमित शाह को बधाई दी. उल्लेखनीय है कि अमित शाह ने 30 मई 2019 को

गृहमंत्री पद पर अपनी जिम्मेदारी संभाली थी. प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल में राजनाथ सिंह गृह मंत्री बनाए गए थे. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने रिकॉर्ड जीत हासिल की, उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल में अमित शाह को गृहमंत्री बनाया गया था और वर्तमान में भी वह इस पद पर कार्यरत हैं. 10 जून 2024 को अमित शाह दूसरी बार गृहमंत्री बने.

पीटीआई के राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान पंजाब में छह सांसद गिरफ्तार

एजेंसी ।इस्लामाबाद

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों के आज देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में छह सांसदों को गिरफ्तार कर लिया गया. यह लोग पार्टी संस्थापक और दो साल से जेल में बंद अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे हैं. पंजाब में विपक्ष के उपनेता मोइन कुरैशी को भी हिरासत में लिया गया है.

संघीय सरकार ने देशभर में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया है. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, लाहौर में सांसद फारुख जावेद मून, कर्नल शोएब, नदीम सादिक डोगर, ख्वाजा सलाहुद्दीन, अमीनुल्लाह खान और इकबाल खट्टक को गिरफ्तार किया गया है. पार्टी ने दावा किया है कि अधिकारियों ने लाहौर में 300 से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है. पार्टी नेताओं के घरों पर छापे मारे जा रहे हैं. इस बीच, रावलपिंडी में पुलिस ने व्यापक सुरक्षा उपाय किए हैं. शहर भर में 4,000 से अधिक पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं. अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) के आसपास भी विशेष व्यवस्था की गई है. रावलपिंडी में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है.

इमरान खान पिछले दो साल से अदियाला जेल में बंद हैं. अदियाला जेल की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया है. इस दौरान पंजाब रेंजर्स को जेल के आसपास तैनात करने का फैसला किया गया है. खैबर-पख्तूनख्वा में भी पीटीआई समर्थकों ने प्रदर्शन किया है. पीटीआई समर्थकों का एक काफिला तहसील टाल से हंगू की ओर बढ़ रहा है. बलूचिस्तान में पीटीआई नेता अहसान अयाज खेत्रान के नेतृत्व में बलूचिस्तान और पंजाब को जोड़ने वाले राजमार्ग को बंद कर दिया गया है. इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं.

तृणमूल कांग्रेस ने काकोली घोष को लोकसभा में मुख्य सचेतक नियुक्त किया

कोलकाता। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने लोकसभा में अपने नेतृत्व ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए वरिष्ठ सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तिदार को नया मुख्य सचेतक नियुक्त किया है. पार्टी ने यह निर्णय सांसद कल्याण बनर्जी के इस्तीफे के बाद लिया, जिन्होंने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था. इसके साथ ही सांसद शताब्दी राय को लोकसभा में पार्टी का नया उपनेता बनाया गया है. पार्टी की ओर से मंगलवार दोपहर जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, "वरिष्ठ सांसदों से परामर्श के बाद डॉ. काकोली घोष दस्तिदार को लोकसभा में मुख्य सचेतक और शताब्दी राय को लोकसभा में उपनेता नियुक्त किया है. हम दोनों को उनके नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हैं.

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन का मामला

छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रास से पारित

एजेंसी ।नयी दिल्ली

राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव मंगलवार को पारित कर दिया. लोकसभा में यह प्रस्ताव 30 जुलाई को ही पारित किया जा चुका है. राज्यसभा में मंगलवार को दोपहर दो बजे के बाद शुरू हुई कार्यवाही के दौरान गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष की नारेबाजी के बीच सदन में प्रस्ताव पेश किया.

राज्यसभा के उपसभापति ने इस पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी को बोलने का मौका दिया लेकिन उन्होंने बोलने से इन्कार कर दिया. इसके बाद बोलने के लिए तृणमूल कांग्रेस की सदस्य सुष्मिता देव का नाम पुकारा, लेकिन उन्होंने नियम 259 के तहत बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा कराने की बात रखनी चाही और सदन में हंगामा शुरू हो गया. त्रिची शिवा ने भी एसआईआर पर चर्चा कराने की बात कही. नित्यानंद राय ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि मणिपुर में हिंसा उच्च न्यायालय के आरक्षण संबंधी आदेश के कुछ पहलुओं के कारण फैली थी और वहां संघर्ष जातीय था, धार्मिक नहीं था. पिछले आठ महीनों में राज्य में हिंसा की केवल एक घटना हुई है जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है और पिछले चार महीनों में एक भी नहीं हुई है.

भाजपा सांसद ने चुनाव आयोग से की सीएम ममता बनर्जी की शिकायत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर संवैधानिक अधिकारों से आगे बढ़कर चुनाव प्रक्रिया में दखल देने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बूथ लेवल अधिकारियों को मतदाता सूची से एक भी नाम न हटाने की धमकी देकर निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा डाली है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है. महतो ने दावा किया कि हाल ही में एक प्रशासनिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा बीएलओ को दिया गया यह निर्देश भारतीय लोकतंत्र पर सीधा हमला है. उन्होंने आरोप लगाया कि ममता चुनाव आयोग के अधिकारों की खुली अवहेलना कर रही हैं.

कोपभाजन का शिकार बनने से बचा : अमेरिकी टैरिफ के सात अगस्त को प्रभावी होने से पहले

दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ, जापान ने किया समझौता

एजेंसी ।वाशिंगटन

अमेरिकी टैरिफ के सात अगस्त को प्रभावी होने से पहले दक्षिण कोरिया, यूरीपय संघ और जापान ने महत्वपूर्ण घोषणा कर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के कोपभाजन का शिकार बनने से बचने की कोशिश की है. दक्षिण कोरिया ने अपने समझौते में कम टैरिफ दर सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने और 100 अरब डॉलर की तरलीकृत प्राकृतिक गैस खरीदने पर सहमति जताई है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में यह जानकारी दी गई है. साथ ही यूरोपीय संघ ने संकेत दिया कि वह 750 अरब डॉलर की अमेरिकी ऊर्जा खरीदेगा और उसकी कंपनियां कम से कम 600 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए तैयार हैं. जापान ने कहा कि वह अमेरिका में निवेश के लिए 550 अरब डॉलर का कोष स्थापित करेगा. सीएनबीसी की खबर के अनुसार, इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार देररात जारी बयान में कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात तभी शुरू किया जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद ₹पारंपरिक आपूर्ति₹ यूरोप की ओर मोड़ दी गई. मंत्रालय ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा, ₹यह उजागर हो रहा है कि भारत की आलोचना करने वाले देश खुद रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं.₹ भारत ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रातों-रात सोशल मीडिया पर नई दिल्ली को और भी ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी देने के बाद अमेरिका और यूरोपीय संघ रूसी तेल के आयात को लेकर उसे निशाना बना रहे हैं. यूरोपीय आयोग के आंकड़ों के अनुसार, रूस के साथ यूरोपीय संघ का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 67.5 अरब यूरो (78.1 अरब डॉलर) था, जबकि 2023 में उसका सेवा व्यापार 17.2 अरब यूरो था.

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के आंकड़ों से पता चला है कि मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नई दिल्ली और मॉस्को के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 68.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो महामारी से पहले के 10.1 बिलियन डॉलर के व्यापार से लगभग 5.8 गुना अधिक है. भारत की यह प्रतिक्रिया ट्रंप के सोमवार को भारत पर शुल्क में काफी वृद्धि करने की धमकी के बाद आई है, हालाँकि उन्होंने उच्च शुल्क के स्तर को निर्दिष्ट नहीं किया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले सप्ताह भारतीय निर्यात पर 25 फीसद शुल्क और एक अनिर्दिष्ट जुर्माना लगाने की धमकी दी थी. उन्होंने भारत पर रियायती दरों पर रूस से तेल खरीदने और उसे खुले बाजार में बड़े मुनाफे पर बेचने का भी आरोप लगाया था. यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से रूस भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है. अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन की इस साल की शुरुआत में आई रिपोर्ट के अनुसार, आक्रमण से पहले रूस का आयात प्रतिदिन लगभग 1,00,000 बैरल या कुल आयात का 2.5 फीसदा था, जो बढ़कर 2023 में प्रतिदिन 18 लाख बैरल या 39 फीसद हो गया है.

बलूचिस्तान के केच जिले में जंगयान बलूच के घर पर किया हमला

क्वेटा (बलूचिस्तान)। पाकिस्तान समर्थित भाड़े के हत्यारों (मौत दस्ता) ने सोमवार रात केच जिले में थिसिल टेम्प के तेलकान क्षेत्र में जंगयान बलूच के घर पर हमला किया. हमले में फिलहाल किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है. जंगयान के घर पर इससे पहले भी कई बार हमला किया जा चुका है. द बलूचिस्तान पोस्ट की बलूची भाषा की समाचार सेवा की खबर के अनुसार, एक स्थानीय संवाददाता ने सूचित किया है कि यह हमला रात में हुआ, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. जंगयान बलूच के घर पर पहले भी कई बार हमला हो चुका है. बलूचिस्तान में मौत दस्तों और पाकिस्तान समर्थित संस्थाओं पर गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप हैं.

जापान के तापमान में उछाल इसेसाकी में पारा 41.8 पहुंचा

एजेंसी ।टोक्यो

जापान के गुनमा प्रांत के कांटो के इसेसाकी में 05 अगस्त को पारा अप्रत्याशित रूप से उछलते हुए खतरनाक स्तर पर पहुंच गया. कांटो के सुदूर पश्चिमी हिस्से में स्थित इस शहर में दोपहर 2:26 बजे अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसे जापान में इस सीजन में सबसे अधिक तापमान बताया जा रहा है. द असाही शिंबुन अखबार के अनुसार पश्चिमी टोक्यो के कुछ हिस्सों में भी तापमान लगभग इतना ही रहा. ओमे में तापमान 40.4 और हाचिओजी में 40.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. इस मौसम में यह पहली बार है जब टोक्यो में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया.

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने देश के 44 प्रांतों के लिए हीट स्ट्रोक की चेतावनी जारी की है. अधिकारियों ने जनता से अत्यधिक सावधानी बरतने वातानुकूलित जगह पर रहने का आग्रह किया है. एजेंसी के अनुसार, माएबाशी में अधिकतम तापमान 41, साइतामा प्रांत के कुमागाया में 40, साइतामा, चिचिबू यामानाशी प्रांत के कोफू में 39 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.